केंद्र के स्वास्थ्य बजट में पिछले 11 सालों में हुई तीन गुना से ज्यादा वृद्धि : अमित शाह- 7

अमेरिकी शुल्क के बावजूद भारत का निर्यात स्थर भारतीय बाजारों में विविधता से मिली मजबूती - 10

बांग्लादेश सरकार का दावा- उस्मान हादी के दो संदिग्ध हत्यारे भारत भागे - 11

नया साल भारतीय महिला हॉकी के लिए नई उम्मीद लेकर आएगा : ड्रेग फ्लिकर दीपिका - 12

आज का मौसम

19.0° अधिकतम तापमान

08.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 07.04

सूर्यास्त 05.25

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष शुक्ल पक्ष नवमी 10:12 उपरांत दशमी विक्रम संवत 2082

सोमवार, 29 दिसंबर 2025, वर्ष 35, अंक 329, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

10 हजार रन बनाने वाली दूसरी भारतीय खिलाड़ी बनीं मंधाना

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

- भारतीय उपकप्तान ने 281 पारियों में हासिल की यह उपलब्धि

उपकप्तान स्मृति मंधाना रविवार को यहां श्रीलंका के खिलाफ चौथे टी20 मैच के दौरान महिला अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 10 हजार रन पूरे करने वाली भारत की दूसरी व दुनिया की कुल चौथी बल्लेबाज बनीं।

स्मृति ने यहां ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में निमाशा मीपागे की गेंद पर जैसे ही 27वां रन बनाया स्टेडियम तालियों से गूंज पड़ा। भारत की मिताली राज, इंग्लैंड की चार्लोट एडवर्ड्स और न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स उनके पहले यह उपलब्धि हासिल कर चुकी हैं। स्मृति ने हालांकि सबसे कम पारियों में 10 हजार रन पूरा करने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने 281 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की। मिताली इस सूची में 291 पारियों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। चार्लोट और सूजी ने क्रमशः 308 और 314 पारियों में इस आंकड़े को छुआ था। (विस्तृत खेल पेज पर)

संडे को छुट्टी पर रहे सूर्यदेव, 40 जिलों में छाया घना कोहरा

- घने कोहरे से जनजीवन अस्त-व्यस्त, तीन दिन तक पड़ेगी कड़ाके की सर्दी
- पूर्वांचल के अलावा तराई बेल्ट के जिलों में कोल्ड-डे की स्थिति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे का कहर बढ़ता जा रहा है। रविवार को बरेली, पीलीभीत और शाहजहांपुर समेत 40 जिलों में घना कोहरा छाया रहा। वहीं मौसम विभाग ने आगामी दिनों में सर्दी का सितम जारी रहने की संभावना जताई है।

29 से 31 दिसंबर को और कड़ाके की सर्दी का सामना करना पड़ सकता है। रविवार को धूप नहीं निकलने से गलन बढ़ गई। पूर्वांचल के अलावा तराई बेल्ट के जिलों में कोल्ड-डे की स्थिति

न्यूनतम तापमान 5 डिग्री से. पहुंचा: यूपी के कई जिलों में न्यूनतम तापमान लुढ़ककर 5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। इनमें बाराबंकी, कानपुर समेत कई जिले हैं। वहीं, इटावा सबसे ठंडा जिला रहा। यहां पर न्यूनतम तापमान 5.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया था, जो की सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस कम है। वहीं, अधिकतम तापमान झांसी जिले में 24 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया जो की सामान्य से 2 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। लखनऊ का अधिकतम तापमान 19 व न्यूनतम 10 डिग्री से. रहने की संभावना है। बाराबंकी में 7, सोनभद्र में 7, फतेहपुर में 7, आगरा में 7 डिग्री से. न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया।

110 से ज्यादा ट्रेनें लेट: खराब मौसम से 110 से ज्यादा ट्रेनें लेट हैं तो कई डाइवर्ट-रीशेड्यूल्ड की गई हैं। डायवर्ट ट्रेनों में 16032 अंडमान एक्सप्रेस, 11078 झेलम, 12751 जम्मू तवी हमसफर एक्सप्रेस हैं। कई घंटे लेट चल रहीं ट्रेनों में 12417 प्रयागराज एक्सप्रेस, 12427 रीवा-आनंद विहार एक्सप्रेस, 12309 न्यू दिल्ली तेजस राजधानी समेत अन्य ट्रेनें शामिल रहीं।

ट्रेनें घंटों लेट, 20 से ज्यादा फ्लाइटें हुईं कैंसिल

घने कोहरे के कारण तेजस समेत कई ट्रेनें घंटों लेट चल रही हैं। विमान सेवा पर भी मौसम का असर पड़ा है। बस सेवाओं भी प्रभावित हो रहीं हैं। लखनऊ, वाराणसी, प्रयागराज, अयोध्या से आने व जाने वाली लगभग 20 से अधिक उड़ाने घंटो लेट रहीं। कुछ उड़ानों को निरस्त भी कर दिया गया। ऐसे में स्पाइसजेट, एयर इंडिया और इंडिगो के साथ-साथ लखनऊ, दिल्ली एयरपोर्ट ने भी ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। दिल्ली, अमृतसर, जम्मू, अयोध्या, गोरखपुर, वाराणसी, चंडीगढ़, दरभंगा, पटना, हिंडन, रांची, गुवाहाटी, बागडोगरा की उड़ानें प्रभावित हैं।

सभी स्कूल 1 जनवरी तक बंद करने के निर्देश

लखनऊ। प्रदेश में चल रही शीतलहर व हांड़ कंपा देनी वाली सर्दी को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को राज्य में 12वीं तक के सभी स्कूलों को एक जनवरी तक बंद करने के निर्देश जारी किए हैं। इस क्रम में आईसीएससी, सीबीएससी और यूपी बोर्ड के सभी स्कूलों को एक जनवरी तक बंद करने की हिदायत दी गई है। सीएम ने स्पष्ट किया है कि शीतलहर के दौरान बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि है। मुख्यमंत्री ने रविवार को गोरखपुर में रैन बसेरों के निरीक्षण, वहां कंबल और भोजन वितरण किया। सीएम ने कहा कि धुंध और कोहरे को देखते हुए अनावश्यक यात्रा से बचें।

ब्रीफ न्यूज

दवा संयंत्र में विस्फोट मामले में सिगाची इंडस्ट्रीज का सीईओ गिरफ्तार

हैदराबाद। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में सिगाची इंडस्ट्रीज के दवा संयंत्र में इस साल जून में हुए विस्फोट के सिलसिले में कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी को गिरफ्तार किया गया है। इस घटना में 54 लोगों की मौत हो गयी थी। दुर्घटना के मामले में आरोपी नंबर दो के रूप में नामजद सिगाची इंडस्ट्रीज के प्रबंध निदेशक और सीईओ अमित राज सिन्हा को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, जो सभी दवा कंपनी से जुड़े हैं। 30 जून को संगारेड्डी जिले में सिगाची के विनिर्माण संयंत्र में विस्फोट हुआ था।

उन्नाव कांड में सीबीआई की याचिका पर सुनवाई आज

नई दिल्ली। शीर्ष कोर्ट सीबीआई की उस याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगा जिसमें भाजपा से निष्कासित कुलदीप सिंह सेंगर की उन्नाव दुष्कर्म मामले में आजीवन कारावास की सजा को निलंबित करने के दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई है। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति माहेश्वरी एवं ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की तीन सदस्यीय अवकाशकालीन पीठ इस मामले की सुनवाई करेगी। कोर्ट अधिवक्ता अंजले पटेल और पूजा शिल्पकार द्वारा दायर एक अलग याचिका पर भी सुनवाई करेगा जिसमें हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई है।

युवा शक्ति के कारण दुनिया भारत की ओर बड़ी उम्मीदों से देख रही है : मोदी

मन की बात में प्रधानमंत्री बोले- हमारे विज्ञान और तकनीक ने सभी को प्रभावित किया

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी के विस्तार के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों ने दुनिया भर के देशों को बहुत प्रभावित किया है और युवा शक्ति के कारण पूरी दुनिया देश की ओर बड़ी उम्मीदों से देख रही है। मोदी ने अपने मासिक मन की बात संबोधन में कहा, आज दुनिया भारत को बहुत आशा के साथ देख रही है। भारत से उम्मीद की सबसे बड़ी वजह है, हमारी युवा शक्ति।

मोदी ने कहा, भारत के युवाओं में हमेशा कुछ नया करने का जुनून है और वो उतने ही जागरूक भी हैं। मेरे युवा साथी कई बार मुझसे यह पूछते हैं कि राष्ट्र निर्माण में वो अपना योगदान और कैसे बढ़ाएं, वो कैसे अपने विचार साझा कर सकते हैं। कई साथी पूछते हैं कि मेरे सामने वो अपने विचार को कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं, उन्होंने कहा कि हमारे युवा साथियों की इस जिज्ञासा का समाधान है विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग। उन्होंने कहा कि पिछले साल इसका पहला संस्करण आयोजित हुआ था और अब कुछ दिन बाद उसका दूसरा संस्करण आयोजित होने वाला है। अगले महीने की 12 तारीख को स्वामी विवेकानंद जी की जयंती के अवसर पर 'राष्ट्रीय युवा दिवस' मनाया जाएगा। इसी दिन 'यंग लीडर्स डायलॉग' का भी आयोजन होगा और मैं भी इसमें जरूर शामिल होऊंगा। इसमें हमारे युवा नवोन्मेष, फिटनेस, स्टार्टअप और कृषि जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा करेंगे। मैं इस कार्यक्रम को लेकर बहुत ही उत्सुक हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे बहुत से मंच विकसित हो रहे हैं, जहां युवा अपनी योग्यता और रुचि के अनुसार अपनी प्रतिभा दिखा सकते हैं। ऐसा ही एक मंच है स्मार्ट इंडिया हैकथॉन, जहां आईडिया, एक्शन' में बदलते हैं। स्मार्ट इंडिया हैकथॉन 2025 का समापन इसी महीने हुआ है। इस हैकथॉन के दौरान 80 से अधिक सरकारी विभागों की 270 से ज्यादा समस्याओं पर छात्रों ने काम किया।

देश के लिए 2025 गौरवपूर्ण उपलब्धियों का वर्ष रहा

नई दिल्ली। मोदी ने कहा कि 2025 भारत के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धियों का वर्ष रहा है। इस साल ऑपरेशन सिंदूर हर भारतीय के लिए गर्व का प्रतीक बन गया। दुनिया ने साफ देखा आज का भारत अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करता। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देश के कोने-कोने से मां भारती के प्रति प्रेम और समर्पण की तस्वीरें सामने आई। 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे हुए। मैंने आपसे आग्रह किया था कि 'हैशटैग वंदे मातरम् 150' के साथ अपने संदेश और सुझाव भेजें। हमारी पुरुष क्रिकेट टीम ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती और महिला क्रिकेट टीम ने पहली बार विश्व कप अपने नाम किया।

संस्कृति और भाषाओं के वैश्विक प्रसार की सराहना की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री ने फिजी में नई पीढ़ी को तमिल भाषा से जोड़ने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने दुबई में रहने वाले कन्नड़ परिवारों द्वारा अपने बच्चों को कन्नड़ भाषा सिखाने के लिए 'कन्नड़ पाठशाला' शुरू करने के प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने कहा, अब मैं आपसे भारत से हजारों किलोमीटर दूर, एक ऐसे प्रयास की बात करना चाहता हूं, जो दिल को छू लेने वाला है। फिजी में भारतीय भाषा और संस्कृति के प्रसार के लिए एक सराहनीय पहल हो रही है। वहां की नई पीढ़ी को तमिल भाषा से जोड़ने के लिए कई स्तरों पर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। पिछले महीने फिजी के राकी-राकी इलाके के एक स्कूल में पहली बार तमिल दिवस मनाया गया।

एंटीबायोटिक के अंधाधुंध इस्तेमाल के खिलाफ चेताया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री ने एंटीबायोटिक प्रतिरोध के मुद्दे को उठाते हुए लोगों से आग्रह किया कि वे डॉक्टर से परामर्श किए बिना ऐसी दवाएं न लें। कहा कि आईसीएमआर ने हाल ही में एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें कहा गया है कि निमोनिया और यूटीआई जैसी कई बीमारियों के खिलाफ एंटीबायोटिक अप्रभावी साबित हो रही हैं। यह सभी के लिए चिंता का विषय है। इसका एक बड़ा कारण लोगों द्वारा बिना सोचे-समझे एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन है। कहा, आजकल लोग ये मानने लगे हैं कि बस एक गोली ले लो, हर तकलीफ दूर हो जाएगी। यही वजह है कि बीमारियां और संक्रमण इन एंटीबायोटिक दवाओं पर भारी पड़ रहे हैं।

धर्मान्तरण रैकेट को एआई के हथियार से करें नेस्तनाबूद : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बोले, धार्मिक उन्माद व जातीय विद्वेष फैलाने वालों के खिलाफ पुलिस करे सख्त कार्रवाई

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी ने 'पुलिस मंथन वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सम्मेलन-2025', के दूसरे दिन रविवार को समापन अवसर पर प्रदेश में कानून व्यवस्था को मजबूत करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पाकिस्तान, बांग्लादेश एवं नेपाल से लगी अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से हो रही आतंकवादी गतिविधियों और नशीले पदार्थों की तस्करी के नए आयामों का गहन विश्लेषण करते हुए सीमा निगरानी को अधिक सुदृढ़ करने पर बल दिया।

उन्होंने विदेशी फंडिंग से संचालित गो-तस्करी और धर्मांतरण के लिए चलाए जा रहे संगठित गिरोह पर सख्त कार्रवाई करने को कहा। खासकर धर्मान्तरण रैकेट की रोकथाम के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वित्तीय ट्रेल, तकनीकी विश्लेषण एवं आधुनिक संसाधनों के प्रभावी उपयोग को और मजबूत करने के निर्देश दिए। योगी ने वरिष्ठ अधिकारियों को सोशल मीडिया और साइबर क्राइम पर सख्त निगरानी रखने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के दुरुपयोग, डीपफेक, साइबर अपराध एवं आतंकी नेटवर्क जैसी चुनौतियों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए पुलिस एवं इंटेलिजेंस तंत्र को निर्देशित किया कि सोशल मीडिया पर कानून-व्यवस्था, जातीय एवं धार्मिक सौहार्द को प्रभावित करने वाले किसी भी आपत्तिजनक कंटेंट पर तत्काल संज्ञान लेकर त्वरित और कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जाति या धर्म के नाम पर समाज को विभाजित करने, पुलिस पर दबाव बनाने अथवा अराजकता फैलाने वाले तत्वों के प्रति किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए। योगी ने धार्मिक कन्वर्जन को गंभीर चुनौती बताते हुए कहा कि बलरामपुर जैसी घटनाएं संकेत हैं कि ऐसे प्रयास संगठित रूप से किए जा रहे हैं।

बरेली के एसएसपी समेत कई पुलिस अधिकारी सम्मानित

योगी ने पदक अलंकरण समारोह में अधिकारियों व कार्मिकों को सम्मानित किया और सभी 11 सत्र की चर्चा की। मुख्यमंत्री ने बरेली बवाल के आरोपियों मौलाना तौकीर रजा समेत अन्य को गिरफ्तार करके जेल भेजने और शाही थाना क्षेत्र के चर्चित सीरियल साइको किलिंग का खुलासा करने में बरेली के एसएसपी अनुराग आर्य को उत्कृष्ट सेवा पुलिस पदक से सम्मानित किया गया। इस दौरान पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्णा, प्रमुख सचिव (गृह) संजय प्रसाद, निदेशक एसपीजी आलोक शर्मा, पुलिस महानिदेशक (कारागार) पीसी मीणा आदि मौजूद रहे।

कर्नाटक के कारवार तट पर पनडुब्बी आईएनएस वाघशीर में सवार होतीं राष्ट्रपति मुर्मू। ● एजेंसी

पनडुब्बी में सवार हो समुद्र की गहराइयों तक पहुंचीं महामहिम

नई दिल्ली, एजेंसी

- आईएनएस वाघशीर पर हुईं सवार, यात्रा करने वाली देश की दूसरी राष्ट्रपति
- 2006 में तत्कालीन राष्ट्रपति कलाम ने आईएनएस सिंधु रक्षक में की थी यात्रा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रविवार को भारतीय नौसेना की अग्रिम पंक्ति की पनडुब्बी आईएनएस वाघशीर पर सवार होकर समुद्री यात्रा की। मुर्मू पनडुब्बी पर सवार होकर यात्रा करने वाली देश की दूसरी राष्ट्रपति हैं। इससे पहले फरवरी 2006 में तत्कालीन राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने भारतीय नौसेना की पनडुब्बी आईएनएस सिंधु रक्षक से समुद्री यात्रा की थी।

अधिकारियों ने बताया कर्नाटक के कारवार नौसैनिक अड्डे से कलवरी श्रेणी की पनडुब्बी पर राष्ट्रपति के सवार होने के दौरान नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी भी उनके साथ मौजूद थे। मुर्मू ने नौसेना की वर्दी पहनकर पनडुब्बी में प्रवेश करने से पहले नौसेना कर्मियों को हाथ हिलाकर अभिवादन किया। उन्होंने आईएनएस वाघशीर के चालक दल से बातचीत की और उनकी समर्पण भावना की सराहना की, साथ ही देशी पनडुब्बी को भारतीय नौसेना की पेशेवर उत्कृष्टता और युद्ध तैयारियों का चमकता उदाहरण बताया।

आईएनएस वाघशीर की खासियत

यह एक स्कॉर्पीन-क्लास पनडुब्बी है, जो अत्याधुनिक हथियारों और प्रणालियों से सुसज्जित है, जिससे यह समुद्र में गुप्त संचालन करने में सक्षम है। वाघशीर की लंबाई 68 मीटर और वजन लगभग 1,550 टन है। यह पनडुब्बी गुप्त संचालन के लिए डिजाइन की गई है। इसमें उन्नत सोनार सिस्टम भी लगाया गया है, जो इसकी निगरानी क्षमताओं को बढ़ाता है।

कोडीन सिरप की तस्करी के मामले में पांच लोग गिरफ्तार

वाराणसी। वाराणसी पुलिस ने फर्जी दवा कंपनियां बनाकर अवैध रूप से कोडीन युक्त कफ सिरप की आपूर्ति करने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में कोडीन युक्त कफ सिरप की तस्करी के आरोप में रोहनिया और सारनाथ थानों में दो अलग-अलग मामले दर्ज कर फरार सरगना के खिलाफ 50 हजार का इनाम घोषित करने के साथ उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस भी जारी किया गया है।

- फर्जी कंपनियां बनाकर कर रहे थे तस्करी करोड़ों रुपये के लेनदेन की पुष्टि

अपर पुलिस उपायुक्त नीतू कात्यायन ने बताया कि रोहनिया में दर्ज मामले में स्वप्निल केसरी, दिनेश यादव और आशीष यादव को गिरफ्तार किया गया। सारनाथ में दर्ज मामले में विष्णु पांडेय और लोकेश अग्रवाल को गिरफ्तार किया गया। इन सभी पर फर्जी कंपनियां खोलकर धांधली करने का आरोप है। आरोप है कि उन्होंने इन कंपनियों के लिए जीएसटी नंबर लिए और ड्रग एजेंसी से लाइसेंस भी हासिल किए।

लेखपाल भर्ती में ओबीसी के 717 पद बढ़े

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने किया पदों का पुनर्वर्गीकरण, सामान्य वर्ग के 960 पदों में कटौती

अमृत विचार: उप्र. सरकार ने 7,994 पदों पर होने वाली लेखपाल भर्ती में बड़ा निर्णय लिया है। उप्र. अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) ने राजस्व लेखपाल भर्ती-2026 के लिए संशोधित नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इस रिवाइज्ड नोटिफिकेशन में आरक्षित पदों की संख्या बढ़ा दी गयी है, जबकि भर्ती की योग्यता, आवेदन प्रक्रिया और शर्तों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

आयोग द्वारा जारी संशोधित अधिसूचना के अनुसार, ओबीसी वर्ग के पदों की संख्या में 717 की बढ़ोतरी की गई है, वहीं जनरल कैटेगरी के पदों में 960 की कटौती की गई है। लंबे समय से ओबीसी वर्ग के अभ्यर्थी पदों की संख्या बढ़ाने की मांग कर रहे थे। जिसके बाद आयोग ने कैटेगरी वाइज समीक्षा करते हुए यह फैसला लिया है।आयोग ने स्पष्ट किया है कि इस भर्ती के तहत कुल 7,994 पदों पर नियुक्ति की जानी है। कुल पदों की संख्या में कोई बदलाव नहीं किया गया है, केवल आरक्षण श्रेणियों के तहत पदों का पुनर्विन्यास किया गया है। आयोग के अनुसार यह संशोधन अभ्यर्थियों की मांग और सामाजिक संतुलन को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

संशोधित पदों का विवरण

- सामान्य वर्ग (सामान्य) – 3,205 पद
- अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) – 2,158 पद
- अनुसूचित जाति (एससी) – 1,679 पद
- अनुसूचित जनजाति (एसटी) – 160 पद
- आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्लूएस) – 792 पद

बदलाव यूपी देश के अग्रणी निवेश गंतव्यों में शामिल, 12वें से दूसरे स्थान तक का तय किया सफर

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में प्रदेश ने लगाई बड़ी छलांग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- आवेदन निस्तारण दर 97 प्रतिशत से अधिक, 20 लाख से ज्यादा डिजिटल स्वीकृतियां

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश ने वर्ष 2025 में व्यापार में सुगमता के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां दर्ज की हैं। प्रशासनिक और डिजिटल सुधारों ने प्रदेश को निवेश के लिए भरोसेमंद राज्य के रूप में स्थापित किया। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत वर्ष 2017-18 में जहां यूपी 12वें स्थान पर था, वहीं वर्ष 2019 में प्रदेश ने देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया। वर्ष 2022 और 2024 में उत्तर प्रदेश को 'टॉप अचीवर' की श्रेणी में स्थान मिला।

साथ ही वर्ष 2022, 2023 और 2024 की लॉजिस्टिक्स रैंकिंग में भी राज्य को 'अचीवर्स' के रूप में मान्यता मिली। वर्ष 2021 के गुड गवर्नेंस इंडेक्स में वाणिज्य एवं उद्योग श्रेणी में प्रदेश शीर्ष पर रहा। दरअसल, योगी सरकार ने मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस, के सिद्धांत पर चलते हुए व्यापार और निवेश प्रक्रियाओं को सरल बनाने पर विशेष जोर दिया। समग्र सुधारों, डिजिटल पहलों और निवेशक-अनुकूल नीतियों के चलते उत्तर प्रदेश ने ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस में तेज प्रगति की। डिजिटल सिस्टम, पारदर्शी प्रक्रियाएं और बड़े पैमाने पर सुधारों ने प्रदेश को देश के सबसे निवेशक-अनुकूल राज्यों में शामिल कर दिया है। बिजनेस रिफार्म एक्शन प्लान-2024 के अंतर्गत उत्तर प्रदेश को उद्यम स्थापना, श्रम नियमों के सरलीकरण और भूमि प्रशासन जैसे तीन प्रमुख क्षेत्रों में 'टॉप अचीवर' घोषित किया गया। रिफार्म एक्शन प्लान के तहत 2024 के बाद सरकार ने 24 क्षेत्रों में 426 अहम सुधार किए। इनमें उद्यम स्थापना, निवेश सुविधा, भूमि सुधार, श्रम पंजीकरण, पर्यावरण अनुमति, सिंगल विंडो सिस्टम और निर्माण अनुमति जैसी प्रक्रियाएं शामिल हैं।

निवेश मित्र बना कारोबार का भरोसेमंद प्लेटफॉर्म

सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है डिजिटल सिंगल विंडो पोर्टल निवेश मित्र। इस पोर्टल के माध्यम से 45 विभागों की 525 से अधिक सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही हैं। अब तक 20 लाख से अधिक स्वीकृतियां डिजिटल रूप से जारी की जा चुकी हैं और 97 प्रतिशत से अधिक आवेदनों का निस्तारण हो चुका है। पोर्टल के अनुसार 96 प्रतिशत से अधिक उपयोगकर्ता निवेश मित्र की सेवाओं से संतुष्ट हैं।

सरकार कर रही अगले संस्करण की तैयारी

सरकार निवेश मित्र के अगले संस्करण 'निवेश मित्र 3.0' की तैयारी कर रही है। यह पोर्टल राष्ट्रीय सिंगल विंडो सिस्टम के साथ एकीकृत होगा और एकीकृत शिकायत निस्तारण प्रणाली, निवेश सारथी, आनलाइन इंटीग्रेटेड मैनेजमेंट सिस्टम, इंडिया इंडस्ट्रियल लैंड बैंक और मुख्यमंत्री दर्पण जैसी प्रणालियों से जुड़ेगा। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित स्मार्ट डैशबोर्ड, रियल-टाइम डेटा एनालिसि जैसी सुविधा होगी।

अमृत विचार

लखनऊ, सोमवार, 29 दिसंबर 2025

स्वास्थ्य सेवाओं में आया बड़ा बदलाव, आधुनिक सुविधाएं बढ़ीं और जवाबदेही भी तय

पद्माकर पाण्डेय, लखनऊ

अमृत विचार : वर्ष 2025 उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग के लिए बड़े सुधार, सख्त अनुशासन और आधुनिक सुविधाओं का साल रहा। प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं में बुनियादी ढांचे से लेकर जवाबदेही तक व्यापक परिवर्तन देखने को मिले। जनमानस को गुणवत्ता युक्त इलाज मुहैय्या कराने के लिए प्रदेश भर में आईसीयू, वेंटिलेटर, सीटी स्कैन, डायलिसिस, पैथोलॉजी और आधुनिक जांच सुविधाओं का तेजी से विस्तार हुआ। जिला अस्पतालों से लेकर सीएचसी और पीएचसी तक स्वास्थ्य इकाइयों को अपग्रेड किया गया।

हब एंड स्पोक मॉडल, स्टेमी और ब्रेन स्ट्रोक कार्यक्रम बने जीवन रक्षक : इमरजेंसी मेडिकल केयर के क्षेत्र में वर्ष 2025 उत्तर प्रदेश के लिए मील का पत्थर साबित हुआ। स्वास्थ्य विभाग द्वारा हब एंड स्पोक मॉडल पर शुरू किए गए हार्ट अटैक (स्टेमी) कार्यक्रम और ब्रेन स्ट्रोक कार्यक्रम प्रदेश की बड़ी उपलब्धियों में शामिल रहे। इन कार्यक्रमों के प्रारंभिक चरण में ही सैकड़ों मरीजों की जान बचाई गई, जबकि समय पर इलाज मिलने से अनेक मरीज स्थायी दिव्यांगता से भी सुरक्षित रहे। हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक जैसे मामलों में गोल्डन ऑवर के भीतर उपचार सुनिश्चित कर मरीजों को जिला अस्पताल से उच्च चिकित्सा संस्थानों तक त्वरित रेफरल की व्यवस्था की गई। विशेषज्ञों के अनुसार, हब अस्पतालों को सुपर स्पेशियलिटी सुविधाओं से जोड़ा गया, जबकि स्पोक अस्पतालों में प्रारंभिक इलाज, जांच और स्थिरीकरण की व्यवस्था की गई, जिससे इमरजेंसी रिस्पॉन्स सिस्टम अधिक प्रभावी हुआ।

स्वास्थ्य विभाग की वार्षिकी-2025

प्रमुख उपलब्धियां

- प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में 3133 से अधिक आईसीयू बेड उपलब्ध
- प्रदेश के सभी जिलों में, जिला अस्पताल व मंडलीय अस्पताल में नि :शुल्क सीटी स्कैन जांच
- प्रदेश के 54 सरकारी अस्पतालों में बेरा जांच से मूक-बधिर दिव्यांगों को राहत
- विभिन्न जिलों की 185 सीएचसी में डेंटल चेयर की स्थापना
- 20 जिलों में सीसा विषाक्तता जांच परियोजना लागू
- 102/108 एंबुलेंस का रिस्पॉन्स टाइम घटकर देश में नंबर वन
- 2554 नई एंबुलेंस, विश्व का सबसे बड़ा सरकारी एंबुलेंस क्रय

निजी अस्पतालों में रियायती ओपीडी सुविधा

आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जय) के क्रियान्वयन में 2025 में यूपी देश का पहला राज्य बन गया है, जहां आयुष्मान लाभार्थियों को निजी अस्पतालों में रियायती दरों पर ओपीडी परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। गरीब एवं वंचित परिवारों को अस्पताल में भर्ती हुए बिना ही प्रारंभिक परामर्श और समय पर इलाज का लाभ मिल रहा है, जिससे गंभीर बीमारियों की पहचान पहले चरण में ही संभव हो पा रही है।

लापरवाही, अनुशासनहीनता व भ्रष्टाचार पर सख्ती

- बिना सूचना गैरहाजिर रहने वाले 50 से अधिकार डॉक्टर बर्खास्त या निलंबित
- रिश्वत, प्राइवेट प्रैक्टिस और लापरवाही पर जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत त्वरित कार्रवाई हुई
- मरीजों से दुर्व्यवहार और अवैध वसूली पर त्वरित कार्रवाई

नई व्यवस्थाएं

- ऑनलाइन पेशेंट फीडबैक सिस्टम
- पोस्टमार्टम अधिकतम 4 घंटे में पूरा करने की गाइडलाइन
- सभी अस्पतालों में फायर सेफ्टी मॉकड्रिल अनिवार्य
- 355 विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती (एनएचएम)
- नर्सों को नया सम्मानजनक पदनाम - नर्सिंग अधिकारी

अनुशासन और पारदर्शिता

- ड्यूटी से गैरहाजिर चिकित्सा शिक्षकों की बर्खास्तगी
- प्राइवेट प्रैक्टिस, भ्रष्टाचार और टेंडर अनियमितताओं पर कड़ी कार्रवाई
- गलत मरीज को ऑपरेशन टेबल पर लिटाने जैसे मामलों में तत्काल निलंबन

आयुष्मान योजनाओं में फर्जीवाड़े पर त्वरित कार्रवाई

आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत वर्ष 2025 में वित्तीय अनुशासन की भी सख्त मिसाल पेश की गई। जांच में सामने आया कि 39 अस्पतालों को 9.94 करोड़ रुपये का गलत भुगतान ट्रांसफर हो गया था। लेकिन तत्काल कार्रवाई होने पर अस्पतालों से राशि की रिकवरी की गयी। इस मामले के बाद डेटा सिक्योरिटी प्रोटोकॉल को और मजबूत किया गया। भुगतान प्रणाली में अतिरिक्त जांच व निगरानी तंत्र लागू किया गया।

- 5.21 करोड़ आयुष्मान कार्ड, 57 लाख से अधिक मरीजों का मुफ्त इलाज
- 22,000 आयुष्मान आरोग्य मंदिर, यूपी देश में अग्रणी
- योग दिवस पर 8.27 लाख लोगों ने किया योग, यूपी नंबर वन

चिकित्सा शिक्षा में यूपी बना नया मॉडल

अमृत विचार, लखनऊ : चिकित्सा शिक्षा विभाग ने वर्ष 2025 में मेडिकल कॉलेजों की संख्या, सुपर स्पेशियलिटी सुविधाओं और शैक्षणिक अनुशासन में अभूतपूर्व प्रगति दर्ज की गई। एक ही वर्ष में सबसे अधिक मेडिकल कॉलेज खोलकर यूपी ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। प्रदेश में अब 81 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं। प्रदेश में 12800 एमबीबीएस और 4297 पीजी सीटों पर प्रवेश मिल रहे हैं। हालांकि शिक्षकों की कमी से निर्धारित मानक न पूरे होने की वजह से सरकारी मेडिकल कॉलेजों ने जुर्माना भी भरा, मगर गेस्ट शिक्षकों को नियुक्त कर न केवल मानक पूरे किए, बल्कि 5450 एमबीबीएस और 2,137 पीजी अभ्यर्थियों को शिक्षा भी प्रदान कर रहे हैं।

चिकित्सा शिक्षा विभाग की वार्षिकी- 2025

प्रमुख उपलब्धियां

- 65 मेडिकल कॉलेज पूर्ण क्षमता से संचालित
- एक वर्ष में 13 नए राजकीय व 3 पीपीपी मेडिकल कॉलेज
- 27 नए पैरामेडिकल कॉलेज
- मेडिकल कॉलेजों में आईसीयू, वेंटिलेटर, जांच और आधुनिक मशीनें
- केजीएमयू में बोन मैरो ट्रांसप्लांट यूनिट
- लोहिया संस्थान में गामा नाइफ मशीन (48 करोड़)
- रोबोटिक सर्जरी की शुरुआत
- मेडिकल कॉलेजों में 130 करोड़ से अधिक के आधुनिक उपकरण खरीदे गए
- मेडिकल कॉलेजों में मैनपावर और प्रशिक्षण में वृद्धि

सरकारी अस्पतालों में तैयार होंगे विशेषज्ञ चिकित्सक

सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी दूर करने की दिशा में वर्ष 2025 में ऐतिहासिक पहल की नींव रखी गई। राज्य सरकार ने डीएनबी (डिप्लोमेट ऑफ नेशनल बोर्ड) पाठ्यक्रम के माध्यम से सरकारी अस्पतालों को प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित करने की प्रक्रिया शुरू की है। इसके तहत राज्य सरकार ने 10 वर्ष व 13 वर्ष का अनुभव रखने वाले डिप्लोमाधारी चिकित्सकों का विवरण सरकारी अस्पतालों के प्रशासन से मांगा है। अनुभवी चिकित्सकों की उपलब्धता के आधार पर नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन (एनबीई) द्वारा डीएनबी सीटों को स्वीकृति दी जाएगी। इस पहल से न केवल सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की संख्या बढ़ेगी, बल्कि ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में भी उच्च स्तरीय इलाज उपलब्ध हो सकेगा। वर्तमान में प्रदेश के 39 सरकारी अस्पतालों में विभिन्न विषयों की 132 डीएनबी सीटें हैं, जिन पर अभ्यर्थी चिकित्सकों को प्रवेश मिल रहा है।

न्यूज ब्रीफ

बौद्ध सर्किट पहुंचे 61 लाख से अधिक पर्यटक

अमृत विचार, लखनऊ : यूपी का बौद्ध सर्किट अब प्रदेश ही नहीं, बल्कि वैश्विक बौद्ध पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनकर उभर रहा है। पर्यटन विभाग की नीतियों और अंतरराष्ट्रीय प्रचार का असर वर्ष 2025 में स्पष्ट रूप से दिखाई दिया है। जनवरी से सितंबर 2025 के बीच भगवान बुद्ध से जुड़े प्रदेश के छह प्रमुख स्थलों पर 61.15 लाख से अधिक पर्यटकों ने भ्रमण किया, जिनमें 2.71 लाख विदेशी पर्यटक शामिल हैं। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने रविवार को जारी बयान में बताया कि वर्ष 2025 के अंत तक पर्यटकों की संख्या 64 लाख के पार जाने का अनुमान है। पर्यटन मंत्री बताया कि कौशांबी में जनवरी से सितंबर 2025 के दौरान 23.19 लाख पर्यटक पहुंचे, जिनमें 2,884 विदेशी सैलानी शामिल रहे। इसी प्रकार महापरिनिर्वाण स्थली कुशीनगर में सर्वाधिक 18.60 लाख पर्यटक पहुंचे, जिनमें 1.88 लाख विदेशी थे। सारनाथ में 17.75 लाख, कपिलवस्तु में 51,795, श्रावस्ती में 79,245 और संकिसा में 29,577 पर्यटकों का आगमन दर्ज किया गया।

फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 31

अमत विचार, लखनऊ : प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर तय की गई है। यह योजना किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान कर रही है। रबी फसलों (गेहूं, जौ, चना, मटर, सरसो, मसूर, आलू आदि) के लिए बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर निर्धारित है। इसके लिए किसान pmfby.gov.in पर आवेदन कर सकते हैं या 14447 पर कॉल भी कर सकते हैं। बीमा योजना के माध्यम से दावों का डीबीटी के माध्यम से समय पर भुगतान भी किया जाता है। रबी फसलों के लिए किसानों को बीमा का सिर्फ डेढ़ प्रतिशत प्रीमियम देना होता है। शेष धनराशि का केंद्र-राज्य सरकार द्वारा भुगतान किया जाता है। रबी सीजन 2025-26 के लिए अब तक 15.01 लाख से अधिक किसानों द्वारा 53.23 लाख आवेदनों का बीमा किया जा चुका है।

थाना, सर्किल, पुलिस लाइन में हो बेहतर समन्वय, पुलिस का रहे दोस्ताना व्यवहार

यूपी के पुलिस अधिकारियों को अभिभावक की तरह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिए कई सुझाव

पुलिस हेडक्वार्टर में आयोजित सम्मेलन में संभल जिले के एसपी कृष्ण कुमार को सम्मानित करते मुख्यमंत्री योगी।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश के पुलिस जवानों को एक अभिभावक की तरह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कई सुझाव दिए। योगी ने थाना, सर्किल, पुलिस लाइन में भी बेहतर समन्वय पर जोर दिया। कहा कि घटना घटित होती है तो थाना इंचार्ज को जवाबदेह बनाते हैं। सर्किल की भूमिका और समन्वय में कितना योगदान दे रहा है, हमने कभी उस पर ध्यान नहीं दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि अगर तीनों में बेहतर समन्वय बना लें तो सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में यह बड़ा योगदान दे सकता है।

यह भी कहा कि पुलिस बल का दोस्ताना व्यवहार व संवेदना आमजन की समस्या का समाधान करती है और उनके मन में पुलिस के प्रति बेहतर धारणा भी बनाती है। बोले, हमने प्रयास किया कि राजनीतिक हस्तक्षेप न्यूनतम रहे। आपको कार्य करने की स्वतंत्रता दी गई है, ताकि आप परफॉर्म कर सकें। मुख्यमंत्री ने पुलिस कर्मियों के दायित्व पर भी चर्चा की। अब औसतन पुलिस अधिकारी न्यूनतम दो वर्ष तक जनपद-रेंज में सेवा देते हैं, पिछले आंकड़ों बताते हैं कि पहले एक महीने, तीन-चार महीने या कुछ ही दिन में स्थानांतरण हो जाता था। जब तक वह सामाजिक और भौगोलिक स्थिति को समझते, उससे पहले ही बाहर का रास्ता दिखा दिया जाता था। इससे अव्यवस्था पैदा होती थी, लेकिन अब स्थिरता दी गई।

मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि मैं अलग-अलग तबके से बात करता हूं। अच्छे पुलिस अधिकारी का स्थानांतरण होता है तो आमजन सिफारिश करते हैं कि अच्छा अधिकारी था, लेकिन जब गलत व्यक्ति को हटाया जाता है तो पब्लिक हमें धन्यवाद देती है कि इस बला को टाल दिया। हम दोनों स्थितियों को फेस करते हैं और आमजन से कहते हैं कि अच्छे अधिकारी को दूसरी जगह भी काम करना चाहिए। अन्य जगहों पर भी अच्छाई का लाभ मिले। प्रयास करना चाहिए कि अपने आचरण और व्यवहार से उसे और सुदृढ़ करें।

मुख्यमंत्री उत्कृष्ट सेवा पुलिस पदक से सम्मानित

वर्ष 2022
- प्रभाकर चौधरी – डीआईजी- अलीगढ़ परिक्षेत्र
- विनय चंद्रा- अपर पुलिस अधीक्षक- अभिसूचना मुख्यालय
- रविंद्र प्रताप सिंह- निरीक्षक- मुरादाबाद
- दिनेश कुमार डांडियाल- निरीक्षक- अधिसूचना विभाग
- मनु चौधरी-निरीक्षक यूपीपीसीएल गाजियाबाद
- मनोज चिकारा- मुख्य आरक्षी- गौतमबुद्धनगर
- सुश्री शैलेष कुंतल- महिला आरक्षी

वर्ष 2023
- शैलेश कुमार पांडेय-डीआईजी- आगरा परिक्षेत्र
- विशाल विक्रम सिंह- अपर पुलिस अधीक्षक- एसटीएफ
- विशाल संगारी- निरीक्षक- सीतापुर

वर्ष 2024
- अनुराग आर्य-एसएसपी- बरेली
- विमल कुमार सिंह- पुलिस उपाधीक्षक- एसटीएफ
- अरुण कुमार- मुख्य आरक्षी- एसटीएफ

वर्ष 2025
- कृष्ण कुमार-पुलिस अधीक्षक संभल
- प्रेम शुक्ला-पुलिस उपाधीक्षक एसटीएफ
- प्रियांशी प्रजापति- महिला आरक्षी कमिश्नरेट आगरा

दी हिदायत, जनप्रतिनिधियों का फोन करें रिसीव

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को पुलिस हेडक्वार्टर में आयोजित सम्मेलन के समापन समारोह में पुलिस मंथन के अभिनव प्रयास के लिए डीजीपी व उनकी टीम को बधाई दी। इस कड़ी में उन्होंने संवाद पर जोर देते हुए कहा कि थानाध्यक्ष, हल्का दरोगा, सर्किल इंचार्ज, जिले के कप्तान, रेंज व जोन के अधिकारियों को भी अलग-अलग तबके के साथ संवाद स्थापित करना चाहिए। त्योहारों पर पीस कमेटी की बैठक बुलाते हैं, लेकिन अन्य अवसरों पर भूल जाते हैं। सीएम ने अधिकारियों से कहा कि कोई भी जनप्रतिनिधि गलत कार्य के लिए नहीं बोलता है। उन्हें वास्तविक स्थिति से अवगत कराएं, उनका फोन रिसीव करें।

जनता दर्शन से पता चलती जमीनी हकीकत : योगी

सीएम ने थाना प्रबंधन के सत्र का जिक्र करते हुए कहा कि यह हमारी नींव है। आमजन के प्रति हमारा व्यवहार केवल संवेदनशीलता को ही प्रदर्शित नहीं करता, बल्कि ह्यूमन इंटेलिजेंस का भी माध्यम बनता है। मेरे पास जो भी सूचना आती है, अधिकांश की हकीकत ह्यूमन इंटेलिजेंस से ही पता चलती है। जनता दर्शन में मैं इसलिए ही नियमित रूप से जाता हूं। फरियादी सिर्फ शिकायत नहीं करता, बल्कि उसके प्रार्थना पत्र और पीड़ा को देख जमीनी हकीकत का पता चलता है।

विभिन्न सत्रों में इन विषयों का किया गया प्रस्तुतिकरण

पुलिस मंथन कार्यक्रम के तहत सत्र 8 में आपदा प्रबंधन, सिविल डिफेंस एवं होम गार्ड्स, सत्र 9 में विशाल जनसमूह (भीड़) प्रबंधन, सत्र 10 में खुफिया तंत्र एवं उभरती चुनौतियां जैसे सोशल मीडिया/एनजीओ तथा नेपाल सीमा, सत्र 11 में आतंकवाद-रोधी, मादक पदार्थ, गो-तस्करी एवं अन्य संगठित अपराध आदि विषयों पर प्रस्तुतिकरण किया गया।

नियम विरुद्ध 37 करोड़ का भुगतान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- अक्टूबर में 73 जिलों की 2006 ग्राम पंचायतों में मिली गड़बड़ी
- निदेशालय ने एडीओ और सचिवों पर दिए कार्रवाई के निर्देश

अमृत विचार : अक्टूबर में 73 जिलों की 2006 ग्राम पंचायतों पर करीब 37 करोड़ रुपये का भुगतान पुरानी व्यवस्था के तहत बाहर से कर दिया गया। निदेशक पंचायती राज अमित कुमार सिंह ने समीक्षा की तो गड़बड़ी पकड़ी गई। संबंधित जिला पंचायत राज अधिकारी को सचिव और एडीओ पंचायत के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

नई व्यवस्था के तहत ग्राम पंचायतों पर हुए कार्यों का भुगतान पंचायत भवन के कंप्यूटर पर गेटवे पोर्टल से करना है। यह पोर्टल बाहर किसी कंप्यूटर व लैपटॉप पर इंस्टाल नहीं होता है। इसके बाद भी 1 से 31 अक्टूबर तक 37 करोड़ रुपये का भुगतान पंचायत भवन की बजाय बाहर से बिना गेटवे पोर्टल से किया गया। निदेशालय पर समीक्षा हुई तो 73 जिलों की 2006 ग्राम पंचायतों पर बाहर से भुगतान करना पाया। जबकि दो वर्ष पहले बाहरी भुगतान की व्यवस्था खत्म की गई थी। सबसे अधिक भुगतान सहारनपुर ने 2.45 करोड़ रुपये किया है। जबकि बाराबंकी ने 2.17 करोड़, मथुरा 1.73 करोड़, कुशीनगर 1.73 करोड़, कानपुर नगर 1.43 करोड़, सीतापुर 1.39 करोड़, हरदोई 1.33 करोड़ व प्रयागराज में 1.21 करोड़ का नियम विरुद्ध भुगतान किया गया है।

जिंदा मरीज को मृत घोषित करने वाले तीन निलंबित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- जूनियर रेजिडेंट, स्टाफ नर्स और वार्ड आया पर गिरी गाज
- उप मुख्यमंत्री ने तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित की
- कमेटी को तीन दिन में पूरी करनी होगी जांच

अमृत विचार : कानपुर के गणेश शंकर विद्यार्थी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज (जीएसवीएम) में जिंदा मरीज को मृत घोषित करने के मामले जूनियर डॉक्टर, स्टाफ नर्स और वार्ड आया को निलंबित कर दिया गया है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के निर्देशानुसार हुई कार्रवाई अंतर्गत तीन सदस्यीय कमेटी गठित की गई है। कमेटी को तीन दिन में जांच पूरी करनी होगी।

जीएसवीएम में मेडिसिन विभाग के वार्ड नंबर-12 के बेड संख्या-43 पर मृत के स्थान पर जीवित मरीज का पुलिस इन्फॉर्मेशन (पीआई) भेजे जाने का प्रकरण सामने आया है। उप मुख्यमंत्री ने प्रकरण को गंभीरता से लिया और उन्होंने कॉलेज के प्रधानाचार्य को कार्रवाई के निर्देश दिए। प्रकरण की गंभीरता के मद्देनजर ड्यूटी पर तैनात जूनियर रेजिडेंट डॉ. हिमांशु मौर्या, नर्सिंग स्टाफ सनी सोनकर और वार्ड आया रहनुमा को निलंबित कर दिया गया है।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि प्रकरण की जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित की गई है। कमेटी का अध्यक्ष जीएसवीएम की उप प्रधानाचार्य डॉ. ऋचा गिरि को नामित किया गया है। तीन दिन के भीतर कमेटी को जांच कर रिपोर्ट सौंपनी होगी। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है। इसे किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। भविष्य में घटनाओं पर अंकुश लगाने के भी निर्देश दिए गए हैं।

चिकित्सा

इंटरनेशनल जर्नल ऑफ माइक्रोबैक्टीरियोलॉजी में प्रकाशित हालिया अध्ययन में खुलासा

स्मीयर माइक्रोस्कोपी से छूट जाते हैं कई टीबी केस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- संक्रमण की पहचान में ट्रूनैट की बेहतर संवेदनशीलता

अमृत विचार : ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) के लिए सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले डायग्नोस्टिक टेस्ट- स्मीयर माइक्रोस्कोपी की सीमित संवेदनशीलता के कारण बड़ी संख्या में टीबी के मामले बिना पता चले रह जाते हैं। इस बात का खुलासा ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स), गोरखपुर द्वारा किए गए और इंटरनेशनल जर्नल ऑफ माइकोबैक्टीरियोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन में हुआ है।

अध्ययन के अनुसार, 4,249 पल्मोनरी और एक्स्ट्रा-पल्मोनरी नमूनों के विश्लेषण से पता चला कि स्मीयर माइक्रोस्कोपी ने केवल 4.3 प्रतिशत मामलों में टीबी का पता लगाया। इसकी तुलना में, ट्रूनैट माइकोबैक्टीरियम टीबी-रिफैम्पिसिन (आरआईएफ) टेस्ट ने 13.7 प्रतिशत नमूनों में इन्फेक्शन की पहचान की, जो इसकी बेहतर संवेदनशीलता को दर्शाता है। चेस्ट रोग विशेषज्ञ डॉ. आशुतोष दुबे ने बताया कि स्मीयर माइक्रोस्कोपी सस्ती और आसानी से उपलब्ध है, लेकिन इसकी संवेदनशीलता सीमित है। ट्रूनैट, जो भारत में बना एक चिप-आधारित रियल-टाइम पीसीआर टेस्ट है और डब्लूएचओ द्वारा समर्थित है, टीबी का तेजी से पता लगा सकता है और रिफैम्पिसिन रेजिस्टेंस की पहचान कर सकता है, जो इस स्टडी में कन्फर्म मामलों में से 5.6 प्रतिशत में पाया गया था। उन्होंने कहा कि सही इलाज शुरू करने और आगे संक्रमण को रोकने के लिए दवा प्रतिरोध का शुरुआती पता लगाना बहुत जरूरी है। पारंपरिक माइक्रोस्कोपी को मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स के साथ मिलाने से टीबी नियंत्रण प्रयासों को काफी मजबूत किया जा सकता है।

टीबी कार्यक्रम खुद बीमार, जांच ठप

अमृत विचार : वर्ष 2025 तक टीबी उन्मूलन का दावा करने वाले स्वास्थ्य विभाग में टीबी संदिग्ध और पंजीकृत मरीजों की जांच तक नहीं हो पा रही है। करीब एक माह पहले सीबी-नॉट कार्ट्रिज खत्म हो जाने से राजधानी समेत अन्य जिलों की सभी मशीनें बंद पड़ी हैं। इसी तरह ट्रूनैट चिप उपलब्ध न होने के कारण ट्रूनैट मशीनें भी पूरी तरह ठप हैं। इतना ही नहीं, जांच केंद्रों पर लैब रजिस्टर, कल्चर रजिस्टर और डीएसटी (ड्रग सेंसिटिविटी टेस्ट) रजिस्टर जैसे मूलभूत अभिलेख तक उपलब्ध नहीं हैं।

> पारंपरिक माइक्रोस्कोपी को मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स के साथ मिलाने से टीबी नियंत्रण प्रयासों को काफी मजबूत किया जा सकता है, खासकर ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में। अगर भारत को टीबी खत्म करने का अपना लक्ष्य पूरा करना है तो ट्रूनेट जैसे टेस्ट को बढ़ाना जरूरी है।
>
> -डॉ.आशुतोष दुबे, वरिष्ठ चेस्ट रोग विशेषज्ञ, डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी (सिविल) अस्पताल, लखनऊ

स्थापना दिवस पर कांग्रेसियों ने ली शपथ

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पत्रकारों से संवाद करते कांग्रेस महासचिव और प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय, साथ में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय व अन्य। अमृत विचार

अमृत विचार: कांग्रेस पार्टी की स्थापना के 140 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव अविनाश पांडेय और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने महात्मा गांधी, पं.जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने पार्टी का झंडा फहराया और कांग्रेसजनों को स्थापना दिवस की शपथ दिलाई।

स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आर्ट पिक्चर गैलरी की प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आजादी के बाद तक कांग्रेस अधिवेशनों, उनके निर्णयों, उद्देश्यों और बलिदान देने वाले महापुरुषों के चित्र प्रदर्शित किए गए।

इस अवसर पर अविनाश पांडेय ने किसान, मजदूर, युवा, महिला, दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा में कांग्रेस की भूमिका को रेखांकित किया। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि प्रदेश से यह संदेश पूरे देश को जाएगा कि कांग्रेस कार्यकर्ता अब पूरी ताकत से खड़े हैं और वर्ष 2027 में कांग्रेस की सरकार बनेगी। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सचिव प्रदीप नरवाल, लेखक डॉ. अशोक पाण्डेय और चिंतक एचएल दुसाध ने भी अपने विचार रखे।

न्यूज ब्रीफ

मोबाइल खोया, खाते से उड़ाई रकम

अमृत विचार, लखनऊ: मड़ियांव इलाके में मोबाइल फोन गायब होने के बाद महिला के खाते से नकदी साफ कर दी गई। पीड़ित फैजुल्लागंज, कृष्णालोक कॉलोनी निवासी रामगुनी ने अज्ञात लोगों पर मड़ियांव थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़िता रामगुनी के अनुसार 24 जून को उनका मोबाइल फैजुल्लागंज क्षेत्र में कहीं गिर गया था। मोबाइल में गूगल-पे इंस्टॉल था। फोन गुम होने के बाद अज्ञात लोगों ने अलग-अलग ट्रांजेक्शन के माध्यम से उनके खाते से 42,030 रुपये निकाल लिए। जानकारी होने पर पीड़िता ने उसी दिन हजरतगंज स्थित साइबर क्राइम सेल में शिकायत दर्ज कराई थी। साइबर सेल की कार्रवाई के बाद निकाली गई रकम में से 34,138 रुपये होल्ड कर दिए गए हैं। शेष धनराशि अज्ञात खातों में चली गई है। इंस्पेक्टर मड़ियांव शिवानंद मिश्रा के मुताबिक तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

घर में घुसकर दी जान से मारने की धमकी

अमृत विचार, काकोरी: पारा क्षेत्र के चन्द्रोदय नगर में दबंगों ने घर में घुसकर परिवार को जान से मारने की धमकी दी। मयंक मोहन के मुताबिक राहुल रिश्तेदारों के साथ 25 दिसंबर की दोपहर में घर के बाहर शोर मचा रहे थे। विरोध किया तो घर में घुस आए। पत्नी, दो बेटियां और उसने खुद को छिपकर बचाया। सूचना पुलिस पहुंची, लेकिन हमलावर धमकी देते हुए भाग गए। पीड़ित ने आरोपियों की फोटो मोबाइल में होने की बात भी कही है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

युवक पर चाकू से हमला

अमृत विचार, लखनऊ: महानगर थानाक्षेत्र के न्यू हैदराबाद शिवधाम बस्ती, न्यू हैदराबाद निवासी किरन वर्मा ने बताया कि उनके पुत्र तनिष्क वर्मा (तनु) पर रंजिश के चलते हमला किया गया। उस पर 27 दिसंबर को लगभग 1 बजे प्रिंस और उसके साथियों ने चाकू से हमला किया और उसे घायल अवस्था में छोड़ फरार हो गए। जानकारी मिलने पर किरन वर्मा अपने बड़े पुत्र बलराम के साथ घायल तनिष्क को तुरंत अस्पताल ले गईं, जहां उसे ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया। इंस्पेक्टर महानगर अखिलेश मिश्रा के मुताबिक तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

विशेष अभियान में 17 वारंटी गिरफ्तार

अमृत विचार गोसाईंगंज: गोसाईंगंज पुलिस ने वारंटियों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर 17 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इंस्पेक्टर गोसाईंगंज दिलेश कुमार सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र के कई वारंटी अभियुक्त न्यायालय द्वारा बार-बार सम्मन भेजे जाने के बाद भी न्यायालय में उपस्थित नहीं हो रहे थे।जिनके विरुद्ध गैरजमानतीय वारंट जारी किए गए थे।इन वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए चार टीमों का गठन किया गया था।जिन टीमों द्वारा 17 वारंटी अभियुक्तों को उनके घर से गिरफ्तार किया गया है। वहीं अभियान के दौरान तीन वारंटी अभियुक्तों द्वारा अपना वारंट रिकाल कराया गया, जबकि दो वारंटी मृतक पाए गए। गिरफ्तार किए गए वारंटी अभियुक्तों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर जेल भेजा गया है।

पैसे मांगने पर साइकिल कारीगर को पीटा

अमृत विचार, काकोरी: काकोरी कोतवाली क्षेत्र के ग्राम डिघिया में साइकिल मरम्मत के पैसे मांगने पर कारीगर से मारपीट की गई। पीड़ित रामकुमार गौतम गांव में साइकिल मरम्मत की दुकान किए है। एक माह पहले गांव के लेखपाल ने साइकिल बनवाई और पैसा उधार कर दिया। 27 दिसंबर को रामकुमार ने पैसे मांगे तो लेखपाल ने बेटा नितिन और भतीजे के साथ मिलकर मारपीट की। जिसमें राजकुमार के सिर और शरीर में चोटें आई हैं। हमलावरों ने जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

वाहन की टक्कर से युवक की रीढ़ की हड्डी टूटी

अमृत विचार, सरोजनीनगर: सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में बेकाबू वाहन की टक्कर लगने से युवक की रीढ़ की हड्डी टूट गई। उसे लोकबंधु अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रुस्तम विहार कॉलोनी बदाली खेड़ा निवासी अफजोन ने तहरीर में बताया कि पुत्र रासिद बाजार चिल्लावां में चूड़ी की दुकान लगाता है। 24 दिसंबर की शाम करीब 7 बजे वह बहन अन्नो खातून के साथ रुस्तम विहार कॉलोनी से पैदल घर जा रहा था। एयरपोर्ट चौराहे पर पीछे से आ रहे वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में रासिद की रीढ़ की हड्डी टूट गई व सिर, आंखों और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। लोकबंधु अस्पताल से उसे रेफर कर दिया गया।

विकास की ओर बढ़ते गए प्राधिकरण के कदम

सरदार वल्लभ भाई पटेल योजना में मिला गरीबों को सपनों का घर और शहर को राष्ट्र प्रेरणा स्थल का तोहफा

अमृत विचार, लखनऊ : वर्ष 2025 में लखनऊ विकास प्राधिकरण के कदम विकास की ओर बढ़ते गए। मोहान रोड पर 785 एकड़ में अनंत नगर योजना लांच कर हर वर्ग को भूखंड मिले तो गरीबों को डालीबाग में माफिया मुख्तार अंसारी के कब्जे से खाली कराई भूमि पर सरदार वल्लभ भाई पटेल योजना में आवास मिले।

देवपुर पारा में अटल नगर नाम से योजना हुई तो बसंतकुंज योजना में 65 एकड़ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल के निर्माण एक और बेशकीमती नगीना प्राधिकरण के मुकुट पर जड़ गया। एलडीए की उपलब्धियों और आगामी वर्ष की संभावित योजनाओं पर प्रशांत सक्सेना की रिपोर्ट।

नये वर्ष में आईटी, वेलनेस, नैमिष और वरुण विहार

- एलडीए जनवरी में सुल्तानपुर रोड पर आवासीय व व्यावसायिक योजनाओं में आईटी सिटी और वेलनेस सिटी लांच करके नये साल का तोहफा देगा। साथ में बीकेटी अंतर्गत नैमिष नगर और काकोरी में आगरा एक्सप्रेस-वे के पास वरुण विहार योजना लांच करेगा। इन योजनाओं में पांच लाख से ज्यादा लोगों को भूखंड व आवास मिलेंगे। व्यवसायिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

वरुण विहार क्षेत्रफल 6580 एकड़

- 25 सेक्टर, 15 हजार से ज्यादा भूखंड
- उद्योग, स्वास्थ्य, शिक्षा व लॉजिस्टिक क्षेत्र का विकास
- 800 एकड़ में ग्रीन बेल्ट, पार्क व वाटर बाड़ी
- एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गोल्फ कोर्स
- सेंटर पार्क, 300 एकड़ में लॉजिस्टिक पार्क

नैमिष नगर क्षेत्रफल 2678 एकड़

- तीन लाख लोगों को आवासीय सुविधा
- चौड़ी सड़कें, ग्रीन बेल्ट, पार्क, स्कूल, अस्पताल
- कम्यूनिटी सेंटर, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, व्यावसायिक केंद्र
- उद्योग, स्वास्थ्य, शिक्षा और लॉजिस्टिक क्षेत्र का विकास

विकास के नए आयाम

मिलेगा ग्रीन कॉरिडोर का तोहफा

- एलडीए ने करोड़ों की लागत से ग्रीन कॉरिडोर के तहत आईआईएम रोड से समतामूलक चौराहा तक नया रूट बनाया है। जो लगभग तैयार हो गया है। नये साल में लोकार्पण किया जाएगा। इस रूट पर आईआईएम रोड से समतामूलक तक मात्र 10 मिनट में आना जाना होगा। वहीं, निशातगंज से समतामूलक तक आनेजाने में मात्र पांच मिनट लगेंगे। ग्रीन कॉरिडोर दो चरणों में बनाया गया है। इससे बसंतकुंज आवासीय योजना और प्रेरणा स्थल तक बिना जाम और कम समय में पहुंचेंगे।

वर्ष 2026 में होंगी ये योजनाएं लांच

- मोहनलालगंज व सरोजनी नगर में 385 एकड़ की सात नई टाउनशिप
- पुलिस मुख्यालय के पास 43 एकड़ में ग्रुप हाउसिंग
- 1090 चौराहे पर कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, हॉस्पिटल

शारदा नगर में गरीबों के लिए बनेंगे 1100 फ्लैट

- एलडीए अटल नगर और सरदार वल्लभ भाई पटेल योजना की तर्ज पर वर्ष 2026 में रायबरेली रोड स्थित शारदा नगर योजना में 1100 ईडब्ल्यूएस बनाएगा। दिसंबर में हुई बोर्ड बैठक में यह प्रस्ताव भी पास हो गया है। करीब पांच हेक्टेयर भूमि है। इसमें जलकल विभाग को एसटीपी बनाने के लिए 3 .6 हेक्टेयर भूमि दी है। शेष में गरीबों के लिए फ्लैट बनेंगे।

आवासीय योजनाओं में ये खास

- वेलनेस सिटी क्षेत्रफल- 1197 एकड़
- सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, मेडिकल कॉलेज
- डायग्नोस्टिक सेंटर विपश्यना केन्द्र, मेडिटेशन सेंटर
- अमीनाबाद मेडीसिन मार्केट स्थानांतरित
- 60 से 24 मीटर चौड़ी सड़कें
- सप्त ऋषियों के नाम से सात सेक्टर
- 112 .50 से 450 वर्गमीटर के 2935 आवासीय भूखंड
- ग्रुप हाउसिंग व व्यावसायिक उपयोग के बड़े भूखंड

आईटी सिटी क्षेत्रफल 2858 एकड़

- हाईटेक प्रौद्योगिकी व ग्लोबल बिजनेस पार्क
- साइंस एवं इंजीनियरिंग उपकरण क्षेत्र
- सुपर स्पेशलिटी मेडिकल जोन के भूखंड
- 72 से 1250 वर्गमीटर के 4025 आवासीय भूखंड
- 360 एकड़ का इन्डस्ट्रियल एरिया,
- व्यावसायिक के लिए 64 एकड़ क्षेत्रफल आरक्षित
- 15 एकड़ क्षेत्रफल में वाटर बॉडी

अनाथ बच्चों के हिस्से को खा गए तीन लोग, रिपोर्ट

मिशनरी संस्थान से 11 लाख के गबन में कोर्ट के आदेश पर हुई कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: अनाथ बच्चों के नाम पर फर्जीवाड़ा कर संस्थागत धन के दुरुपयोग करने वाले तीन पर पारा थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कोर्ट के आदेश पर सेंट मेरी स्कूल, पारा रोड निवासी मोस्ट रेवरेंड जन अगस्टीन की तहरीर पर पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मोस्ट रेवरेंड जन अगस्टीन के अनुसार वह सेंट मेरिज एजुकेशनल एंड सोशल वेलफेयर सोसाइटी और वर्ल्ड मिशनरी एवंगेलिज्म संस्थाओं के चेयरमैन हैं। इन संस्थाओं द्वारा देशभर में अनाथ और गरीब बच्चों के लिए बाल गृह संचालित किए जाते हैं। इसी क्रम में कोयंबटूर स्थित ईगल्स मेमोरियल बाल गृह का संचालन किया जा रहा था, जिसकी जिम्मेदारी वर्ष 1985 से एस. जयबाल के पास थी। वर्ष 2014 से 2021 के बीच एस. जयबाल ने अपने बेटे जे. योवू जया प्रभुदास और सहयोगी वाई. पआकरण के साथ मिलकर षड्यंत्र रचा। बाल गृह में बच्चों की वास्तविक मौजूदगी न होने के बावजूद बच्चों के फोटो, माता-पिता का विवरण और केस हिस्ट्री जैसे कूटरचित दस्तावेज तैयार कर लखनऊ स्थित संस्था को भेजे गए। इन्हीं फर्जी कागजातों के आधार पर संस्था के बैंक खातों से करीब 11 लाख रुपये निकालकर निजी उपयोग में ले लिए गए।

मोस्ट रेवरेंड जन अगस्टीन ने बताया कि वर्ष 2021 में शिकायतों के बाद एस. जयबाल को पद से हटा दिया गया, लेकिन उसने कार्यभार नहीं सौंपा। बाद में की गई जांच और मद्रास हाईकोर्ट में दायर हैबियस कॉर्पस याचिका से यह सामने आया कि बाल गृह में वर्ष 2014 से ही बच्चे नहीं थे। इसके बावजूद धनराशि नियमित रूप से ली जाती रही। उन्होंने 6 फरवरी 2025 को थाना पारा में शिकायत दी थी। जिस पर जांच में आरोपों की पुष्टि हुई। इसके बाद 13 जून 2025 को सहायक पुलिस आयुक्त काकोरी को भी लिखित बयान दिया गया, लेकिन अब तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई। कार्रवाई न होने पर उन्होंने न्यायालय की शरण ली है। कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सूदखोरों ने मकान हड़पने की रची साजिश, तीन पर एफआईआर

- **अमृत विचार, लखनऊ:** पारा जलालपुर इलाके में सूदखोरों ने जबरदस्ती रकम वसूलने के लिए मकान मालिक का अहपरण कर लिया और मकान हड़पने की साजिश रची। इसकी जानकारी होने पर पीड़ित तुलसी बिहार निवासी दिनेश नारायण पाठक ने अमित शर्मा, अजय सिंह यादव व हर्षवर्धन मिश्रा समेत कई लोगों के खिलाफ तहरीर दी। जिस पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर लिया है। मामले की जांच कर रही है। पीड़ित के अनुसार 2 दिसंबर 2023 को अजय सिंह यादव ने इंडियन ओवरसीज बैंक, राजाजीपुरम के खाते से चेक के माध्यम से 15 लाख रुपये दिलवाए थे, जिसके बदले में वह 3 .20 लाख रुपये नकद और 40 हजार रुपये चेक से वापस कर चुके हैं। इसके बावजूद आरोपियों की नीयत उनके मकान पर कब्जा करने की है और उन्हें लगातार जान से मारने की धमकी व गाली-गलौच की जा रही है। आरोप है कि उनसे डराकर 17 चेक लिए गए। 4 सितंबर 2025 को अजय सिंह यादव और हर्षवर्धन मिश्रा जबरन उन्हें गाड़ी में बैठाकर अलीगंज स्थित प्लॉट पर ले गए। जहां मारपीट व धमकी देकर 30 लाख रुपये की रसीदी टिकट पर हस्ताक्षर कराए गए। इसके बाद से मकान देने का दबाव बनाया जा रहा है। एक अन्य घटना में 6 नवंबर 2025 की सुबह आरोपियों ने फिर जबरन गाड़ी में बैठाने की कोशिश की और सड़क पर घसीटा। शोर मचाने पर मोहल्ले के लोगों ने पहुंचकर पीड़ित की जान बचाई। पीड़ित के मुताबिक आरोपियों के पास अभी भी 10 हस्ताक्षरित चेक मौजूद हैं और वे दबंग व सूदखोर प्रवृत्ति के हैं। पीड़ित ने थाना पारा में तहरीर दी है। पुलिस के अनुसार रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

सभासद पर हमला, एफआईआर दर्ज

अमृत विचार, गोसाईंगंज: गोसाईंगंज नगर पंचायत सदस्य अखिलेश गुप्ता पर शनिवार की रात कुछ लोगो ने जानलेवा हमला कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस को देख कर हमलावर फरार हो गए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर लिया है। आरोपियों की तलाश कर रही है। घायल सभासद को पुलिस ने इलाज के लिए सीएचसी गोसाईंगंज ले गई जहां प्राथमिक उपचार के बाद सिविल अस्पताल रेफर कर दिया गया। गोसाईंगंज पुलिस के मुताबिक पार्षद अखिलेश से हमलावर परिचित थे। किसी बात को लेकर आपस मे झगड़ा हुआ। विपक्ष में तीन लोग थे और वह अकेले थे। तीनो आरोपियों ने मिलकर मारा पीटा। थानाध्यक्ष गोसाईंगंज दिलेश कुमार सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

कोर्ट के आदेश पर दर्ज हुई रिपोर्ट

अमृत विचार, लखनऊ: जानकीपुरम विस्तार में महिला और उसके परिवार पर जानलेवा हमले की रिपोर्ट कोर्ट के आदेश पर दर्ज की गई है। पीड़ित शिल्पी कुशवाहा ने बताया कि मां कमलावती 9 अक्टूबर घर के सामने लगे फूल के पेड़ के टूटने पर शहजाद से शिकायत की। आरोप है कि शहजाद, उनकी पत्नी, साली सब्बू, जीनत, शबनम और सास ने मिलकर कमलावती को लात-घूंसों से पीटा।उनके हाथ का अंगूठा भी काट लिया। विरोध करने पर शिल्पी पर भी हमला किया। उसे गले में दांत से काटा और मंगलसूत्र को छीन लिया। गर्भवती होने के कारण उसकी स्थिति नाजुक है। थाने में शिकायत की, पुलिस ने मेडिकल कराने के बाद घर भेज दिया, लेकिन कार्रवाई नहीं की।

दिनदहाड़े मकान में लाखों के जेवर व नकदी चोरी

संवाददाता, काकोरी

- दुबग्गा के जिलहापुर गांव में हुई घटना, रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार: दुबग्गा में दिन दिहाड़े खेत पर परिजनों के साथ काम करने गए किसान के बंद पड़े मकान में चोरों ने धावा बोलकर लाखों की चोरी को अंजाम दिया। खेत से वापस आने पर चोरी की जानकारी हुई। पीड़ित किसान ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने जांच के बाद रिपोर्ट दर्ज कर लिया है।

जिलहापुर गांव निवासी किसान भगवान दास गांव के बाहर किसान पथ आउटर रिंग रोड के पास स्थित खेतों में मकान बना कर सपरिवार रहते है। भगवानदास के बेटे संजीत गौतम ने बताया कि करीब 8 वर्ष से यहां पर रह रहे है । रविवार को वह प्राइवेट ड्यूटी पर गए थे । दोपहर में करीब एक बजे पिता भगवानदास ,छोटे भाई व परिजनों के साथ खेत पर काम करने गए थे ।मकान पर ताला लगा कर खेत पर गए थे। बेखौफ चोरों ने दिन दिहाड़े छत से मकान में घुस कर सरिया से दरवाजा व अलमारी के ताले तोड़ कर चोरी को अंजाम दिया। चोर मकान में रखे करीब डेढ़ लाख नगद व करीब पांच लाख के जेवर चोरी कर ले गए। जब छोटा भाई खेत से वापस घर आया तो चोरी की जानकारी हुई । जिसके बाद पुलिस कंट्रोल पर सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई। पीड़ित संजीत ने बताया कि चार पहिया वाहन खरीदने के लिए घर में करीब एक लाख रुपए नगद रखे थे। वहीं नव विवाहित बहन व पत्नी के जेवर अलमारी में रखे थे। जो चोरी हो गया। इंस्पेक्टर अभिनव कुमार वर्मा ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

घर से जेवर और नकदी चोरी

लखनऊ, लखनऊ: जानकीपुरम सेक्टर-एच निवासी रत्नेश कुमार मिश्रा ने गुडम्बा थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई है। बताया कि उनके घर से चोरों ने 13 से 26 दिसंबर के बीच चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोरी में घर में रखे आभूषण, जरूरी कागजात और नकदी गायब हो गए। रत्नेश कुमार मिश्रा ने बताया कि वह और उनके परिवारजन उक्त अवधि में घर पर नहीं थे। घर लौटने पर चोरी का पता चला। उन्होंने थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक जांच की जा रही है।

घर से 70 हजार नकदी और ज्वैलरी चोरी

अमृत विचार, लखनऊ: जानकीपुरम सेक्टर जे निवासी देवेन्द्र चन्द्र वर्मा मेरठ गए थे। मकान की देखभाल के लिए मनोज को रखा है। देवेंद्र के मुताबिक शनिवार सुबह मनोज ने सूचना दी कि मकान के पहली मंजिल के कमरे का दरवाजा व खिड़की टूटी है। खिड़की का शीशा तोड़कर चोर अंदर दाखिल हुआ है। अंदर सामान बिखरा हुआ है। कमरे में रखा 70 हजार नकदी और जेवर चोरी हो गए हैं। वहीं, घर के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे और रिमोट भी चोरी हुआ है। देवेंद्र के मुताबिक पड़ोस में झोपड़ी में रहने वाले मोरहम अली ने बताया कि उन्होंने विगत रात घर के अंदर जाते हुए एक व्यक्ति को देखा था। उन्होंने शुभम नाम के युवक पर संदेह जाहिर करते हुए थाने में तहरीर दी। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

ग्रीन लाइफ इंडिया के निदेशक पर 20 लाख ठगी की रिपोर्ट

अमृत विचार, लखनऊ: मोहनलालगंज थाने में ग्रीन लाइफ इंडिया लिमिटेड के निदेशक देवेंद्र प्रताप सिंह के खिलाफ 20 लाख की ठगी की रिपोर्ट दर्ज की गई है। आरोप है कि भूखंड देने के नाम पर यह रुपये लिये थे। वापस मांगने पर धमकाया था। पुलिस ने यह कार्रवाई प्रयागराज की रहने वाली जाहिदा खानम की तहरीर पर की है।

इंस्पेक्टर मोहनलालगंज ब्रजेश कुमार त्रिपाठी के मुताबिक पीड़िता जाहिदा खानम मूल रूप से बिहार के खुर्माबाद तकिया की रहने वाली हैं। कुछ सालों से वह प्रयागराज के दुधाधारी गेट के पास रहती हैं। उन्होंने तहरीर देकर बताया कि वह प्लाट लेना चाहती थी। 17 अक्तूबर 2017 को ग्रीन लाइफ इंडिया लिमिटेड के निदेशक देवेंद्र प्रताप सिंह से मुलाकात हुई।

उन्होंने मोहनलालगंज के नूरपुर बेहटा में स्थित प्लाटों के बारे में जानकारी दी। सौदा तय हो गया। 20 लाख रुपये में दो प्लाट बुक कराए थे। रुपयों का भुगतान भी कर दिया था।

सिटी डायरी

स्थापना दिवस कार्यक्रम में मौजूद लोग।

अस्पताल का स्थापना दिवस मनाया

अमृत विचार, लखनऊ: वृंदावन योजना स्थित वेलसन मेडिसिटी हॉस्पिटल में कार्डियोलॉजी विभाग का तीसरे स्थापना दिवस पर रविवार को मनाया गया। इसमें हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. गौरव पाण्डेय ने बताया कि सीने में दर्द, सांस लेने में तकलीफ, पसीना आना, घबराहट और बाएं हाथ या जबड़े में दर्द जैसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। कहा कि समय पर अस्पताल पहुंचना जीवन रक्षक साबित हो सकता है, क्योंकि हार्ट अटैक के मामलों में शुरुआती समय बेहद महत्वपूर्ण होता है। अस्पताल के चेयरमैन डॉ. शैलेश त्रिपाठी ने सुविधाओं की जानकारी दी। निदेशक डॉ. सर्वेश त्रिपाठी ने भाजपा अवध क्षेत्र की उपाध्यक्ष डॉ. श्वेता सिंह समेत सभी अतिथियों, चिकित्सकों और शामिल लोगों का आभार व्यक्त किया।

महापौर सम्मेलन में मौजूद विभिन्न शहरों के महापौर।

महापौर सम्मेलन में विकास कार्यों पर चर्चा

अमृत विचार, लखनऊ: अयोध्या में अखिल भारतीय महापौर परिषद द्वारा आयोजित दो दिवसीय प्रादेशिक महापौर सम्मेलन रविवार को सम्पन्न हो गया। अखिल भारतीय महापौर परिषद की महासचिव सुषमा खर्कवाल ने लखनऊ में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी साझा की। लखनऊ नगर निगम के आधुनिक भवन के निर्माण, कूड़ा उठान के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग सहित प्रेरणा स्थल पर लगे कूड़े के पहाड़ के निस्तारण की जानकारी दी। उन्होंने अयोध्या में नगर निगम के विकास कार्य देखे और प्रभु श्रीराम के दर्शन भी किए। अयोध्या के महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी, लखनऊ, बरेली, कानपुर, मुरादाबाद, सहारनपुर, झांसी, गोरखपुर एवं प्रयागराज के महापौर उपस्थित रहे।

स्थापना दिवस के मौके पर उपस्थित वाहन चालक व पदाधिकारी।

चालक यूनियन की नई इकाई गठित

अमृत विचार, लखनऊ: उत्तर प्रदेश प्राइवेट वाहन चालक यूनियन का 12वां स्थापना दिवस अपर श्रमयुक्त कार्यालय एपी सेन रोड में में मनाया गया। इसमें नई नई प्रदेश कार्यकारिणी का गठन भी किया गया। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे ने कहा कि निजी वाहन चालक समाज की रीढ़ हैं, लेकिन आज भी उन्हें सम्मान, सुरक्षा और सामाजिक न्याय से वंचित रहना पड़ रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि राष्ट्रीय लोकदल सदैव चालकों के अधिकारों की लड़ाई मजबूती से लड़ता रहा है और आगे भी उनके साथ खड़ा रहेगा। सरकार के समक्ष चालकों की प्रमुख मांगें रखी गईं।

प्रशस्ति पत्र के साथ खिलाड़ी और क्लब के सदस्य।

माधव क्लब विजेता

अमृत विचार, लखनऊ: माहेश्वरी स्पोर्ट्स क्लब, लखनऊ के देखरेख में रविवार को अलीगंज क्रिकेट फील्ड में क्रिकेट उत्सव का आयोजन किया गया। विनोद माहेश्वरी, संजीव माहेश्वरी, विकास माहेश्वरी, रविंद्र गांधी और विनय माहेश्वरी ने दीप जलाकर शुरुआत की। माहेश्वरी स्टार, माहेश्वरी नवाब, माहेश्वरी चार्जर्स और माहेश्वरी सुपर किंग्स टीमों में मैच खेले गए। फाइनल में माहेश्वरी नवाब टीम जीती। कप्तान माधव माहेश्वरी को विजेता और सुमित माहेश्वरी को उप विजेता ट्रॉफी दी गई।

बदलाव

अंडरपास के दूसरे चरण का काम शुरू होने के कारण लिया गया फैसला

आज से अवध चौराहे पर बदली रहेगी यातायात व्यवस्था

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: आलमबाग के अवध चौराहे पर अंडरपास के दूसरा चरण का काम शुरू हो गया है। इसे देखते हुए सोमवार 29 दिसंबर से निर्माण कार्य पूरा होने तक यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। यह जानकारी रविवार को डीसीपी यातायात कमलेश दीक्षित ने दी।

यहां रहेगी रोक

- बंगला बाजार चौराहे से कोई भी यातायात बाराबिरवा की ओर रोक रहेगी।
- गीतापल्ली तिराहे से बाराबिरवा चौराहा की ओर रोक रहेगी।

यहां से जाएं

- ये वाहन बंगला बाजार से खजाना मार्केट चौराहा, आशियाना चौराहा होते हुए जा सकेंगे।
- ये वाहन बंगला बाजार चौराहा होते हुए जा सकेंगे।
- आजाद नगर तिराहे से पकरी पुल तिराहे से बाएं बंगला बाजार होते हुए जा सकेंगे।

बड़े वाहनों के लिए निर्देश

- कानपुर मार्ग पर दरोगाखेड़ा से सभी प्रकार के भारी वाहनों (डीजल टैंकर आदि) को किसान पथ पर डायवर्जन किया जाएगा। इसी प्रकार नादरगंज कॉमर्शियल मोड़ से सभी प्रकार के भारी वाहन कानपुर मार्ग होकर दरोगाखेड़ा से किसान पथ की ओर जा सकेंगे।
- शहर में आने वाली रोडवेज बसें शहीद पथ से होकर रमाबाई उतरेठिया, तेलीबाग, बंगला बाजार होकर जा सकेंगे।
- आगरा एक्सप्रेसवे की ओर से आने वाले भारी वाहन उतरकर मौदा मोड़ जीरो पॉइंट से खुशहालगंज होकर किसान पथ की ओर जा सकेंगे।
- तिकोनिया तिराहे के सामने डायवर्जन पॉइंट से सभी प्रकार के भारी वाहनों को नहर तिराहा होकर आगरा एक्सप्रेसवे से जीरो पॉइंट होते हुए खुशहालगंज से किसान पथ की ओर होते हुए जाएंगे।
- हरदोई मार्ग से छंदोईया, दुबग्गा, बुद्धेश्वर पुल से होकर शहर में आने वाले भारी वाहनों को तिकोनिया/आशीर्वाद ट्रेडर्स कटिंग से शकुंतला विश्वविद्यालय के सामने से होकर नहर तिराहा जीरो पॉइंट से होकर खुशहालगंज होते हुए किसान पथ पर होकर जा सकेंगे।
- सीतापुर की तरफ से लखनऊ में प्रवेश करने वाले सभी प्रकार के भारी वाहनों को इंदौरा अंडरपास यू-टर्न पॉइंट से डायवर्ट कर किसान पथ की ओर से जाएंगे।

अमृत विचार

लखनऊ, सोमवार, 29 दिसंबर 2025

लखनऊ

बच्चों से मुलाकात...

रविवार को गोरखपुर दौरे पर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हेलिकॉप्टर दोपहर बाद जैसे ही सर्किट हाउस परिसर स्थित हेलिपैड पर उतरा तो उनकी नजर समीप के आंबेडकर पार्क गेट पर उन्हें देखने जुटे बच्चों पर पड़ गई। बच्चों को देखकर सीएम योगी मुस्कुराते हुए उनकी तरफ बढ़ चले। आंबेडकर पार्क गेट के पास जाकर उन्होंने गेट के दूसरी ओर खड़े बच्चों से आत्मीयता से बात की और उन्हें चाकलेट भी दिया।

इन्वेस्ट यूपी से बढ़ा निवेशकों का भरोसा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

वार्षिकी : 2025

- निवेशकों के लिए बना सिंगल-पॉइंट संपर्क केंद्र, निवेश सारथी और निवेश मित्र से पूरी तरह डिजिटल हुई निवेश प्रक्रिया
- निवेश मॉडल बना उत्तर प्रदेश की पहचान, मुख्यमंत्री उद्यमी मित्र से निवेशकों को मिला पर्सनल सपोर्ट

अमृत विचार: वर्ष 2025 में योगी सरकार ने निवेश को नीति से आगे बढ़ाकर एक प्रभावी सिस्टम में बदला। इन्वेस्ट यूपी, डिजिटल प्लेटफॉर्म, उद्यमी मित्र और वैश्विक आउटरीच के जरिए उत्तर प्रदेश निवेशकों के लिए भरोसेमंद, पारदर्शी और अवसरों से भरपूर राज्य के रूप में स्थापित हुआ।

वर्ष के समापन के साथ उत्तर प्रदेश में निवेश, उद्योग और विदेशी पूंजी आकर्षण के लिए लागू किए गए संस्थागत, डिजिटल और नीतिगत उपाय पूरे वर्ष चर्चा में रहे। योगी सरकार के नेतृत्व में इन्वेस्ट यूपी के माध्यम से निवेश सुविधा और हैंडहोल्डिंग को जिस तरह सशक्त किया गया, जो इस वर्ष की प्रमुख उपलब्धियों में शामिल रहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वर्ष 2025 के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार ने निवेश प्रोत्साहन को प्रशासनिक प्राथमिकता में रखा। सरकार का फोकस निवेशकों को भरोसेमंद वातावरण, स्पष्ट नीति और समयबद्ध सुविधा उपलब्ध कराने पर रहा, जिससे राज्य उद्योग और रोजगार सृजन के केंद्र के रूप में उभरता गया।

डिजिटल प्लेटफॉर्म से आसान हुआ निवेश : निवेश प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने के लिए निवेश सारथी पोर्टल को प्रभावी रूप से लागू किया गया। इस प्लेटफॉर्म के जरिए एमओयू साइनिंग, निवेश इंटेंट पंजीकरण, शिकायत निस्तारण और परियोजना अनुश्रवण एक ही स्थान पर संभव हुआ। वहीं निवेश मित्र के अंतर्गत ऑनलाइन इंसेंटिव मैनेजमेंट सिस्टम से प्रोत्साहन आवेदन और ट्रैकिंग पूरी तरह डिजिटल हो गई।

कंट्री डेस्क से वैश्विक निवेश को बढ़ावा : विदेशी निवेश आकर्षित करने के उद्देश्य से इन्वेस्ट यूपी के तहत छह कंट्री डेस्क (रूस, जर्मनी-फ्रांस, यूएई-सिंगापुर, जापान, दक्षिण कोरिया-ताइवान और यूनाइटेड किंगडम) सक्रिय रहीं। इन डेस्कों ने वैश्विक कंपनियों और निवेशकों के साथ संपर्क को संस्थागत रूप दिया।

भाजपा कार्यकर्ता पर हमला करने का आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार, मलिहाबाद: ढेढेमऊ गांव में भाजपा का बैनर फाड़ने का विरोध करने पर भाजपा कार्यकर्ता अनुपम सिंह को पीटने और फायरिंग के मामले में पुलिस ने आरोपी गोलू गाजी को गिरफ्तार किया है। अन्य की तलाश जारी है। मलिहाबाद इंस्पेक्टर के मुताबिक पुरवा गांव निवासी भाजपा कार्यकर्ता अनुपम सिंह ने गत 17 दिसंबर को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। तहरीर के अनुसार, वह गांव ढेढेमऊ गया था। इस दौरान कुछ युवक भाजपा का बैनर फाड़ रहे थे। अनुपम ने विरोध किया तो गोलू गाजी, दानिश, कामिल, ब्लैक गोलू समेत आधा दर्जन अज्ञात लोगों ने उस पर हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने उन पर फायरिंग भी की।

न्यूज ब्रीफ

नया गौरव होगी एनसीसी ट्रेनिंग एकेडमी

अमृत विचार, लखनऊ/गोरखपुर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एनसीसी ट्रेनिंग एकेडमी गोरखपुर सहित समूचे पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए नया गौरव होगा। इसके निर्माण कार्य में तेजी लाकर लक्षित समय में इसे पूरा किया जाना सुनिश्चित किया जाय। साथ ही निर्माण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाय। निर्माण की गुणवत्ता और समयबद्धता में किसी भी तरह की शिथिलता या लापरवाही नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री रविवार दोपहर बाद गोरखपुर के ताल कंदला में निर्माणाधीन एनसीसी (राष्ट्रीय कैडेट कोर) ट्रेनिंग एकेडमी का निरीक्षण कर रहे थे। उन्होंने एकेडमी के मॉडल और ड्राइंग मैप का अवलोकन कर व्यवस्थाओं की जानकारी की तो निर्माणाधीन भवन का भ्रमण कर भौतिक प्रगति का भी जायजा लिया।

मकान मालिक व मजदूरों में मारपीट

अमृत विचार, पीजीआई : पीजीआई के एकता नगर कॉलोनी में छत डालने के दौरान मकान मालिक और मजदूरों के बीच मामूली कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। बाबू खेड़ा रैदास गांव के रहने वाले शुभम रावत ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह मजदूरों के साथ एकता नजर कॉलोनी में अनिल मिश्रा के मकान में छत डलवा रहा था। काम के दौरान ही अनिल मिश्रा ने बेटे के साथ मिलकर गाली गलौज शुरू कर दी और मारपीट की। मजदूरों ने मामले में एफआईआर दर्ज करवाई है। दूसरी तरफ स्थानीय लोगों ने बताया कि मजदूरों ने एकजुट होकर शुरुआत में मकान मालिक से अभद्रता करते हुए, गाली गलौज की थी। इंस्पेक्टर पीजीआई धीरेन्द्र सिंह ने बताया कि शुभम रावत की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

सास-ससुर और पति पर दर्ज कराई रिपोर्ट

अमृत विचार, आशियाना : आशियाना थाना में महिला ने ससुराल वालों पर दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित गुंजा रावत ने बताया कि उनका विवाह 22 नवंबर 2024 को पंकज राज के साथ हुआ। शादी के कुछ दिन बाद सास, ननद संगीता और पति ने दहेज के लिए प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। उसे भूखा-प्यासा रख और जानवरों जैसी यातनाएं दीं और पीटा। 6 मार्च को पति नशे में धुत होकर घर आया और बेल्ट से पीटकर अधमरा कर दिया। सास-ससुर ने गैस पाइप खोलकर जलाने की साजिश की। पीड़िता ने 7 मार्च को मायके जाकर सुरक्षा मांगी। 15 मई को थाना आशियाना में शिकायत दी थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इंस्पेक्टर आशियाना छत्रपाल सिंह के मुताबिक तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

मकान खाली कराने को लेकर मारपीट, छेड़छाड़

अमृत विचार, लखनऊ : मड़ियाव थाना क्षेत्र में मकान खाली कराने को लेकर महिला के साथ मारपीट और छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। महानगर निवासी रेखा राजपूत ने किरायेदार और उसके बेटों पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़िता के अनुसार उनका अलीगंज के सेक्टर क्यू स्थित मकान में अजय गुप्ता अपने दो बेटों गोपाल और कृष्णा के साथ पिछले करीब सात माह से किराए पर रह रहे है। दो माह पहले से उन्होंने मकान खाली करने को कहा था, लेकिन किरायेदार लगातार मना कर रहा था और गाली-गलौच करता था। पीड़िता के मुताबिक 25 दिसंबर को दोपहर करीब 1:30 बजे जब वह दोबारा मकान खाली करने को कहने गईं। इस पर आरोपी उन्हें घर के अंदर बुलाकर बदसलूकी करने लगे। विरोध करने पर आरोपी और उसके बेटों ने उनके साथ मारपीट की। किसी तरह वह अपनी जान बचाकर वहां से निकल सकीं। पीड़िता को जान से मारने की धमकी दी गई।

पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम को चुनौती

रिट याचिका पर राज्य सरकार व यूपी लोक सेवा आयोग से मांगा जवाब

विधि संवाददाता, लखनऊ

- हाईकोर्ट में याचियों की दलील थी कि उन्हें सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों से अधिक अंक प्राप्त हुए थे, फिर भी उन्हें नियमों का लाभ न देकर मुख्य परीक्षा से वंचित कर दिया गया

अमृत विचार: हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने पीसीएस (सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा) व सहायक वन संरक्षक प्रारम्भिक परीक्षा, 2025 के परिणामों को चुनौती देने वाली एक रिट याचिका पर राज्य सरकार व यूपी लोक सेवा आयोग को तीन सप्ताह में प्रतिशपथ पत्र दाखिल करने का अवसर दिया है। मामले की अगली सुनवाई 22 जनवरी को होगी।

यह आदेश न्यायमूर्ति मनीष माथुर की एकल पीठ ने मनीष कुमार व तीन अन्य अभ्यर्थियों की रिट याचिका पर पारित किया। याचिका में कहा गया है कि गत दिनों हुए पीसीएस प्रारम्भिक परीक्षा में उन्होंने बतौर ओबीसी अभ्यर्थी शामिल हुए थे। प्रारम्भिक परीक्षा में उन्हें जो अंक प्राप्त हुए, वे सामान्य श्रेणी के कट-ऑफ अंक से अधिक थे। दलील दी गई कि आरक्षण अधिनियम व माइग्रेशन नियमों के तहत यदि आरक्षित वर्ग का उम्मीदवार बिना किसी विशेष छूट का लाभ लिए सामान्य श्रेणी के कट-ऑफ के बराबर या उससे अधिक अंक प्राप्त करता है तो उसे सामान्य श्रेणी में समायोजित किया जाना चाहिए। याचियों की दलील थी कि उन्हें सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों से अधिक अंक प्राप्त हुए थे, फिर भी उन्हें उपरोक्त नियमों का लाभ न देकर मुख्य परीक्षा से वंचित कर दिया गया। याचिका पर प्रारम्भिक सुनवाई के बाद प्रतिवादियों को जवाब देने का अवसर दिया है।

संदेहास्पद मामलों की जांच करे केजीएमयू की कमेटी

धर्मांतरण प्रकरण को लेकर महिला आयोग की अध्यक्ष ने केजीएमयू में की बैठक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

केजीएमयू में कुलपति डॉ.सोनिया नित्यानंद से जानकारी लेतीं राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ.बबिता सिंह चौहान। अमृत विचार

- निर्धारित समय-सीमा में विस्तृत रिपोर्ट आयोग को सौंपनी होगी

अमृत विचार : किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) में धर्मांतरण मामले में राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबिता सिंह चौहान ने केजीएमयू प्रशासन को निर्देश दिए कि विश्वविद्यालय के सभी विभागों, इकाइयों और संबद्ध संस्थानों में यदि इस प्रकार के अन्य मामले लंबित, अप्रतिवेदित या संदेहास्पद हों, तो उनकी तत्काल आंतरिक जांच के लिए समिति गठित की जाए। जांच समिति को निर्धारित समय-सीमा में विस्तृत रिपोर्ट राज्य महिला आयोग को सौंपनी होगी। निर्देशों की अवहेलना पर संबन्धित के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी।

महिला की आयोग की अध्यक्ष ने यह जानकारी केजीएमयू की कुलपति कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक के बाद रविवार को दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की नीति छल, दबाव या प्रलोभन के माध्यम से किए गए धर्मांतरण के मामलों में शून्य सहनशीलता (जीरो टॉलरेंस) पर आधारित है। राज्य सरकार और महिला आयोग महिलाओं के संवैधानिक अधिकारों, गरिमा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। डॉ. बबिता सिंह चौहान ने दोहराया कि महिलाओं के विरुद्ध अपराध या गैरकानूनी गतिविधियों के मामलों में कानून के तहत सख्त कार्रवाई के साथ सतत निगरानी जारी रहेगी।

उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद यदि किसी भी व्यक्ति की संलिप्तता प्रमाणित होती है, तो उसके विरुद्ध कठोरतम दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इस प्रकरण में पद, प्रभाव या किसी प्रकार के संरक्षण के आधार पर किसी को भी छूट नहीं दी जाएगी।

अध्यक्षा ने यह भी बताया कि प्रकरण की जांच विशाखा कमेटी के प्रावधानों के अंतर्गत प्रक्रियाधीन है। मामले में संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज की जा चुकी है और सक्षम पुलिस अधिकारी की ओर से बीएनएस सहित अन्य प्रासंगिक कानूनों के तहत विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सनातनी परंपरा से जुड़ा रहा पटवा समाज : राजभर

कैबिनेट मंत्री ने पटवा समाज के योगदान को उचित मंच दिलाने का किया वादा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

पटवा समाज के कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर को सम्मानित करते लोग। अमृत विचार

अमृत विचार : श्रम एवं सेवायोजन विभाग के कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि पटवा समाज ने सनातनी परंपराओं से जुड़ करके व्यवसाय किया और सनातन परंपरा को जीवित रखा है। इस समाज का सनातनी परंपराओं के साथ-साथ देश की आन बान और शान के लिए भी अहम योगदान रहा है। पटवा समाज के योगदान को प्रदेश की सरकार के माध्यम से एक उचित प्लेटफार्म दिया जाएगा, जिससे कि उनकी पहचान पूरी दुनिया में बने।

यह बात कैबिनेट मंत्री ने रविवार को रविंद्रालय सभागार में अखिल भारतीय देववंशी पटवा समाज के तत्वाधान में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सम्मान समारोह में कही। पटवा समाज के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी इस समाज को मिले, इसके लिए एक सुनिश्चित व्यवस्था प्रदेश के मुख्यमंत्री के माध्यम से कराये जाने का आश्वासन दिया।

चालक मुआवजा देने से मुकरा, एफआईआर

अमृत विचार, लखनऊ: जानकीपुरम निवासी पवन कुमार सिंह ने गाजीपुर थाने में दी गई तहरीर में बताया कि 23 दिसंबर की रात लगभग 1:40 बजे उनकी कार कैफे वन प्योर चर्च रोड, इन्द्रानगर के सामने सड़क किनारे खड़ी थी। खड़ी कार में एक्सयूवी ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर से कार का पिछला टायर और अलाय अलग हो गया, आगे का हिस्सा पेड़ से टकरा गया। चालक अग्रव पचौली शराब के नशे में था। दुर्घटना स्थल पर प्रत्यक्षदर्शियों और वीडियो/आडियो रिकॉर्डिंग से यह पुष्टि भी हुई। पवन के मुताबिक घटना के बाद चालक और उनके परिवार ने क्षति स्वीकार करते हुए एक लिखित सुलहनामा किया। जिसमें कार की मरम्मत की पूरी लागत वहन करने की सहमति दी गई थी। लेकिन आरोपी पक्ष बाद में मुकर गया।

सत्ता का अहंकार साधु और संतों के सम्मान से बड़ा नहीं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि किसी एक की सत्ता का अहंकार-अभिमान सच्चे साधु-संतों के मान-सम्मान से बड़ा नहीं हो सकता है, जो अपने लिए भूमि पर स्थायी कब्जा करके बैठे हैं, वो धर्म के काम के लिए किसी और को अस्थायी भूमि तक का आवंटन नहीं करना चाहते हैं। ये सदियों से चली आ रही परंपरा का घोर अपमान है।

सपा प्रमुख ने रविवार को प्रयागराज में माघ मेले को लेकर साधु-संतों और अधिकारियों के बीच विवाद को लेकर बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि कुंभ और माघ मेले की ये परंपरा रही है कि इस पुण्य कार्य के आयोजन के लिए अधिकारी पूज्य साधु-संतों का आशीर्वाद लेते हैं, लेकिन कलयुग के वर्तमान भाजपा राज में हालात ये हो गये हैं कि साधु-संतों को अधिकारियों के आगे जमीन पर लेटकर गिड़गिड़ाना पड़ रहा है, वो भी किसी व्यक्तिगत नहीं, बल्कि धर्मार्थ कार्य के लिए। अखिलेश ने कहा कि ऐसे में सवाल ये उठता है कि अधिकारी किसके कहने पर संत-समाज से ऐसा दुर्व्यवहार करने का दुस्साहस कर रहे हैं। अपने को सबसे ऊपर दिखाने के लिए औरों को नीचा दिखाने का काम जो कर रहा है, वो याद रखें कि अधर्म कभी नहीं जीतता है।

सड़क व नाली का किया शिलान्यास

अमृत विचार, सरोजनीनगर : सरोजनी नगर द्वितीय वार्ड के पार्षद रामनरेश रावत ने रविवार को वार्ड की शमा विहार कॉलोनी में इंटरलॉकिंग सड़क एवं पक्की नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। यह निर्माण कार्य मोहम्मद इस्लाम के घर से मतीन अहमद के घर होते हुए मोहम्मद इश्तियाक के घर तक लगभग 50 मीटर लंबाई व 4 मीटर चौड़ाई में कराया जाएगा। पार्षद ने बताया कि यह कार्य पार्षद निधि के लगभग 5 लाख रुपये की लागत से कराया जा रहा है।

विधि छात्रा से छेड़छाड़, युवक पर रिपोर्ट दर्ज

युवती को परेशान करने वाले पर रिपोर्ट दर्ज, जांच शुरू

अमृत विचार, काकोरी : पारा क्षेत्र में एक युवती को परेशान करने और धमकी देने का गंभीर मामला सामने आया है। मोदी भट्टा निवासी ने बुद्धेश्वर क्षेत्र में रहने वाले आकाश उर्फ चुन्नी लाल उनकी बेटी को लगातार परेशान कर रहा है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर लिया है। पीड़ित पिता के अनुसार आरोपी आकाश रिक्शा चलाता है और उनकी बेटी को लंबे समय से परेशान कर रहा था। वह जान से मारने की धमकी देता था और गाली-गलौच करता था। आरोप है कि हाल ही में एक रात जब वह घर पर नहीं थे, तब आकाश उनके घर पहुंचा और दरवाजे पर गाली-गलौच की। इस घटना के बाद परिवार पर मानसिक दबाव बढ़ गया। परिजन के मुताबिक लगातार ताने, धमकी और प्रताड़ना से परेशान होकर युवती ने खुद को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। मामले की जानकारी मिलने पर परिवार ने थाना पारा में तहरीर दी। जिस पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दिया है।

आशियाना : आशियाना निवासी विधि की छात्रा को मनचला युवक काफी समय से परेशान कर रहा था। आरोप है कि विरोध करने पर युवक ने घर में घुसकर मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी थी। छात्रा के पिता ने रिपोर्ट दर्ज कराया है। आशियाना क्षेत्र निवासी व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी बीएएलएलबी की छात्रा है। आरोप है कि उनकी पुत्री को नीतेश सिंह नाम का युवक काफी समय से परेशान कर रहा है। वह छात्रा के फोन पर धमकी भरी फोन कॉल, भद्दे एसएमएस भेजता है। आरोप है कि करीब एक माह पूर्व आरोपी ने अपने साथियों संग मिलकर घर में भी घुस गया था और मारपीट की थी। जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकला था। शोहदे की हरकतों से तंग आकर छात्रा के पिता ने आशियाना थाने में तहरीर दी। पुलिस के मुताबिक रिपोर्ट दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

कंबल वितरण व तहरी भोज का हुआ आयोजन

अमृत विचार, काकोरी : लोक जन शक्ति पार्टी (राम विलास) ने जरूरतमंदों के लिए कंबल वितरण व तहरी भोज कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन पार्टी की महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय महासचिव नीलम सरोज के नेतृत्व में हुआ। रविवार को दुर्गागंज स्थित मुस्कान लॉन में लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के बैनर तले आयोजित कंबल वितरण व तहरी भोज में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कमला कुमारी व विशिष्ट अतिथि अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष (मध्य) राजेंद्र प्रसाद रावत रहे इस कार्यक्रम में मलिहाबाद विधान सभा के कुसमौरा हलुआपुर, मंडौली, मौलवी खेड़ा, काकोरी, रानियांमऊ, दुर्गागंज समेत कई गांवों के जरूरत मंदों को कंबल दिया गया। कार्यक्रम में राम कुमार भारती, राजेश रावत, लेबर सेल जिलाध्यक्ष नागेंद्र पासवान, जिला उपाध्यक्ष कमाल अहमद आदि मौजूद रहे।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

पहले मेरा नाम HINA KAUSER NAQVI था अब मैने बदलकर अपना नाम HINA KAUSER RIZVI रख लिया है भविष्य में मुझे HINA KAUSER RIZVI के नाम से जाना व पहचाना जाए। W/O- SAIYAD MOHD ALI NIYAZ R/O- 48, BANGLA OLD SITAPUR, SITAPUR-261001

सूचना

श्री भगवती विद्यालय इंटर कालेज मुरार मऊ सरेनी रायबरेली के साधारण सभा के सभी माननीय सदस्यों को सूचित किया जाता है कि विद्यालय की साधारण सभा की बैठक आगामी 30 दिसंबर 2025 दिन मंगलवार को अपरान्ह 1 बजे विद्यालय प्रांगण में होगी कृपया समय से उपस्थित हो। यह जानकारी साधारण सभा के अध्यक्ष उमेश चंद्र तिवारी ने दी है उन्होंने बताया कि यह बैठक विद्यालय की प्रबंध समिति के चुनाव जो कि 14 जनवरी 2026 को हैं। इसमें नियुक्त चुनाव अधिकारी श्री यमुना शंकर द्विवेदी पूर्व प्रधानाचार्य अम्बारा पश्चिम के स्थान पर अन्य चुनाव अधिकारी नियुक्त करने पर विचार हेतु आहूत की गई है।

सूचना

पहले मेरा नाम MAKBOOL AHAMAD था अब मैने बदलकर अपना नाम MAQBOOL AHMAD रख लिया है भविष्य में मुझे MAQBOOL A HMAD के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O- MOHAMMAD MAKHDOOM R/O- 13/152, KASHI RAM COLONY KATRA GULARIYA GARDA, NAWABGANJ, BARABANKI

सूचना

मैंने राधेश्याम पुत्र बलदेव प्रसाद से मकान संख्या 150 स्थित मोहल्ला काजीपुरा उत्तरी तहसील बहराइच को क्रय कर उप निबंधक कार्यालय बहराइच पर दिनांक 6/8/1976 को बही संख्या 01 जिल्द संख्या 764 के पृष्ठ संख्या 200 से 202 तक क्रमांक 206 तक पंजीकृत कराया था। उक्त बैनामा कहीं खो गया है।

संतोष कुमार अग्रवाल पुत्र केसरदेव अग्रवाल मोहल्ला छावनी कोतवाली नगर बहराइच।

लापरवाही

बच्चे की मौत मामले में जांच रिपोर्ट दबाए बैठे अफसर

दोषी अस्पताल पर अब तक नहीं हुई कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार Follow UP

- न जुर्माना न लाइसेंस निरस्त, धड़ल्ले से चल रहा निजी अस्पताल

अमृत विचार : ठाकुरगंज स्थित ऑक्सीजन हॉस्पिटल में इलाज के दौरान तीन वर्षीय बच्चे की मौत के मामले में अस्पताल को दोषी ठहराए जाने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। स्वास्थ्य विभाग के अफसर जांच रिपोर्ट दबाए बैठे हैं। न तो अस्पताल का लाइसेंस निरस्त किया गया है और न ही कोई जुर्माना लगाया गया है, जिससे निजी अस्पताल का संचालन बेखौफ जारी है।

ठाकुरगंज के मुफ्तीगंज निवासी जियान (3) की 21 जुलाई को ऑक्सीजन हॉस्पिटल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। परिजन ने इलाज में लापरवाही और अवैध वसूली का आरोप लगाते हुए शिकायत की थी। मामले की जांच अपर निदेशक लखनऊ मंडल डॉ. जीपी गुप्ता ने की थी। नोटिस जारी कर डॉक्टर को बयान के लिए बुलाया गया, लेकिन वह बीमारी का बहाना बनाकर पेश नहीं हुआ।

दो माह बाद अपर निदेशक ने सीएमओ को कार्रवाई के निर्देश दिए। सीएमओ कार्यालय की ओर से अस्पताल को पांच बार पत्र भेजे गए, लेकिन न तो डॉक्टर और न ही संचालक साक्ष्यों के साथ कमेटी के समक्ष उपस्थित हुए। जांच कमेटी ने रिपोर्ट में अस्पताल को दोषी मानते हुए कहा कि बच्चे का इलाज कुशल विशेषज्ञ से नहीं कराया गया, जिससे उसकी मौत हुई।

जांच रिपोर्ट आए दो सप्ताह का समय बीत जाने के बावजूद अभी तक न जुर्माना लगाया गया और न ही लाइसेंस निरस्त किया गया है। इस संबंध में नर्सिंग होम के नोडल अधिकारी डॉ. एपी सिंह ने बताया कि अस्पताल को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया है। अस्पताल का पक्ष आने के बाद कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पीसीएम टीम पहुंची सेमीफाइनल में

अमृत विचार, निगोहां : कस्बे के एसएनटी मैदान में चल रहे डॉ. पीसी मिश्रा क्रिकेट टूर्नामेंट में रविवार दो मैच खेले गए, जिसमें एक लीग मैच व एक क्वार्टर फाइनल खेला गया। दोनों मैच पीसीएम कोचिंग ने जीते। रविवार को छठवां लीग मैच पीसीएम कोचिंग भगवानपुर टीम और उन्नाव की मौरावां इलेवन टीम के बीच हुआ। वहीं इस टूर्नामेंट में पीसीएम कोचिंग भगवानपुर की टीम ने टॉस जीतकर निर्धारित 12 ओवरों में 130 का लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मौरावां इलेवन टीम टिक सकी और 25 रनों से हार का सामना करना पड़ा। क्वार्टर फाइनल में पीसीएम ने द क्लासिक के खिलाफ 137 रनों स्कोर खड़ा किया, द क्लासिक की टीम 13 ओवरों में 86 रन बनाकर ऑल आउट हो गई और पीसीएम की टीम सेमीफाइनल में पहुंची।

न्यूज ब्रीफ

घर में घुसकर महिला से की छेड़खानी

त्रिवेदीगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : थाना लोनीकटरा क्षेत्र में एक महिला से घर में घुसकर छेड़खानी की गई। एक गांव की महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 26 दिसंबर की शाम वह अपने अर्धनिर्मित मकान पर मौजूद थी। इसी दौरान अवधेश वहां पहुंचा और उससे छेड़खानी की। शोरगुल सुनकर एक व्यक्ति आया तो आरोपी ने उससे साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।

भूमि विवाद में लाठी-डंडों से जानलेवा हमला

सूरतगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : दोहाई में भूमि विवाद को लेकर एक युवक पर जानलेवा हमला किया गया। रिपोर्ट न दर्ज होने पर पीड़ित ने अदालत की शरण ली। धर्मेन्द्र बीती 20 नवंबर को अपनी भूमि में कूड़ा डालने गए थे। रंजिश को लेकर सत्येन्द्र, सुरेन्द्रनाथ, शैलेन्द्र, अवधेश व बेबी ने उस पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। धर्मेन्द्र की चीख-पुकार पर उनका भतीजा उत्कर्ष और चाचा महेन्द्र बचाने पहुंचे तो आरोपियों ने उन्हें भी पीटा। सुनवाई नहीं हुई तो उसने कोर्ट की शरण ली।

रुद्र महायज्ञ से पूर्व निकली कलश यात्रा

बनीकोडर, बाराबंकी, अमृत विचार : गजपतिपुर स्थित श्री जागेश्वर महादेव मंदिर परिसर में आयोजित होने वाले श्री रुद्र महायज्ञ से पूर्व रविवार को कलश यात्रा निकाली गई। उज्जैन से आए रमेशानंद महाराज के नेतृत्व में मंदिर परिसर से प्रारंभ हुई यात्रा गोमती नदी के राजघाट पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने कलश में पवित्र जल भरा। कलश यात्रा में साधु-संतों के साथ राजू सिंह, उमाशंकर पांडेय, हरिशंकर तिवारी, रामराज पाण्डेय व श्रद्धालु मौजूद रहे।

रामचरितमानस पाठ का आयोजन 31 को

लखनऊ, अमृत विचार : अयोध्या में श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर 31 दिसंबर को श्री अखंड ज्योति बालाजी ट्रस्ट की ओर से आलमबाग स्थित श्री अखंड ज्योति बालाजी मंदिर में रामचरितमानस पाठ एवं एक जनवरी को विशाल भंडारे का आयोजन किया जायेगा। यह जानकारी ट्रस्ट के अध्यक्ष शिवा सैनी ने दी है।

दुकान पर दबंगों ने युवक को पीटा

बछरावां (रायबरेली) : कस्बे के कमनी तालाब मोहल्ले का रहने वाला प्रेमचंद (23) पुत्र रामस्वरूप घर के पास दुकान में चाय पीने गया था। यहां पहले से खड़े दबंगों ने उसकी पिटाई कर दी जिससे उसे चोटें आई हैं। पीड़ित ने घटना की तहरीर स्थानीय थाने में दे दी है। थानाध्यक्ष राजीव सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है। घायल युवक का इलाज सीएचसी में कराया गया।

पेड़ से लटकते मिले दंपति के शव

घरवालों की मर्जी के बिना 6 दिसंबर को जिस मंदिर में किया था प्रेम विवाह, उसी के बाहर मृत मिले

संवाददाता, सीतापुर

दुखद घटना

शुरुआती जांच में आत्महत्या की घटना प्रतीत हो रही है। हालांकि सभी पहलुओं पर जांच चल रही है। शव लटकाने का पहलू भी जांचा जा रहा है।

-नेहा त्रिपाठी, सीओ

अमृत विचार : घरवालों की मर्जी के बगैर प्रेम-विवाह करने वाले एक प्रेमी जोड़े का दर्दनाक अंत हो गया। गांव के बाहर दोनों के शव एक पेड़ से लटक मिले। हैरानी की बात ये है कि 22 दिन पहले जिस पेड़ के नीचे बने मंदिर में दोनों ने सात फेरे लेकर जिंदगी की नई शुरुआत की थी। उसी के पेड़ में दोनों के शव लटकते मिले।

घटनाक्रम हरगांव थाना क्षेत्र के अनिया कलां का है। रविवार को महामाई मंदिर के पास ग्रामीणों ने पेड़ पर दो लाशें लटकती देखीं। इस खबर से गांव में हड़कंप मच गया। मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गया। दोनों मृतकों की पहचान, खुशीराम (22) और मोहिनी (20) के रूप में हुई।

मोहिनी और खुशीराम ने प्रेमविवाह किया था। इसी माह 6 दिसंबर को दोनों ने गुपचुप तरीके से शादी रचाई थी। बताते हैं कि दोनों के बीच 3 वर्षों से प्रेम था। हालांकि शादी के समय दोनों के परिवार वाले मौके पर पहुंच गए थे। दोनों ने सात फेरे लिए और आखिर में घरवालों को भी उनका रिश्ता स्वीकार करना पड़ा। लेकिन रविवार को शादी वाले स्थान पर ही उनके शव मिले।

संदिग्ध परिस्थितियों में नव दंपति की मौत की घटना कई सवाल खड़े कर रही है। आत्महत्या और हत्या, दोनों की चर्चाएं हैं। पुलिस ने दोनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। पुलिस जांच में जुटी है।

हत्या या आत्महत्या, हर पहलू पर जांच : खुशीराम और मोहिनी के शव एक ही पड़े पर लटके थे। उनके पैर जमीन को टच कर रहे थे। इसलिए कोई इसे आत्महत्या तो कोई हत्या मान रहा है। पुलिस हर पहलू पर जांच कर रही है।

आईटीआई कर रहा था खुशीराम : खुशीराम आईटीआई कर रहा था। खुशीराम अपनी मां-भाई के साथ रहता था। भाई का विवाह हो चुका है। पिता का निधन हो चुका है इसलिए घर की जिम्मेदारियों में भी हाथ बंटाता था।

रिश्ते में चचेरे भाई-बहन थे : प्रेम विवाह करने वाले खुशीराम और मोहिनी रिश्ते में चचेरे भाई-बहन थे। पीड़ित परिजनों के मुताबिक, मोहिनी और खुशीराम ने परिवार को बताए बिना 6 दिसंबर को महामाई मंदिर में विवाह कर लिया था।

कार स्वामी को ट्रक से रौंदने का प्रयास

मसौली, बाराबंकी, अमृत विचार : शहाबपुर टोल प्लाजा के पास शनिवार को एक ट्रक चालक ने लापरवाही से कार में टक्कर मारने के बाद पीड़ित को कुचलने का प्रयास किया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

श्रावस्ती के भिनगा क्षेत्र के मुजेहना निवासी संजय कुमार शनिवार दोपहर परिवार के साथ कार से लखनऊ जा रहे थे। टोल प्लाजा से कुछ पहले उन्होंने कार सड़क किनारे खड़ी की थी। इसी दौरान सामने से आ रहे ट्रक ने कार की साइड में टक्कर मार दी। पीड़ित द्वारा ट्रक को रोकने की कोशिश करने पर चालक ने कथित रूप से जान से मारने की नीयत से ट्रक से कुचलने का प्रयास किया।

कमेंट्री करते समय युवक की हालत बिगड़ी, मौत

फतेहपुर, बाराबंकी

- ट्रामा सेंटर लखनऊ में उपचार के दौरान तोड़ा दम

अमृत विचार : नगर क्षेत्र में क्रिकेट मैच की कमेंट्री कर रहे युवक को अचानक हार्ट अटैक आ गया। हालत गंभीर होने पर उसे लखनऊ स्थित ट्रामा सेंटर रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान शनिवार देर रात उसकी मौत हो गई।

बताते चलें कि नगर के सट्टी बाजार निवासी जमाल मेहंदी उर्फ टीटू लंबे समय से क्रिकेट से गहरा लगाव रखता था और स्थानीय टूर्नामेंटों में कमेंट्री करना उसकी पहचान थी। शनिवार को मखदूम शाह मेला मैदान में आयोजित तीन दिवसीय लीजेंड क्रिकेट प्रतियोगिता के तहत कर्मा इलेवन और डायमंड टीमों के बीच मैच खेला जा रहा था। इसी दौरान कमेंट्री कर रहे जमाल मेहंदी की अचानक तबीयत बिगड़ गयी और वह बेहोश हो गया। खिलाड़ियों ने मौके पर ही सीपीआर दिया, लेकिन जमाल की हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। साथियों और परिजनों ने उन्हें तुरंत ही निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां से डॉक्टरों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया। वहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी।

पेशी से कैदी की फरारी के मामले में दीवान गिरफ्तार

सीतापुर, अमृत विचार : पेशी पर आये कैदी के फरार होने के मामले में एसपी अंकुर अग्रवाल ने कड़ा कदम उठाते हुए तीन पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया है। ड्यूटी में ढिलाई बरतने के आरोप में दीवान दाफेदार सिंह को गिरफ्तार किया गया और आरक्षी शैलेंद्र कुमार, मनोज राय को सस्पेंड कर दिया गया है। उन पर विभागीय जांच के निर्देश दिये गये हैं। दीवान की गिरफ्तारी ने पुलिस विभाग में खलबली मचा दी है।

घटनाक्रम न्यायालय में पेशी से जुड़ा है। दीवान दाफेदार सिंह की निगरानी में एक कैदी दीपक सिंह को न्यायालय ले जाया गया था, जहां से कैदी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। इस घटना से पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। पुलिस टीमें उसकी खोज में लगाई गईं, लेकिन कैदी का कोई सुराग नहीं मिला।

एसपी अंकुर अग्रवाल ने दीवान दाफेदार सिंह की गिरफ्तारी के निर्देश दिए। पुलिस ने दीवान को गिरफ्तार करके न्यायालय में पेश किया। इसके साथ ही इस मामले में दो अन्य आरक्षी, शैलेंद्र और मनोज कुमार रॉय को भी सस्पेंड कर दिया गया। दोनों के विरुद्ध विभागीय जांच के निर्देश हो गए हैं। उधर, पुलिस टीमें फरार कैदी की तलाश में जुटी हैं।

फाइनेंस कंपनी के मैनेजर को पीटा

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : ट्रक मालिक व उसके दो साथियों ने फाइनेंस कंपनी के मैनेजर के साथ मारपीट की। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने ट्रक मालिक व दो अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। श्रीराम फाइनेंस कंपनी के प्रबंधक गौरीश पाण्डेय ने तहरीर में बताया कि सर्वेश ने उनकी कंपनी से करीब 43 लाख का ऋण लेकर ट्रक खरीदा था। आरोप है कि ऋण की मासिक किस्तें जमा नहीं कीं। शनिवार देर शाम प्रबंधक गौरीश फील्ड ऑफिसर चंद्रप्रकाश के साथ ट्रक मालिक से बकाया किस्त जमा करने को कहा। आरोप है कि इसी दौरान ट्रक मालिक और उसके दो साथियों ने मैनेजर के साथ मारपीट की।

मुठभेड़ में शातिर घायल, साथी फरार

- घटनास्थल से तमंचा, कारतूस और एक बाइक की गयी बरामद

संवाददाता, सलोन (रायबरेली)

घटनास्थल पर पड़ा तमंचा व बरामद बाइक। अमृत विचार

अमृत विचार। सलोन में पुलिस और गौकशी के वांछित अपराधियों की बीच आधी रात को मानिकपुर मार्ग पर मुठभेड़ हो गई। इस दौरान पुलिस की जवाबी फायरिंग में नफीस नामक शातिर अपराधी गोली लगने से घायल हो गया। जबकि उसका एक साथी अबरार मौके से फरार हो गया। पुलिस ने घटनास्थल से तमंचा, कारतूस और एक बाइक बरामद की है।

पुलिस ने गश्त के दौरान 27/28 दिसंबर की रात मानिकपुर मार्ग स्थित छोटा घोसियाना नहर पुलिया पर एक सफेद बाइक पर सवार दो संदिग्ध व्यक्तियों को देखा। पुलिस को देखकर बाइक सवार मुड़कर भागने लगे। इसके बाद पुलिस ने उनका पीछा किया। इसके बाद बाइक सवार बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। वही पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग कर दी, जिसमें बाइक सवार बदमाश नफीस घोषी निवासी छोटा घोषी का पुरवा अशिकाबाद दाहिने पैर में गोली लगने से घायल हो गया। जबकि उसका साथी अबरार निवासी नेहरू नगर थाना कोतवाली नगर रायबरेली पुलिस को चकमा देकर भागने में कामयाब रहा। वहीं पुलिस मुठभेड़ में घायल अपराधी को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सलोन लाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। सलोन पुलिस के मुताबिक जांच में पता चला कि नफीस गोवध निवारण अधिनियम से संबंधित वांछित अभियुक्त है। आरोपी के खिलाफ लगभग दो दर्जन मुकदमें पहले से दर्ज थे। कोतवाली प्रभारी राघवन कुमार सिंह ने मुठभेड़ के सम्बंध में बताया कि नफीस के पास से तमंचा कारतूस और एक बाइक बरामद हुई है। उसके विरुद्ध आर्म्स एक्ट का मुकदमा दर्ज किया गया है। फरार अभियुक्त की तलाश की जा रही है।

ध्रुव क्रिकेट अकादमी ने दर्ज की जीत

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

क्रिकेट प्रतियोगिता

- एसकेटी क्रिकेट अकादमी को 7 विकेट से किया पराजित
- बेहतरीन प्रदर्शन पर समर्थ को मैन ऑफ द मैच का खिताब

अमृत विचार : बाराबंकी जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में आयोजित बालाजी कप अंडर-12 क्रिकेट प्रतियोगिता में ध्रुव क्रिकेट अकादमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एसकेटी क्रिकेट अकादमी को 7 विकेट से पराजित किया।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी एसकेटी क्रिकेट अकादमी की टीम 43.3 ओवर में 169 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। टीम की ओर से अक्षत श्रीवास्तव ने सर्वाधिक 49 रन बनाए, जबकि हर्षित ने 20 रनों का योगदान दिया। ध्रुव क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में अभिनव और आनंद सिंह ने तीन-तीन विकेट झटके, वहीं शिखर चौधरी और ध्रुव यादव को एक-एक सफलता मिली।

समर्थ अग्रवाल।

जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी ध्रुव क्रिकेट अकादमी ने समर्थ अग्रवाल के नाबाद 80 रनों की बेहतरीन पारी की बदौलत 46 ओवर में मात्र तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। देवांश राय ने 23 रन बनाए, जबकि प्रेमांकमणि तिवारी 20 रन बनाकर नाबाद रहे। एसकेटी की ओर से देवांश पाण्डेय, देव मिश्रा और अद्वित मिश्रा ने एक-एक विकेट लिया।

मैच में उत्कृष्ट बल्लेबाजी के लिए समर्थ अग्रवाल को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार एसकेटी क्रिकेट अकादमी के कोच मोहित कपूर ने प्रदान किया। इस अवसर पर बाराबंकी जिला क्रिकेट एसोसिएशन के संयुक्त सचिव अंकुर माथुर, लॉर्ड्स बालाजी क्रिकेट ग्राउंड के मैनेजर गौरव तिवारी, ध्रुव क्रिकेट अकादमी के कोच दीपक यादव तथा एसकेटी क्रिकेट अकादमी के कोच मोहित कपूर सहित अन्य खेल प्रेमी मौजूद रहे।

दो हिस्ट्रीशीटर समेत 3 गिरफ्तार

सीतापुर, अमृत विचार : महमूदाबाद क्षेत्र के शेरापुर मोड़ स्थित एक घर से चोरी की घटना का खुलासा हो गया है। पुलिस ने तीन अंतरजनपदीय चोरों को पकड़ा है, जिसमें दो हिस्ट्रीशीटर हैं। उनके पास से अवैध तमंचा, कारतूस और चोरी की रकम बरामद की है। उनके खिलाफ अवैध हथियारों का एक और मामला दर्ज कर जेल भेजा जा रहा है। पुलिस ने बाराबंकी के रामनगर थाना क्षेत्र के विशाल लोध, सीतापुर के महमूदाबाद थाना क्षेत्र के शादाब और बाराबंकी के घुंघटेर थाना क्षेत्र के सैफ उर्फ बादशाह को पकड़ा है। उनके पास से चोरी की दो जोड़ी पायल, छह सिक्के, 10,250 रुपये व अन्य सामान बरामद किया है।

दो दुर्घटनाओं में एक युवक की मौत, तीन लोग गंभीर

रामनगर, जैदपुर, बाराबंकी

अमृत विचार : विभिन्न स्थानों पर हुईं दुर्घटनाओं में एक युवक की मौत हो गयी जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

पहली घटना थाना रामनगर क्षेत्र की है। थाना रामपुर मथुरा निवासी सतीश कुमार अपने दोस्त लवकुश मिश्रा के साथ बाइक से नामेपुर सिरौली स्थित ससुराल से वापस लौट रहे थे। जैसे ही वे बड़नपुर लेन मार्ग पर भागू शाह पुलिया के पास पहुंचे, अचानक सामने एक बंदर आ गया। ब्रेक लगाने पर बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर रगड़ती हुई किनारे गड्ढे में जा गिरी। हादसे में सतीश गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि लवकुश को हल्की चोटें आईं। पुलिस दोनों को सीएचसी ले गई, जहां चिकित्सकों ने सतीश को मृत घोषित कर दिया। दूसरी घटना जैदपुर के जरहरा की है। रविवार सुबह करीब आठ बजे निर्मल किसी काम से बाहर गए थे। इसी बीच इनके बड़े बेटे शशिकांत (16) ने कार बाहर निकालने की कोशिश की। इस दौरान उसका छोटा भाई श्लोक (12) भी कार में बैठा था। अचानक सामने नीलगाय आ गई। उसे बचाने के प्रयास में कार पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार क्षतिग्रस्त हो गई व दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए।

रामलीला के दौरान मारपीट, दो घायल

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : बदोसरांय के डड़क्का पुरवा में आयोजित रामलीला के धनुष यज्ञ कार्यक्रम के दौरान शनिवार रात दो पक्षों में मारपीट हो गई। घटना में एक महिला सहित दो लोग घायल हो गए। पुलिस ने स्थिति नियंत्रित की। रामलीला में दरभंगा के कलाकार प्रस्तुति दे रहे थे। आरोप है राम कलेवा में सखियों के किरदार में बैठी नर्तकियों को कुछ लोग पैसे देकर आपत्तिजनक गाने और नृत्य के लिए उकसाने लगे। विरोध पर अजय वर्मा और श्रवण के बीच हाथापाई हो गई। कुछ देर बाद श्रवण वर्मा पक्ष से महिलाओं का एक समूह मौके पर पहुंचा और फिर से मारपीट शुरू हो गई।

कवियों ने अटल को किया याद

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में रविवार को डाक बंगले में चेयरमैन आलोक तिवारी के तत्वावधान में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। चेयरमैन ने साहित्यकारों एवं गणमान्य नागरिकों को सम्मानित किया।

कंबल वितरण एवं निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। एमपी अवस्थी की अध्यक्षता एवं राम किशोर तिवारी 'किशोर' के संचालन में आयोजित कवि सम्मेलन में रामेश्वर प्रसाद द्विवेदी 'प्रलयंकर', दुष्यंत शुक्ला 'सिंहनादी', शिव किशोर तिवारी 'खंजन', जगजीवन मिश्र, नीरज पांडेय 'सूर्य', अजय प्रधान सहित अनेक सुविख्यात कवियों ने अटल जी की स्मृति में काव्य पाठ किया। इस मौके पर एससी-एसटी आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रामदेव सिंह, एसडीएम राजेश विश्वकर्मा, कोतवाल अभिमन्यु कुमार मल्ल, वकील संघ अध्यक्ष राम अचल मिश्रा, महामंत्री सुनील त्रिवेदी, पंकज मिश्रा, बृजेश रावत, दीपू तिवारी आदि मौजूद रहे।

कंबल वितरित करते बैजनाथ रावत। ● अमृत विचार

तालाब में डूबने से युवक की मौत

जगतपुर, रायबरेली, अमृत विचार। थाना क्षेत्र के पारी गांव के पास स्थित तालाब में संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक की डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शनिवार रात पारी स्थित तालाब में अलीगंज डिगवा निवासी सुनील कुमार (35) का शव मिला। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को तालाब से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा। युवक तालाब के पास किस कारण से पहुंचा, इसकी जानकारी नहीं हो सकी है। थाना प्रभारी पंकज त्यागी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

चाचा ने ही की थी वाहन से कुचलकर युवक की हत्या

संवाददाता, बछरावां (रायबरेली)

खुलासा

- युवक की हत्या कर शव को नहर पुलिया के नीचे छिपाकर फरार हो गए थे आरोपी
- पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर युवक की मौत से उठा पर्दा, एक्शन में आई पुलिस

अमृत विचार। बीती एक दिसंबर को संदिग्ध हालात में मिले शव के मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने नया मोड़ ला दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में घातक चोटों से मृत्यु के होने का कारण दर्शाया गया है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था, जिसमें शामिल चाचा व आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

थाना क्षेत्र के अंतर्गत बीती एक दिसंबर 2025 को स्थानीय थाने पर सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति अभिषेक कुमार पुत्र रामकृपाल यादव निवासी ग्राम जगन्नाथपुर पोस्ट देहली थाना शिवगढ़ का शव संदिग्ध परिस्थितियों में ग्राम सब्जी स्थित छोटकवा खेड़ा पुलिया के पास मिला।

सूचना पर थाना बछरावां पुलिस टीम द्वारा मय फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंच कर घटनास्थल का निरीक्षण कर मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दर्शाया गया।

पीड़ित पक्ष की ओर से प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना बछरावां पर तत्काल मुकदमा पंजीकृत कर अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु प्रयास किया जा रहे थे। थाना बछरावां, सर्विलांस व एसओजी की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा मुखबिरखास की सूचना पर अभियुक्त रामचंद्र यादव, रमेश यादव को गोझवा मनाखेड़ा मोड लालगंज बाईपास समोधा से नियमानुसार गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

गलत हरकत के प्रयास के चलते की गई हत्या

पूछताछ में अभियुक्त रामचंद्र यादव ने पुलिस को बताया कि उनका भतीजा अभिषेक यादव पुत्र राम कृपाल द्वारा नशे में आए दिन परिवार के लोगों के साथ मारपीट व घर की बहू-बेटियों के साथ गलत हरकत करने का प्रयास करता था और विरोध करने पर वह मारपीट करता था। जिससे तंग आकर हमने अपने रिश्तेदार विजय यादव पुत्र रामशंकर यादव निवासी रामपालखेड़ा मजरे इचौली थाना बछरावां एवं विजय यादव के दोस्त रमेश यादव उपरोक्त के साथ मिलकर अभिषेक कुमार के ऊपर गाड़ी चढ़ाकर उसकी हत्या कर उसके शव को नहर पुलिया के नीचे छिपा दिया था। उपरोक्त पंजीकृत अभियोग में वांछित अभियुक्त विजय यादव पुत्र रामशंकर यादव निवासी उपरोक्त की शीघ्र ही गिरफ्तारी कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

कार्यक्रम | कांग्रेस के स्थापना दिवस पर सांसद तनुज पुनिया ने भाजपा सरकार पर बोला हमला

आधुनिक भारत का इतिहास कांग्रेस के बिना अधूरा

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस पर सांसद तनुज पुनिया ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। ओबरी स्थित अपने आवास पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा कांग्रेस नेताओं का नाम मिटाने की साजिश कर रही है और कांग्रेस की योजनाओं को खत्म किया जा रहा है। सांसद तनुज पुनिया ने कहा कि भारत का आधुनिक इतिहास कांग्रेस के बिना अधूरा है। देश के दिल में कांग्रेस की विचारधारा बसी हुई है। जिन स्वतंत्रता सेनानियों ने देश की आजादी के लिए खून बहाया, उनकी भूमिका को जनता तक पहुंचाने का कार्य कांग्रेस लगातार करती रहेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार कांग्रेस के नेताओं को टारगेट कर उनके योगदान को भुलाने का प्रयास कर रही है। मनरेगा को लेकर सांसद ने कहा कि यह कांग्रेस सरकार की ऐतिहासिक योजना थी, जिसे मौजूदा सरकार ने धीरे-धीरे खत्म कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह सिर्फ नाम बदलने का मामला नहीं है, बल्कि रोजगार की गारंटी वाली पूरी योजना को ही समाप्त कर दिया गया है। 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर सांसद ने कहा कि कांग्रेस संगठन सृजन के माध्यम से प्रदेश और देशभर में जमीनी स्तर तक संगठन को मजबूत कर रही है। भाजपा के ब्राह्मण विधायकों की बैठक पर प्रतिक्रिया देते हुए सांसद तनुज पुनिया ने कहा कि यह किसी से छुपा नहीं है कि इस सरकार में ब्राह्मण समाज के लोगों के साथ अत्याचार हो रहा है। ऐसे में यदि ब्राह्मण समाज से जुड़े विधायक बैठक कर रहे हैं तो यह उनका अधिकार है। उन्होंने कहा कि कोई भी जनप्रतिनिधि अपने समाज से चुनकर आता है और उसे अपने समाज की समस्याओं और मुद्दों को उठाने का पूरा अधिकार है।

प्रेस वार्ता में मौजूद सांसद तनुज पुनिया व अन्य पदाधिकारी। ● अमृत विचार

टीम ने उपकेंद्रों का किया निरीक्षण

जगतपुर, रायबरेली, अमृत विचार। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जगतपुर के अंतर्गत संचालित विभिन्न स्वास्थ्य उपकेंद्रों का राज्य स्तरीय टीम ने निरीक्षण किया। टीम में डॉ. प्रदीप गुप्ता व संदीप दीक्षित शामिल रहे। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, व्यवस्थाओं तथा शासन की स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। टीम ने हेवतहा, नेवाडिया, कटरा, खजूरी, रामगढ़ टिकरिया, कल्याणपुर व सुरजई स्थित स्वास्थ्य उपकेंद्रों का क्रमवार निरीक्षण किया। इस दवाओं की उपलब्धता, टीकाकरण व्यवस्था, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, मरीजों को दी जा रही सुविधाओं की जांच की गई।

मंदिरों के विकास को 50 लाख से अधिक की स्वीकृति

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : दरियाबाद विधानसभा क्षेत्र में धार्मिक स्थलों के विकास को लेकर प्रदेश सरकार ने बड़ी पहल की है। क्षेत्र के विभिन्न प्रमुख मंदिरों के सर्वांगीण विकास के लिए 50 लाख रुपये से अधिक की धनराशि स्वीकृत की गई है, जिससे मंदिर परिसरों का सौंदर्यीकरण और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। स्वीकृत धनराशि के अंतर्गत दांदूपुर स्थित राजाराम मंदिर (विकास खंड बनीकोडर), जेठौती कुसमियां स्थित श्री बालाजी मंदिर (विकास खंड दरियाबाद), गोड़ियनपुरवा व खरिका फुल स्थित जालहली माता मंदिर (विकास खंड बनीकोडर), गाजीपुर स्थित श्री हनुमान जी मंदिर (विकास खंड दरियाबाद) तथा बराइन स्थित बाबा नाथन शिव मंदिर (विकास खंड पूरेडलई) के विकास कार्य कराए जाएंगे। इन योजनाओं के लिए अलग-अलग मदों में लगभग 50.39 से 51.56 लाख तक की धनराशि स्वीकृत की गई है।

इस पहल पर क्षेत्रवासियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह का आभार जताया है। राज्यमंत्री सतीश शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार धार्मिक व सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के लिए निरंतर प्रयासरत है, जिससे आस्था के साथ-साथ क्षेत्रीय पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

हादसे में वृद्धा की मौत किशोर घायल

बछरावां (रायबरेली), अमृत विचार। थाना क्षेत्र के अंतर्गत नंदा खेड़ा गांव के पास जमुना पुत्री रामचरण (65) एवं किशोरी बबिता पुत्री रामकिशुन (18) शनिवार की देर रात बांदा बहराइच राजमार्ग से पैदल जा रही थी। रास्ते में अज्ञात पिकअप ने उन्हें टक्कर मार दी। जिससे दोनों घायल हो गई। जिन्हे घायल अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बछरावां पहुंचाया गया, जहां मौजूद चिकित्सक के द्वारा प्राथमिक परीक्षण के दौरान जमुना को मृत घोषित कर दिया गया। वहीं घायल किशोरी का उपचार किया गया है। इस बाबत थाना प्रभारी राजीव सिंह ने बताया कि तहरीर मिलने पर केस दर्ज किया जाएगा।

अमृत विचार

लखनऊ, सोमवार, 29 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन

लखनऊ, अमृत विचार। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत लखनऊ में जिला उद्योग एवं प्रोत्साहन केंद्र द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका समापन दिनांक बीते 25 दिसंबर को किया गया। योजना के अंतर्गत जनपद में विभिन्न पारंपरिक व्यवसायों से जुड़े कुल 1300 लाभार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाना है जिसमें अब तक 925 लाभार्थियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इसी क्रम में रविवार को समापन कार्यक्रम में जिला उद्योग कार्यालय लखनऊ से सहायक उद्योग उपायुक्त वीडी चौधरी एवं उद्यमिता विकास संस्थान, उ0प्र0) लखनऊ से विनोद शुक्ला मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन उद्यमिता विकास संस्थान उप्र लखनऊ द्वारा किया गया। योजना का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक कारीगरों एवं श्रमिकों को कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।

निर्विरोध तहसील अध्यक्ष चुने गए मोहन

कुशीनगर, अमृत विचार : ग्रापए की तहसील ईकाई हाटा की बैठक में सर्वसम्मति से मोहन पाण्डेय को तहसील अध्यक्ष चुना गया।रविवार को जिलाध्यक्ष शैलेश उपाध्याय की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में नयी कार्यकारिणी की बैठक हुई जिसमें नये वर्ष की सदस्यता ग्रहण कराया गया। तदुपरांत अध्यक्ष पद के लिए मोहन पाण्डेय को सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया। जिलाध्यक्ष ने बताया कि मार्च में प्रांतीय सम्मेलन पडरौना में आयोजित किया जाएगा। चार जनवरी को जिले पर संगठन और सम्मेलन पर विचार के लिए गोष्ठी रखी गई है।

डीएम ने रोडवेज बांसी का निरीक्षण किया

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा द्वारा निर्माणाधीन रोडवेज बांसी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा रोडवेज परिसर में हो रहे निरीक्षण कार्यों को देखा गया। पैसेंजर हाल बाउंड्री वॉल टॉयलेट एवं यार्ड डेवलपमेंट का कार्य प्रगति पर है। जिलाधिकारी ने कार्यदाई संस्था यूपीपीसीएल को निर्धारित समय में सभी कार्यों को पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।

रामलला की चौखट पर नतमस्तक आंध्र की सरकार

यजमान बने मुख्यमंत्री नायडू, अनुष्ठान में दैविक शक्तियों का आह्वान, अमरावती व अयोध्या के बीच रिश्ते प्रगाढ़ होने के आसार

अयोध्या कार्यालय

श्रीराम मंदिर में श्रद्धालुओं का अभिवादन करते मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू। अमृत विचार

अमृत विचार : श्रीराममंदिर के यज्ञशाला में दूसरे दिन का अनुष्ठान गणपति पूजन के साथ शुरू हुआ। अनुष्ठान में यहां पहुंचे आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्र बाबू नायडू सहभागी बने। मंडल पूजा के दौरान सीएम नायडू के नेतृत्व वाली आंध्र की सरकार रामलला के सामने नतमस्तक हुई। उन्होंने राम लला का पूजन अर्चन, आरती के साथ यज्ञ में आहुतियां डाली।

अनुष्ठान के दूसरे दिन गणेश पूजन के साथ ही वास्तु पूजा, सुदर्शन यज्ञ, तत्वहोम, मन्युसूक्त होम, राम तारक मंत्र होम के साथ श्रीराम महामंत्र जप और राम चरित मानस का पारायण किया गया। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्र बाबू नायडू शामिल रहे। देर शाम को भगवान के श्री विग्रह के दैवीय शक्तियों का आवाहन अनुष्ठान किया गया। जिसके बाद आचार्यों ने पालकी यात्रा निकाली। इससे पहले राम मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के दूसरे वर्ष गांठ के दूसरे दिन की शुरुआत रामलला के श्रृंगार आरती के साथ हुआ। सुबह पांच बजे मंगला आरती के बाद गर्म पानी से स्नान अभिषेक कराया गया। फिर तिथि के अनुसार गुलाबी रंग का वस्त्र पहनाया गया। स्वर्ण मुकुट धारण कराए गए। सुबह साढे. छह बजे श्रृंगार आरती के साथ दूर-दूर से आने वाले श्रद्धालु रामलला का दर्शन कर रहे थे। सुबह नौ बजे से यज्ञशाला में वैदिक आचार्यों से श्री राम महामंत्र का अनुष्ठान प्रारंभ हुआ। इसमे समाज के विभिन्न वर्ग से जुड़े लोग यजमान के लोग शामिल रहे। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉक्टर अनिल मिश्र ने बताया कि अनुष्ठांन के दूसरे दिन आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री भी आयोजन में सहभागी बने। सुबह लगभग साढ़े 11 बजे उनका आगमन हुआ। राम मंदिर में दर्शन पूजन के बाद धार्मिक आयोजन में शामिल होते हुए लगभग दो घंटे परिसर में रहे। बताया कि ट्रस्ट के सदस्य व पेजावर मठ के स्वामी विश्व तीर्थ प्रसन्नाचार्य के नेतृत्व में अनुष्ठान संपन्न हो रहा है। दूसरे दिन यज्ञशाला में यजमानों से आहुतियां डाली गई। जहां मंत्रों का पारायण और हवन पूजन किया जा रहा है।

आज से अंगद टीला पर 10 हजार लोग सुन सकेंगे रामकथा

अयोध्या, अमृत विचार : भव्य मंदिर में विराजमान रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के दूसरी वर्षगांठ पर 29 दिसंबर से अंगद टीला के मैदान में श्री राम कथा और रामलीला का आयोजन प्रारंभ होगा। इसके पूर्व कानपुर की श्री मां आनंदमई मानस परिवार के द्वारा रामचरितमानस का संगीतमय पाठ भी संपन्न होगा। इसको लेकर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने सभी तैयारियां पूरी कर ली है। इसको लेकर विशाल पंडाल को तैयार किया गया है। श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के दूसरे वर्षगांठ की भव्यता का श्री रामकथा के साथ गुणगान हरि गोपाल धाम पीठाधीश्वर जगतगुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामदिनेशाचार्य के द्वारा दोपहर 2 से शाम 5:00 बजे तक किया जाएगा। वहीं होने वाले आयोजन आम श्रद्धालुओं से भी जुड़े इसके लिए मंदिर के निकास द्वार अंगद टीला पर किया जाएगा। जहां 10000 से अधिक श्रद्धालुओं के बैठने की भी व्यवस्था बनाई गई है।

आंध्र सदन व मंदिर की व्यवस्था को लेकर सीएम नायडू ने की चर्चा

अयोध्या कार्यालय, अमृत विचार : आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्र बाबू नायडू ने रविवार को अयोध्या में राम लला के दर्शन पूजन के साथ अमरावती और अयोध्या के बीच रिश्तों को प्रगाढ़ करने की शुरुआत कर दी। लगभग आधे घंटे उन्होंने ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय सहित अन्य महत्वपूर्ण लोगों से चर्चा की। सीएम नायडू लगभग 11 बजे विशेष विमान से अयोध्या एयरपोर्ट पहुंचे। कड़ी सुरक्षा के बीच उन्हें श्री राम मंदिर लाया गया। यहां उन्होंने रामलला, श्री राम दरबार का दर्शन पूजन किया। प्राण प्रतिष्ठा के द्वादशी उत्सव के चल रहे अनुष्ठान में सहभागिता की। इसके बाद उन्होंने राम मंदिर परिसर में घूमकर यहां के वास्तु को करीब से देखा, खुशी जाहिर की। सूत्रों की मानें तो लगभग 30 मिनट तक वह ट्रस्ट महासचिव चंपत राय, डॉ. अनिल मिश्र, प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही, जाने माने अर्थशास्त्री प्रो. डॉ. जीवीआर शास्त्री, समाजसेवी अतुल सिंह सहित कई लोगों की मौजूदगी में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। सूत्र बताते हैं कि आवास विकास परिषद से अयोध्या में बनाई जा रही नव्य अयोध्या में राज्यों को दी जाने वाली जमीन में आंध्र सदन बनाने पर बात की। कहा कि वह इसके लिए अमरावती पहुंचकर वहां से जल्द प्रस्ताव भेजेंगे। इससे आंध्र और अयोध्या के बीच संबंध प्रगाढ़ होंगे। आंध्र और यूपी सरकारों के रिश्ते मधुर होंगे। मुख्यमंत्री एन.चंद्रबाबू नायडू ने एयरपोर्ट पर पत्रकारों से कहा, श्री राम जन्मभूमि मंदिर संपूर्ण राष्ट्र की आस्था और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है। स्पिरिचुअल वैल्यूज बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उत्तर प्रदेश की सरकार अच्छा काम कर रही है।

यात्री ट्रेनों में जनरल कोच बढ़ाये जाएंगे : नरसिंह

नई दिल्ली, अमृत विचार। उत्तर रेलवे के प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक नरसिंह का कहना है कि रेलवे की ओर से अपने यात्रियों की सुविधाओं को बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास जारी है।वर्तमान में रेलवे की ओर से चलाई गई वंदे भारत, अमृत भारत जैसी ट्रेन आने से सफ़र की फिलिंग पूरी तरह से बदल गई है। आने वाले दिनों में वंदे भारत का स्लीपर वर्जन यात्रियों को यात्रा की नई फिलिंग देगी।श्री नरसिंह रविवार को रेल कर्मियों के प्रशिक्षण संस्थान जेडआरटीआई चंदौसी के निरीक्षण के अवसर पर मीडिया से बात कर रहे थे। मीडिया के सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि रेलवे का प्रयास है कि उन सभी जगह रेलवे की कनेक्टिविटी हो जहां लघु उद्योगों को बढ़ावा मिल सके,निर्माता का कच्चा व तैयार माल रेलवे के किफायती किराए में एक जगह से दूसरी जगह आसानी से पहुंच सके।उन्होंने संभल के लिए ज्यादा रेल कनेक्टिविटी का आश्वासन दिया।भारतीय रेलवे लगातार आधुनिकता की ओर बढ़ रही है।रेल कर्मियों के बारे में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि रेल कर्मियों को संस्थान में मेडिटेशन प्रशिक्षण भी दिलवाया जाता है जिससे वो मानसिक व शारीरिक तौर पर तरोताजा रह सके।

सहयोगी मित्र व भाई एक समानः डॉ. विश्वास

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

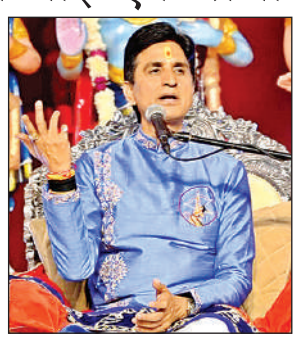

डॉ. कुमार विश्वास। अमृत विचार

अमृत विचार। राम-रावण युद्ध के दौरान जब लक्ष्मण मूर्क्षित हुए तो प्रभु राम की सहायता वीर हनुमान ने सबसे अधिक की। उनकी सहायता से ही मूर्क्षित पड़े लक्ष्मण को प्रभु राम दोबारा गले लगा सके। जब लक्ष्मण मूर्क्षित अवस्था से उठे तो प्रभु राम ने वीर हनुमान और लक्ष्मण को एक साथ गले लगाया। उन्होंने यह संदेश दिया कि सगा भाई और सहायता करने वाला मित्र एक समान होता है। दोनो में कोई भेद नहीं है।

यह विचार रविवार को सीएसए विवि मैदान में कथा वाचक डॉ. कुमार विश्वास ने व्यक्त किए। कथा के दौरान उन्होंने कहा कि जीवन में मित्र का योगदान बहुत अधिक है। डॉ. कुमार विश्वास ने रावण वध प्रसंग का विस्तार से वर्णन करते हुए अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश दिया। इसके साथ ही उन्होंने मंदोदरी प्रसंग के माध्यम से यह बताया कि विवेक और सत्य का साथ देने की क्षमता किसी भी परिस्थिति में मनुष्य को महान बनाती है। बालि और सुग्रीव के दृष्टांत को प्रस्तुत करते हुए उन्होंने राजनीति, मित्रता और न्याय की बारीकियों को सरल भाषा में श्रोताओं के सामने रखा। डॉ. कुमार विश्वास ने राम युग का भावपूर्ण चित्र प्रस्तुत किया। राम भक्त हनुमान के चरित्र पर चर्चा करते हुए उन्होंने उन्हें प्रतिभा, प्रतिबद्धता और समर्पण की मिसाल बताया। गलतियां बताने वाला ही सच्चा मित्र होता है। कथा में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे। उन्होंने मंच से श्री लक्ष्मी जी मंदिर के निर्माण के लिए यथासंभव सहयोग करने का भक्तों से आह्वान किया।

दक्षिण मध्य रेलवे की टीम बनी चैम्पियन

संवाददाता, गोरखपुर,

अमृत विचार। पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ नरसा के तत्त्वावधान में 24 से 28 दिसम्बर तक सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम में आयोजित 73वीं अखिल भारतीय रेलवे पुरुष कबड्डी चैम्पियनशिप-2025 के अन्तिम दिन 28 दिसम्बर को खेले गये फाइनल मैच में दक्षिण मध्य रेलवे ने पूर्वोत्तर रेलवे को 48-26 से हराकर चैम्पियनशिप जीत लिया तथा पूर्वोत्तर रेलवे उपजेता रही।

मध्य रेलवे ने इंटीग्रल कोच फैक्ट्री आई.सी.एफ. को 39-29 से हराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। फाइनल मैच में दक्षिण मध्य रेलवे के नितेश कुमार, नितिन सिंह, नरेन्द्र, रोहित एवं सुमित ने तथा पूर्वोत्तर रेलवे के कप्तान सुनील कुमार तथा प्रवेश, रोहित गुलिया, सुरेन्द्र गिल, आशीष नागर, हिमांशु एवं कर्मवीर ने अच्छे खेल का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे एवं संरक्षक/नरसा उदय बोरवणकर ने विजेता, उपजेता तथा प्रतियोगिता में तीसरे स्थान पर रही टीम के खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया। इस अवसर पर अध्यक्ष/नरसा अभय कुमार गुप्ता, प्रमुख विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ रेल अधिकारी, भारी संख्या में खिलाड़ी एवं पूर्वांचल के कबड्डी प्रेमी उपस्थित थे। इसके पूर्व 28 दिसम्बर को हुये सेमीफाइनल मैचों में पूर्वोत्तर रेलवे ने मध्य रेलवे को कड़े मुकाबले में 37-24 तथा दक्षिण मध्य रेलवे ने इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आई.सी.एफ.) को 51-28 से पराजित कर फाइनल के लिये अपनी दावेदारी प्रस्तुत की। यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

मेडल के साथ विजयी टीम के खिलाड़ी। अमृत विचार

राज्य स्तरीय वरिष्ठ पुलिस सम्मेलन में डीएम, एसपी ने वीसी से किया प्रतिभाग

कुशीनगर, अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित राज्य स्तरीय वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के सम्मेलन–2025 के अंतर्गत जनपद स्तर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न सत्रों में सहभागिता की गई।

सम्मेलन का उद्देश्य कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाना तथा चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए रणनीतियों पर विचार-विमर्श करना रहा। सम्मेलन के दौरान आपदा प्रबंधन, सिविल डिफेंस, विशाल जनसमूह प्रबंधन एवं सोशल मीडिया से उत्पन्न चुनौतियों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत एवं सार्थक चर्चा की गई। आपदा की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया, समन्वय एवं संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही सिविल डिफेंस की भूमिका को और अधिक सशक्त बनाने तथा आम नागरिकों की सहभागिता बढ़ाने पर भी विचार साझा किए गए। इसके अतिरिक्त सोशल मीडिया के माध्यम से फैलने वाली भ्रामक सूचनाओं, अफवाहों एवं साइबर संबंधित चुनौतियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु सतर्कता, निगरानी एवं कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया गया।

राजनीतिक दलों के साथ बैठक कल

कुशीनगर, अमृत विचार : उप जिला निर्वाचन अधिकारी वैभव मिश्रा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (SIR) के संबंध में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ समन्वय एवं समीक्षा बैठक आयोजित होगी।उन्होंने बताया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण की प्रक्रिया को पारदर्शी, सुचारू एवं प्रभावी ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जनपद के समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के अध्यक्ष/मंत्रियों के साथ 30 दिसम्बर 2025 को अपरान्ह 03.00 बजे बैठक प्रस्तावित है।उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने अपील की है कि सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि निर्धारित तिथि एवं समय पर बैठक में उपस्थित होकर निर्वाचन नामावली पुनरीक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार-विमर्श में सहयोग प्रदान करें।

मां नारायणी कुम्भ मेला को लेकर की गई बैठक

कुशीनगर, अमृत विचार : जिले के छितौनी बगहां रेल पुल के पास मां नारायणी सामाजिक कुंभ स्थल पर कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए आयोजन संकल्प सम्मेलन संपन्न हुआ। जिसमें संत जन व प्रबुद्ध जनों ने अपना विचार व्यक्त किया।सम्मेलन को संबोधित करते हुए आचार्य रामानुज अयोध्या ने कहा कि सनातन धर्म (हिंदू धर्म) का दुनिया में महत्व इसलिए है क्योंकि यह एक शाश्वत जीवन पद्धति है जो नैतिक मार्गदर्शन,आध्यात्मिक गहराई और सार्वभौमिक मूल्यों की शिक्षा देती है। आचार्य शिवेंद्र महाराज वृंदावन ने सामाजिक कुंभ के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सामाजिक कुंभ का महत्व सामाजिक समरसता, एकता, और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देना है।कुंभ संयोजक मनोज पांडेय ने कहा कि आयोजन समिति से जुड़े लोग सभी कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रयत्नशील है आयोजन ऐतिहासिक होगा।

धोखाधड़ी कर नौकरी लेने का आरोप

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। थाना क्षेत्र चिल्हियां अन्तर्गत ग्राम पंचायत कन्दवा बाजार से एक बड़ा और गम्भीर मामला सामने आया है। वहीं आरोप है कि एक ही पिता के दो पुत्रों ने अलग-अलग जाति के नाम पर सरकारी नौकरियां प्राप्त की हैं।

बता दें कि रेलवे विभाग में नौकरी करने वाले का नाम विशाल गौड़ पुत्र रामसुभग गौड़ है, जो धुरिया (अनुसूचित जाति) के नाम पर नौकरी कर रहा है, जबकि शिक्षा विभाग में नौकरी करने वाले का नाम पवन कुमार गौड़ पुत्र रामसुभग गौड़ है, जो पिछड़ी जाति (ओबीसी) के नाम पर नियुक्त बताया जा रहा है। मामले की जानकारी सामने आते ही क्षेत्र में हड़कम्प मच गया है। ग्रामीणों का कहना है कि जब दोनों युवक एक ही पिता की सन्तान हैं, तो अलग-अलग जाति प्रमाण पत्रों के आधार पर सरकारी नौकरी पाना कई गम्भीर सवाल खड़े करता है। यह मामला सीधे तौर पर आरक्षण व्यवस्था के दुरुपयोग और विभागीय लापरवाही की ओर इशारा करता है। ग्रामीणों व क्षेत्रीय लोगों ने मांग की है कि इस प्रकरण की जानकारी रेलवे बोर्ड और शिक्षा विभाग दोनों को तत्काल दी जायें। साथ ही सम्बन्धित विभाग के अधिकारी गांव में पहुंचकर ग्रामीणों के बयान दर्ज करें। सभी शैक्षणिक व जाति प्रमाण पत्रों की जांच करें और पूरे मामले की विस्तृत जांच रिपोर्ट तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेजें। यदि जांच में आरोप सही पाये जाते हैं, तो दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करते हुए दोनों विभागों में की गई नियुक्तियों को निरस्त किया जायें।

आग लगने से मवेशी की जलकर मौत

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। नगर पंचायत स्थित श्रीराधा कृष्ण मंदिर परिसर में रहने वाले पुजारी टिल्लू शर्मा शनिवार को बाजार गये थे। दोपहर करीब 11 बजे उनके आवासीय कक्ष से धुआं और आग की लपटें उठने लगीं। पुजारी की पत्नी प्रियंका शर्मा ने आग देख शोर मचाया, जिसके बाद आस-पास के लोग पहुंचे और मोटर पम्प से आग बुझाने का प्रयास किया। सूचना पर पुजारी चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल और थाना प्रभारी नवीन सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक कपड़े, लगभग 40 हजार रुपये नकद, सोने-चांदी के जेवर, सोफा, अलमारी, टीवी, एसी सहित सभी सामान जलकर राख हो चुका था। नायब तहसीलदार महबूब अंसारी ने बताया कि प्रारम्भिक जांच में आग का कारण विद्युत शार्ट सर्किट पाया गया है और राजस्व टीम क्षति का आकलन कर रही है।

प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को सुनते भाजपा नेता व कार्यकर्ता। अमृत विचार

भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को सुना

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के 129वें संस्करण को जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान व विधायक बांसी राजा जय प्रताप सिंह ने विधानसभा क्षेत्र बांसी अंतर्गत बांसी देहात मंडल के बूथ संख्या- 84 पर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ सुना गया। कार्यक्रम के उपरांत विधायक बांसी राजा जय प्रताप सिंह ने कहा प्रधानमंत्री द्वारा साझा किए गए विचार, समाज सेवा, नवाचार, स्वच्छता, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र के विकास से जुड़े हर व्यक्ति को प्रेरित करते हैं। जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान ने कहा यह कार्यक्रम न केवल देशवासियों को जोड़ता है, बल्कि हमें नई ऊर्जा और दिशा भी प्रदान करता है। जिला मिडिया प्रभारी निशांत पाण्डेय ने बताया कि इस अवसर पर किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष अजय शर्मा, भाजपा नेता जितेन्द्र मिश्रा, ज्ञानेंद्र मिश्रा, मंडल अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता गण तथा बड़ी संख्या में जनता जनार्दन उपस्थित रही।

स्थापना दिवस | कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस पार्टी का 141वां स्थापना दिवस उत्साह के साथ मनाया, कहा

कांग्रेस राजनीतिक दल नहीं, देश की आत्मा है

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

जिला कांग्रेस कार्यालय पर पार्टी का ध्वज फहराते कार्यकर्ता।

अमृत विचार। जिला कांग्रेस कार्यालय पर रविवार को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 141वां स्थापना दिवस पूरे उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने पार्टी का ध्वज फहराया तथा उपस्थित कांग्रेस जनों ने महात्मा गांधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी एवं राजीव गांधी सहित पार्टी के महान नेताओं के चित्रों पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम में जिला कांग्रेस अध्यक्ष काजी सुहेल अहमद ने कहा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि देश की आत्मा है। इस पार्टी ने आजादी की लड़ाई से लेकर लोकतन्त्र, संविधान, सामाजिक न्याय और भाईचारे की रक्षा तक हर मोर्चे पर ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। आज जब देश में महंगाई, बेरोजगारी और संवैधानिक संस्थाओं पर हमले बढ़ रहे हैं, तब कांग्रेस ही आम जनता की आवाज़ बनकर संघर्ष कर रही है। जिला उपाध्यक्ष जावेद मोकीम, अनिल सिंह अन्नू एवं सादिक अहमद ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस गरीब, किसान, मजदूर, नौजवान और महिलाओं के अधिकारों की लड़ाई मजबूती से लड़ रही है और आने वाले समय में कांग्रेस जनता की उम्मीदों पर खरी उतरेगी। इस अवसर पर रियाज मनिहार, पंकज चतुर्वेदी, सुदामा प्रसाद, होरी लाल श्रीवास्तव, डॉ0 प्रमोद कुमार, मुकेश चौबे, सन्तोष चौधरी, आसिफ रिज़्वी जुबैर अहमद, अकरम अली, शौकत अली, श्याम किशोर पांडेय, दिलीप कुमार आजाद, आलोक कुमार, शफीक अहमद, अनीस, रितेश त्रिपाठी, जमाल अहमद, रिजवान, श्याम नारायण विज्ञानी बाबा, रिजवान, कृपा शंकर भट्ट सहित तमाम कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

शिविर में दूसरे दिन 953 रोगियों की जांच

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। नारायणी नेत्र अस्पताल बहादुरगंज नेपाल के नेत्र चिकित्सकों द्वारा नगर पंचायत शोहरतगढ़ में आयोजित तीन दिवसीय नेत्र शिविर के दूसरे दिन 953 रोगियों की जांच की गई। चिकित्सकों ने 79 रोगियों को आपरेशन के लिए चिन्हित किया। 625 रोगियों को चश्मा वितरित किया गया। नगर पंचायत स्थित राजस्थान अतिथि भवन में आयोजित इस शिविर के पहले दिन जांच में मिले ऑपरेशन के रोगियों को नगर पंचायत अध्यक्ष उमा अग्रवाल ने बस द्वारा आंख अस्पताल बहादुरगंज (नेपाल) के लिए रवाना किया। नपं अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल ने बताया कि ऑपरेशन कराने वालों को बहादुरगंज नेपाल भेज दिया गया है।

सांड़ से टकराई बाइक छात्र की मौत, एक घायल

कुमारगंज, अयोध्या।

अमृत विचार : थाना कुमारगंज अंतर्गत अयोध्या- रायबरेली नेशनल हाईवे पर बरईपारा गांव के पास शनिवार देर शाम दुर्घटना में आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के एक छात्र की मौत हो गई, जबकि दूसरा छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। छात्रों की बाइक एक सांड से टकरा गई थी।

पुलिस के अनुसार बीएससी एजी द्वितीय वर्ष के छात्र सुमित त्रिवेदी (19) निवासी पलिया कला लखीमपुर खीरी व पवन कुमार निवासी फर्रूखाबाद अयोध्या से विश्वविद्यालय कैंपस लौट रहे थे। ग्राम बरईपारा गांव के पास सड़क पर अचानक छुट्टा जानवर के आने से बाइक उससे टकरा गई। हादसे में दोनों छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने दोनों को सौ शैय्या अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने सुमित को मृत घोषित कर दिया। घायल पवन को मेडिकल कॉलेज दर्शननगर रेफर कर दिया। थाना प्रभारी ओमप्रकाश ने बताया कि मृतक छात्र के परिवारीजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है। विश्वविद्यालय के बड़ी संख्या में छात्र और प्रशासनिक अधिकारी अस्पताल पहुंचे व स्थिति का जायजा लिया।

अवैध मिट्टी खनन में लगी ट्रैक्टर-ट्राली जब्त

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। उपजिलाधिकारी शोहरतगढ़ विवेकानन्द मिश्रा ने अवैध मिट्टी खनन के मामले में कार्रवाई करते हुए मिट्टी से लदी ट्रैक्टर-ट्राली को पकड़ लिया है। यह कार्रवाई टीसम गांव के पास की गई, जहां कुछ लोगों ने सूचना दी थी कि ट्रैक्टर-ट्राली वाले अवैध खनन कर ऊंचे दामों पर मिट्टी बेच रहे हैं। शनिवार की सुबह जब एसडीएम ने मौके पर पहुंचकर जांच की, तो दो ट्रैक्टर-ट्राली मिट्टी ले जाते हुए पाये गये। चालक मिट्टी खनन से संबंधित कागजात नहीं दिखा सका। उपजिलाधिकारी ने ट्रैक्टर चालक हारून, निवासी धनौरा बुजुर्ग और इम्तियाज, निवासी भागलपुर को गिरफ्तार कर ढेबरुआ पुलिस के हवाले कर दिया।

नेशनल ब्रीफ

हिमाचल: पैराग्लाइडिंग के दौरान दुर्घटना में पायलट की मौत

धर्मशाला। कांगड़ा जिले में उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद एक 'टैंडम पैराग्लाइडर' के तकनीकी खराबी के कारण असंतुलित होकर नीचे गिर जाने से उसके अनुभवी पायलट की मौत हो गई। यह घटना अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त बीर-बिलिंग पैराग्लाइडिंग स्थल पर शुक्रवार शाम हुई। अधिकारियों के अनुसार, उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद पैराग्लाइडर में तकनीकी खराबी आ गई और वह हवा में संतुलन खो बैठा तथा उड़ान स्थल के नीचे सड़क के पास गिर गया। हादसे में पायलट की मौत हो गई, जबकि साथ उड़ान भर रहा पर्यटक घायल हो गया। पायलट की पहचान मोहन सिंह के रूप में हुई है, जो मंडी जिले के बरोट के निवासी थे।

बेंगलुरु में की गई तोड़फोड़ यूपी जैसी नहीं : आईयूएमएल

कोझिकोड (केरल)। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के सचिव पीके कुन्हलिकुट्टी ने रविवार को कहा कि बेंगलुरु में घरों को ध्वस्त किए जाने की उत्तर प्रदेश में हुई घटना से तुलना नहीं की जा सकती। कुन्हलिकुट्टी ने कहा कि उन्होंने कर्नाटक के नेताओं से बात की है, जिनमें वहां के मंत्री और मुख्यमंत्री भी शामिल हैं। उन्होंने कहा है कि इस तोड़फोड़ की तुलना उत्तर प्रदेश में हुई घटना से नहीं की जा सकती और बेंगलुरु में सभी समुदायों के लोग प्रभावित हुए हैं। कुन्हलिकुट्टी ने कहा कि जिन लोगों के घर तोड़े गए हैं, उनका पुनर्वास किया जाएगा। सरकार द्वारा आकर्षक पुनर्वास पैकेज उपलब्ध कराए जाएंगे। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार सत्ता में है, यह जानकर इस मुद्दे का फायदा उठाना घटिया राजनीति है।

असम विधानसभा चुनाव में कांग्रेस 100 सीट पर लड़ेगी: गोगोई

तेजपुर। कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने रविवार को कहा कि पार्टी 126-सदस्यीय राज्य विधानसभा के लिए अगले साल होने वाले चुनाव में 100 सीट पर चुनाव लड़ेगी, जबकि शेष सीट अपने गठबंधन सहयोगियों के लिए छोड़ेगी। गोगोई ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस एआईयूडीएफ के साथ कोई समझौता नहीं करेगी। उन्होंने बदरुद्दीन अजमल-नीत इस दल को सांप्रदायिक पार्टी करार दिया। पार्टी के 140वें स्थापना दिवस पर एक बैठक को संबोधित करते हुए गोगोई ने कहा कि जनविरोधी भाजपा को हराने के लिए कांग्रेस समान विचारधारा वाले दलों के साथ गठबंधन करके 2026 का असम विधानसभा चुनाव लड़ेगी। गोगोई ने दावा किया, असम के लोगों से छीनी गई गरिमा को कांग्रेस के नेतृत्व में बहाल किया जाएगा।

प. बंगाल के सीईओ को वाई-प्लस श्रेणी सुरक्षा

नई दिल्ली/कोलकाता। एसआईआर प्रक्रिया के मद्देनजर केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) मनोज अग्रवाल को सशस्त्र सुरक्षा प्रदान की है। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा 26 दिसंबर को जारी आदेश के बाद अग्रवाल को कोलकाता में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की वाई-प्लस श्रेणी की सुरक्षा दी गई है। अग्रवाल की निजी और आवास की सुरक्षा के लिए सीआईएसएफ वीआईपी सुरक्षा विंग के 11-12 सशस्त्र कर्मियों की टीम तैनात की गई है।

केंद्र के स्वास्थ्य बजट में पिछले 11 सालों में हुई तीन गुना से ज्यादा वृद्धि

आईएमए नेटकॉन 2025 में बोले अमित शाह, कहा- जल्द मलेरिया से मुक्त होगा देश

अहमदाबाद, एजेंसी

नेटकॉन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि उपलब्धियां तभी हासिल होती हैं जब योजनाओं को जमीनी स्तर पर उतारा जाता है। भारत में मलेरिया के मामलों में 97% कमी आई है और देश जल्द इससे मुक्त होगा। अहमदाबाद के शेला में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के ऑल इंडिया मेडिकल कॉन्फ्रेंस-आईएमए नेटकॉन 2025 को शाह संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत और मिशन इंद्रधनुष जैसी विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं से मलेरिया में 97 प्रतिशत कमी आई है और हम जल्द मलेरिया से मुक्त होंगे। सरकार डेंगू से होने वाली मृत्यु दर को घटाकर एक प्रतिशत तक लाने में सफल रही है। मातृ मृत्यु दर में 25% की कमी आई है। केंद्र का स्वास्थ्य बजट 2014 के 37,000 करोड़ रुपये से बढ़कर प्रधानमंत्री मोदी के शासनकाल में अब 1.28 लाख करोड़ हो गया है। नागरिकों के स्वास्थ्य में अभूतपूर्व बदलाव के लिए भी काम किया गया है। शाह ने कहा कि आईएमए की भूमिका आज और भी महत्वपूर्ण हो गई है क्योंकि प्रधानमंत्री के 2047 तक विकसित भारत की दिशादृष्टि को साकार करने के लिए देश को एक स्वस्थ जनसांख्यिकी की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस प्रयास के कुछ प्रमुख घटक स्वच्छ भारत मिशन, आयुष्मान भारत, 'फिट इंडिया मूवमेंट' और 'खेलो इंडिया' हैं। उन्होंने बताया कि हमने जेनेरिक दवाएं किफायती बनाई, जीएसटी हटाकर कई दवाओं की लागत कम की और मेडिकल सीट की संख्या बढ़ाई। हम अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एआईएमएस) की पहुंच का विस्तार कर रहे हैं। हम एम्स के माध्यम से एक कार्यक्रम शुरू करेंगे जिसके तहत टेलीमेडिसिन और वीडियोग्राफी के जरिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) को मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

राहुल गांधी थकिए मत आपको तमिलनाडु और बंगाल भी हारना है

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि अगर कोई पार्टी लोगों को पसंद आने वाली हर चीज का विरोध करती है, तो उसे वोट नहीं मिलेंगे। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि राहुल गांधी को यह सरल तर्क समझाना उनकी क्षमता से परे है, क्योंकि कांग्रेस के नेता भी इसे समझाने में विफल रहे हैं। शाह अहमदाबाद शहर के पास एक गांव में एक सभा को संबोधित कर रहे थे। शाह ने कहा कि हाल ही में लोकसभा में हुई बहस के दौरान, राहुल गांधी ने मुझसे अजीब सवाल पूछा- चुनाव में हर बार सिर्फ उनकी पार्टी ही क्यों हारती है। उन्होंने कहा, राहुल बाबा, अगर आप मेरी इन दो पहल को समझेंगे, तो आपको इसका जवाब मिल जाएगा। भाजपा नेता ने कहा कि राहुल गांधी को हार से थकना नहीं चाहिए क्योंकि कांग्रेस तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में निश्चित रूप से हारेगी।

दिल्ली : कई इलाकों में एक्यूआई 400 पार

- राष्ट्रीय राजधानी में कड़ाके की ठंड के बीच और जहरीली हुई हवा

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में रविवार को लगभग पूरे दिन वातावरण में घनी धुंध छाई रही।

राष्ट्रीय राजधानी में रविवार सुबह वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में रही और समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 392 दर्ज किया गया। कई इलाकों में एक्यूआई 400 पार चला गया। इस बीच न्यूनतम तापमान भी 6.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के 'समीर' ऐप के अनुसार, शहर के 19 निगरानी केंद्रों में वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में दर्ज की गई। आनंद विहार में वायु गुणवत्ता सबसे खराब (444) रही। शेष केंद्रों पर यह बहुत खराब श्रेणी में रही। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, न्यूनतम तापमान 6.3 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से 0.5 डिग्री कम है। विभाग के अनुसार, सुबह 8.30 बजे आर्द्रता 71 प्रतिशत दर्ज की गई। विभाग ने बताया कि अधिकतम तापमान करीब 21 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

बिहार: तीन माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया

पटना। मुंगेर जिले में रविवार को तीन माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। एक बयान में बताया गया कि आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों में प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के जोनल कमांडर नारायण कोड़ा और सब-जोनल कमांडर बहादुर कोड़ा पर छह लाख रुपये का इनाम था। तीसरे विनोद उर्फ बिनो कोड़ा ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

पश्चिम बंगाल में एक और बीएलओ की मौत सुसाइड नोट मिला

- एसआईआर के दबाव को झेलने में खुद को बताया असमर्थ

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा जिले में रविवार को एक ओर बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) मृत पाया गया। पुलिस ने मृतक बीएलओ के हस्ताक्षर के साथ एक सुसाइड नोट भी बरामद किया है, जो उसके आत्महत्या करने की ओर इशारा कर रहा है। इस नोट में उसने एसआईआर के काम के दबाव को झेलने में असमर्थ होने की बात लिखी है।

यह घटना रानीबांध ब्लॉक में हुई, जहां रविवार सुबह एक स्कूल के परिसर से हराधन मंडल का शव बरामद किया गया। पुलिस ने बताया, मंडल पेशे से स्कूल शिक्षक थे और वह रानीबांध ब्लॉक के रजकाटा क्षेत्र के अंतर्गत बूथ संख्या 206 के बीएलओ के रूप में कार्यरत थे। पुलिस के अनुसार, मौके से मृतक के हस्ताक्षर वाला एक लिखित नोट बरामद हुआ है, जिसमें उन्होंने काम के दबाव को झेलने में असमर्थ होने का जिक्र किया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मौत के कारणों का पता लगाने के लिए जांच भी शुरू कर दी है।

घटना सामने आने के बाद टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने दावा किया कि भाजपा के चुनावी लाभ के लिए चलाए गए 'मतदाता-सफाया अभियान' (एसआईआर) के कारण पैदा हुई घबराहट, चिंता, थकान और डर से अब तक 50 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया कि बीएलओ ने आत्महत्या कर ली।

तकनीकी कारणों से बंगाल में छूटे वोटरों की सुनवाई रुकी

निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल के जिला चुनाव अधिकारियों को फिर निर्देश जारी किया है कि एसआईआर के दौरान 2002 की मतदाता सूचियों के डिजिटलीकरण में तकनीकी समस्या के कारण बीएलओ एप में जो मतदाता छूट गए हैं उन्हें सुनवाई के लिए नहीं बुलाया जाना चाहिए, भले ही सिस्टम ने स्वत: ऐसे नोटिस जारी कर दिए हों। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय द्वारा शनिवार को जारी निर्देश में कहा गया है कि यह समस्या 2002 की मतदाता सूची के पीडीएफ संस्करण को सीएसवी प्रारूप में पूरी तरह से परिवर्तित न कर पाने के कारण उत्पन्न हुई है।

उन्नाव दुष्कर्म मामले में जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन

पीड़िता और परिवार के साथ कई संगठनों के कार्यकर्ता हुए शामिल, सेंगर की सजा निलंबित करने का विरोध

नई दिल्ली, एजेंसी

- पीड़िता ने मुख्यमंत्री से की अपने परिवार के लिए सुरक्षा की मांग

सेंगर की सजा निलंबित करने के विरोध में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करतीं महिलाएं।

उन्नाव दुष्कर्म मामले की पीड़िता और उसके परिजनों के साथ कई संगठनों के कार्यकर्ताओं ने भाजपा के पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की उम्रकैद की सजा निलंबित करने के दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ रविवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान अधिकारियों से सख्त जवाबदेही की मांग करते हुए पीड़िता ने मुख्यमंत्री से अपने परिवार के लिए सुरक्षा की मांग की। सेंगर को बहुत शक्तिशाली बताते हुए अपने पति को नौकरी से निकाल दिए जाने का भी आरोप लगाया।

ऑल इंडिया प्रोग्रेसिव वीमेन एसोसिएशन (एआईपीडब्ल्यूए) और ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आईसा) के प्रदर्शनकारियों ने दोषी के प्रति दिखाई गई कथित अनुचित नरमी के खिलाफ नारे लगाए और तर्क दिया कि अब तक की कार्रवाई सार्वजनिक उम्मीदों से कम रही है। पीड़िता की मां ने कहा कि उन्हें उच्चतम न्यायालय पर भरोसा है और उम्मीद है कि इस मामले में न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा, हमें पीटा गया, हमारे रिश्तेदारों को पीटा गया, उनके खिलाफ फर्जी मामले दर्ज किए गए। उन्होंने सरकार से अनुरोध किया कि सेंगर को रिहा न किया जाए।

दिल्ली हाईकोर्ट ने 23 दिसंबर को सेंगर की अपील लंबित रहने तक उसकी जेल की सजा निलंबित कर उसे सशर्त जमानत दे दी थी। अदालत ने कहा था कि वह सात साल और पांच महीने की जेल काट चुका है। हालांकि, सेंगर पीड़िता के पिता की हिरासत में हुई मौत के मामले में भी 10 साल की सजा काट रहा है और उस मामले में उसे जमानत नहीं मिली है, इसलिए वह फिलहाल जेल में ही रहेगा। उच्चतम न्यायालय सोमवार को दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली सीबीआई की याचिका पर सुनवाई करने वाला है।

प्रदर्शनकारियों ने कहा- जिम्मेदारी में कमी से न्याय में घटेगा विश्वास

एआईपीडब्ल्यूए और आईसा के प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि इस मामले ने आपराधिक प्रकरणों में राजनीतिक शक्ति के प्रभाव को उजागर कर दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि जिम्मेदारी में किसी भी तरह की कमी से न्याय प्रणाली में विश्वास कम होगा। आईसा ने में कहा, शीर्ष कोर्ट को जंतर-मंतर की गूंज पर ध्यान देना चाहिए कि कुलदीप सिंह सेंगर जेल में ही रहने के लायक है और उसे पीड़िता तथा उनके परिवार के लिए सुरक्षा और न्याय सुनिश्चित करना चाहिए। पुलिस के एक सूत्र ने बताया कि एक महिला को प्रदर्शन स्थल से हटा दिया गया, क्योंकि वह सेंगर के समर्थन में तख्ती लेकर इलाके में प्रवेश करने की कोशिश कर रही थी।

रूस की सेना में शामिल दस भारतीयों की मौत का दावा

- अपने भाई को तलाश करने रूस गया था पंजाब का शख्स

जालंधर। हाल ही में रूस में अपने लापता भाई की तलाश करके लौटे पंजाब के गोरेया के निवासी एक व्यक्ति ने रविवार को दावा किया कि यूक्रेन के खिलाफ जारी युद्ध में शामिल होने के लिए रूसी सेना में भर्ती हुए 10 भारतीयों की मौत हो गई है। जालंधर के गोरेया के निवासी जगदीप कुमार ने दावा किया कि इन 10 भारतीयों में से तीन पंजाब के और सात उत्तर प्रदेश व जम्मू से हैं। हालांकि, इन दावों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

जगदीप ने कहा कि उन्होंने कुछ दस्तावेज राज्यसभा सदस्य बलबीर सिंह सीचेवाल के कार्यालय को सौंपे हैं, जिनमें रूसी सेना ने इन 10 लोगों की मौत की पुष्टि की है। उन्होंने यह दावा भी किया कि रूस में चार अन्य भारतीय लापता हैं। भारत ने सितंबर में रूस से भारतीय नागरिकों को रूसी सेना में भर्ती करने पर रोक लगाने की अपील की थी। भारत ने अपने नागरिकों को भी चेतावनी दी थी कि वे रूसी सेना में शामिल होने के प्रस्तावों को न स्वीकार करें।

सिक्किम में उप्र के पर्वतारोही की मौत

गंगटोक। सिक्किम के प्रसिद्ध गोएचाला पर्वतारोहण मार्ग पर उत्तर प्रदेश के 45 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान सूरज तिवारी के रूप में हुई है।

सूरज अपने दो दोस्तों के साथ यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल खांगचेंद्जोंगा राष्ट्रीय उद्यान में आठ दिन की गोएचाला पर्वतारोहण यात्रा पर गया था। पुलिस ने बताया कि उसने गुरुवार को चढ़ाई शुरू की थी तभी सुबह नौ बजे कोक्चुरोंग शिविर के पास उसकी तबीयत खराब हो गई और उसमें लकवे जैसे लक्षण दिखाई देने लगे।

आरक्षण नीति : छात्र आंदोलन से पहले कश्मीर में कई नेता नजरबंद

- नेताओं के छात्रों को समर्थन देने के बाद प्रशासन ने उठाया कदम

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में मौजूदा आरक्षण नीति के खिलाफ छात्रों के विरोध प्रदर्शन में शामिल होने से रोकने के लिए रविवार को पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती और नेशनल कांफ्रेंस के सांसद आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी सहित कई नेताओं को नजरबंद कर दिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि महबूबा मुफ्ती, उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती, श्रीनगर से लोकसभा सदस्य रुहुल्लाह मेहदी, पीडीपी नेता वहीद पारा और श्रीनगर के पूर्व महापौर जुनैद मट्टू को उनके घरों में नजरबंद कर दिया गया है। प्रशासन ने कदम इन नेताओं द्वारा उन छात्रों के साथ एकजुटता व्यक्त प्रकट किए जाने के बाद उठाया, जिन्होंने रविवार को गुपकर रोड पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन की योजना बनाई थी। इन नेताओं ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के मुद्दे के समाधान के लिए समिति गठित करने के एक साल बाद भी नतीजा नहीं निकलने पर छात्रों की ओर से आयोजित मार्च में शामिल होने की मंशा जताई थी। पारा ने कहा कि नेताओं को नजरबंद कर दिया गया है ताकि वे छात्रों के साथ एकजुटता न प्रकट कर सकें।

गांव में हर शाम बजता है सायरन, फोन-टीवी छोड़कर पढ़ने में जुट जाते हैं बच्चे

- महाराष्ट्र के गांव में बच्चों का भविष्य सुरक्षित करने के लिए अनूठी पहल

बीड। महाराष्ट्र के बीड जिले के परली तहसील स्थित नागापुर गांव में मोबाइल, टेलीविजन और दूसरे गैजेट्स में खोए बच्चों में पढ़ाई की आदत विकसित करने के लिए एक अनोखी पहल शुरू की गई है। 'सायरन ब्लोज फॉर स्टडी' अभियान के तहत गांव में हर शाम सायरन बजते ही छात्र अपने गैजेट्स छोड़कर दो घंटे तक नियमित रूप से पढ़ाई में जुट जाते हैं।

गांव के उप सरपंच संतोष सोलंके ने बताया कि इस अभियान से अभिभावकों और छात्रों दोनों पर जबरदस्त असर पड़ा है। सोलंके ने बताया कि उन्हें सांगली जिले के अग्रम धुलगांव गांव में इसी तरह के एक सफल मॉडल से प्रेरणा मिली। सोलंके ने कहा, यह प्रक्रिया सरल लेकिन प्रभावी है। शाम सात बजे पूरे गांव में सायरन बजता है। यह हर घर के लिए टेलीविजन बंद करने और मोबाइल फोन को दूर रखने के आदेश जैसा होता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह पहल महज एक रस्म बनकर न रह जाए, एक समर्पित निगरानी समिति समय-समय पर निरीक्षण करती है।

उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत के सदस्य और स्वयंसेवक निगरानी के लिए सप्ताह में दो बार घरों का दौरा करते हैं। इस पहल का सबसे उल्लेखनीय प्रभाव छोटे बच्चों में देखा गया है। सोलंके ने बताया कि माता-पिता के अनुसार बच्चों के व्यवहार में महत्वपूर्ण बदलाव आया है, जहां बच्चे स्वयं अपने परिवारों को इसके बारे में बताते हैं। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य अपने छात्रों को राज्य स्तरीय परीक्षाओं के लिए पर्याप्त रूप से सक्षम बनाना और उनके लिए उच्च शिक्षा के द्वार खोलना है।

कांग्रेस के महान नेताओं के कारण विश्व में सबसे बड़ा लोकतंत्र बना भारत

पार्टी के स्थापना दिवस पर खरगे बोले- विचारधाराएं कभी नहीं मरतीं

नई दिल्ली, एजेंसी

पार्टी के स्थापना दिवस समारोह में ध्वज को सलामी देते कांग्रेस के वरिष्ठ नेता।

कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस पर पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को कहा कि कांग्रेस एक विचारधारा है और विचारधाराएं कभी नहीं मरतीं। खरगे ने इंदिरा भवन स्थित पार्टी मुख्यालय में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से कहा कि कांग्रेस के महान नेताओं के कारण ही भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र बन पाया।

उन्होंने कहा कि मैं उन लोगों से कहना चाहता हूं, जो कहते हैं कि कांग्रेस का अंत हो गया है। हमारी शक्ति भले ही कम हो गई हो, लेकिन हमारा हौसला अब भी बुलंद है। हमने किसी से समझौता नहीं किया, न संविधान से, न धर्मनिरपेक्षता से और न ही गरीबों के अधिकारों से। हम भले ही सत्ता में न हों, लेकिन हम समझौता नहीं करेंगे। खरगे ने बताया कि कांग्रेस ने कभी धर्म के नाम पर वोट नहीं मांगे और जोर देकर कहा कि पार्टी ने कभी मंदिर-मस्जिद के नाम पर नफरत नहीं फैलाई। कांग्रेस एकजुट करती है, जबकि भाजपा) बांटती है।

कांग्रेस राजनीतिक दल नहीं, भारत की आत्मा : राहुल

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस सिर्फ राजनीतिक दल नहीं बल्कि भारत की आत्मा है, जो हर कमजोर, वंचित और मेहनतकश के साथ खड़ी है। उन्होंने पार्टी मुख्यालय इंदिरा भवन में आयोजित स्थापना दिवस में भाग लिया। गांधी ने एक्स पर कहा, संकल्प है कि नफरत, अन्याय और तानाशाही के खिलाफ सत्य, साहस और संविधान की रक्षा की लड़ाई और अधिक मज़बूती से लड़ेंगे। आज कांग्रेस के स्थापना दिवस पर हर कांग्रेसजन को हार्दिक शुभकामनाएं।

दिग्विजय का शशि थरूर ने किया समर्थन

शशि थरूर ने दिग्विजय सिंह का समर्थन करते हुए कहा है कि संगठन को मजबूत करना चाहिए। थरूर इंदिरा भवन मुख्यालय में सिंह के बगल में बैठे थे। सिंह ने शनिवार को आरएसएस और भाजपा की संगठनात्मक ताकत का जिक्र करने के साथ प्रधानमंत्री की तस्वीर साझा करते हुए कहा था कि किस तरह एक कार्यकर्ता मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री बना। उन्होंने कांग्रेस की मजबूती का मुद्दा भी उठाया था।

पिता के साथ हुए हादसे के बाद ओडिशा से दिल्ली लौटे सीईसी ज्ञानेश कुमार

भुवनेश्वर। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ओडिशा में 29 दिसंबर को प्रस्तावित बूथ स्तर अधिकारिओं (बीएलओ) के साथ बैठक को रद्द करके रविवार को अचानक नयी दिल्ली वापस लौट गए।

सरकारी सूत्रों ने यह जानकारी सूत्रों के अनुसार ओडिशा के तीन दिवसीय दौरे पर गए कुमार अपने पिता के साथ हुए एक बड़े हादसे के कारण लौट आए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कुमार विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की घोषणा से पहले बीएलओ से चर्चा करने के लिए फिर से राज्य का दौरा कर सकते हैं। कुमार ने अचानक दौरा खत्म करने पर खेद व्यक्त करते हुए कहा कि ओडिशा की कला, वास्तुकला, मेहमाननवाजी और प्राकृतिक सुंदरता ने उनपर गहरी छाप छोड़ी है। शनिवार को यहां पहुंचने पर कुमार ने कहा था कि वह ओडिशा में भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए आए हैं और साथ ही बूथ स्तर के अधिकारियों से मिलने का भी उनका कार्यक्रम हैं।

त्रिपुरा: विवाहेतर संबंध के आरोप में महिला को पीटा, जूतों की माला पहनाई

अगरतला। धलाई जिले में विवाहेतर संबंध रखने के आरोप में ग्रामीणों ने एक महिला की पिटाई कर उसे जूते की माला पहनने को मजबूर किया। पुलिस के मुताबिक शनिवार सुबह कमलपुर थाना क्षेत्र के हररखोला गांव में ग्रामीणों के एक समूह ने महिला को उसके घर से घसीटकर बाहर निकाला और उसकी पिटाई की। उसे जूतों की माला पहनने के लिए भी मजबूर किया। पीड़िता दो बेटों की मां है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची तो महिला को सड़क पर पड़ा पाया। बाद में उसे अम्बासा स्थित जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका सीटी स्कैन किया गया। फिलहाल उसकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है।

संबोधन | सोनीपत के डॉ . बीआर आंबेडकर राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में बोले सीजेआई सूर्यकांत

कानूनी पेशे में जो लोग ईमानदार, उन्हीं को मिलता है ईनाम

चंडीगढ़, एजेंसी

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि कानूनी पेशे में उन लोगों को ईनाम मिलता है जो इसे सफलता का शॉर्टकट नहीं, बल्कि एक ऐसी कला मानते हैं जिसे सावधानीपूर्वक सीखकर ईमानदारी के साथ अभ्यास करना होता है। उन्होंने कहा कि कानून कोई तेज दौड़ नहीं है बल्कि एक लंबी और सोच-समझकर तय की जाने वाली यात्रा है।

सीजेआई डॉ. बीआर आंबेडकर राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, सोनीपत के पहले दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि युवा वकील ऐसे समय में इस पेशे में प्रवेश कर रहे हैं जब इसकी प्रासंगिकता पर कोई सवाल नहीं है, लेकिन तकनीकी बदलाव, आर्थिक जटिलताओं, अधिकारों के बढ़ते विमर्श और कड़ी सार्वजनिक निगरानी के कारण इसकी अपेक्षाएं काफी अधिक हैं। उन्होंने कहा कि वकीलों से केवल प्रभावी ढंग से बहस करने की ही नहीं, बल्कि जिम्मेदारी के साथ सलाह देने की भी अपेक्षा की जाती है। उन्होंने कहा, इस पेशे में युवाओं से केवल अनुकूलन की नहीं, बल्कि मानकों को ऊंचा रखने की उम्मीद की जाती है। इसमें आपसे अपेक्षा की जाती है कि जहां विश्वास कमजोर पड़ा है वहां उसे बहाल करें, सिद्धांतों को नुकसान पहुंचाए बिना नया दृष्टिकोण अपनाएं और क्षमता तथा अंतरात्मा दोनों के साथ कानून का अभ्यास करें।

उन्होंने कहा कि यह अपेक्षा कोई बोझ नहीं, बल्कि आप पर जताया गया विश्वास होता है। सीजेआई ने कहा, कानून उन लोगों को पुरस्कृत करता है जो इसे सफलता का शॉर्टकट नहीं, बल्कि एक ऐसी कला मानते हैं जिसे सावधानीपूर्वक सीखकर ईमानदारी के साथ अभ्यास करना होता है। उन्होंने कहा, कानून कोई तेज दौड़ नहीं है। यह एक लंबी, सोच-समझकर तय की जाने वाली यात्रा है। जो लोग प्रतिबद्ध, जिज्ञासु और ईमानदार बने रहते हैं, वे अक्सर पाते हैं कि यह पेशा उन्हें पुरस्कृत करता है।

अमृत विचार

सोमवार, 29 दिसंबर 2025

तुम वो हो जो तुम होने का यकीन करते हो।

–पाउलो कोएल्हो, ब्राजीलियन लेखक

सर्दियों का समाधान

उत्तर प्रदेश, बिहार, समेत कई राज्यों में तेज ठंड पड़ रही है, पश्चिमी विक्षोभों की तीव्रता में बदलाव, जेट स्ट्रीम का दक्षिण की ओर खिसकना, आर्कटिक क्षेत्र में तापमान असामान्य रूप से बढ़ना और इसके कारण ठंडी हवा का निचले अक्षांशों तक पहुंचना इसकी वजह है। जलवायु परिवर्तन के मौसम पर असामान्य प्रभाव के चलते अचानक और तीव्र ठंड अब अपवाद नहीं रही। इस सर्दी ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या केंद्र और राज्य सरकारें इस स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त रूप से तैयार हैं।

सच यह है कि अधिकांश उपाय प्रतिक्रियात्मक हैं। सर्दी बढ़ने के बाद अलाव, रैन बसेरे और कंबल वितरण शुरू होते हैं, जबकि दीर्घकालिक तैयारी का अभाव दिखता है। सर्दियों के साथ प्रदूषण का बढ़ना और श्वसन, हृदय तथा संक्रामक रोगों का प्रकोप एक जाना-पहचाना चक्र है। इसके लिए स्वास्थ्य सेवाओं की अग्रिम तैयारी, दवाओं की उपलब्धता, मोबाइल हेल्थ यूनिट और प्रदूषण नियंत्रण के कड़े कदम अपेक्षित हैं। उत्तर प्रदेश जैसे कुछ राज्यों ने प्रयास किए हैं, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर यह अभी भी असमान है। सूबे में सरकार ने करोड़ों व्यय कर अपेक्षाकृत व्यापक प्रबंध किए हैं। रैन बसेरों की संख्या बढ़ाना, शहरी व ग्रामीण इलाकों में अलाव की व्यवस्था, कंबल वितरण, अस्पतालों में विशेष वार्ड और आपात सेवाओं को अलर्ट पर रखना, स्कूलों में अवकाश। इनका असर खासतौर पर हाशिये पर रहने वाले लोगों, बेघर, वृद्ध, दिहाड़ी मजदूरों पर सकारात्मक पड़ सकता है, बशर्ते वितरण और निगरानी में लापरवाही न हो। पशुओं और मवेशियों के लिए अस्थायी शेड, चारा और पशु चिकित्सा सेवाओं की व्यवस्था भी जरूरी है, क्योंकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा पशुधन पर निर्भर है। सर्दियों का असर यातायात और व्यवसाय पर न पड़े कोहरे और शीतलहर के कारण सड़क व रेल दुर्घटनाएं न बढ़ें, इसके लिए बेहतर विजिबिलिटी सिस्टम, समय पर ट्रैफिक एडवाइजरी, रेल-सड़क समन्वय और कार्य समय में लचीलापन और जरूरी है। मानवाधिकार आयोग का निर्देश है कि ठंड से किसी बेघर की मृत्यु न हो, पर हर वर्ष देश में ठंड के असर से हजारों लोगों की मौत होती है। इन आंकड़ों को आपदा के रूप में दर्ज होना चाहिए। शीत लहर के लिए कोई सशक्त, मानकीकृत राष्ट्रीय कार्य योजना नहीं है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, स्थानीय निकाय और स्वास्थ्य विभाग को मिलकर सूचना साझा करने और जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया मजबूत बनाने के लिए, यह करना आवश्यक है।

पूर्व नियोजित तैयारियों तथा विभागों के बीच समन्वय की कमी, धन का अक्षम उपयोग, डेटा और तकनीकी क्षमता के अभाव में स्थान और समय विशिष्ट योजनाओं को तैयार न कर पाना हर साल की इस मुसीबत से निबटने में विफलता के मुख्य बिंदु हैं। हमें प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों में तकनीकी खामियां दूर कर स्थानीय भाषा में रियल-टाइम अलर्ट, पंचायत और शहरी वार्ड स्तर तक सूचना तंत्र और समुदाय-स्तरीय तैयारी को सालाना प्रक्रिया का हिस्सा बनाना होगा। उम्मीद है कि इस वर्ष की सर्दी से सबक लेकर सरकारें पूरे साल की योजना बनाएंगी।

प्रसंगवश

वन, पर्वत, नदियों को निगलने की भूख

दुनिया के किसी भी देश का अस्तित्व उसके वन, पर्वत और नदियों पर निर्भर करता है। मानव सभ्यता के विकास में इन तीनों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वन, पर्वत और नदियां मानव सभ्यता के हजारों वर्ष पहले से विद्यमान हैं। प्रकृति के आरंभ से लेकर आज के आधुनिक युग तक, समस्त जीवों का जीवन इन्हीं पर निर्भर रहा है। यही कारण है कि भारतीय धर्मग्रंथों और परंपराओं में वन, पर्वत और नदियों की पूजा की जाती है, तथा उनकी रक्षा करने का संकल्प लिया जाता है। विडंबना यह है कि जैसे-जैसे मानव शिक्षित और आधुनिक होता गया, उसने तथाकथित विकास के नाम पर इन्हीं प्राकृतिक संसाधनों को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया है, और यह विनाशकारी सिलसिला आज भी जारी है।

विकास और पैसे की भूख की वजह से वन, पर्वत और नदियों का तेजी से विनाश हो रहा है। इसके पीछे एक बड़ी वजह खनन और भू-माफियाओं को प्राप्त राजनीतिक संरक्षण भी है। नर्मदा तथा गंगा की वर्तमान स्थिति किसी से छिपी नहीं है। करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ी इन नदियों में खनन माफियाओं द्वारा जिस बेरहमी से अवैध रेत खनन किया जा रहा है, उससे न केवल नदियों का प्राकृतिक संतुलन बिगड़ रहा है, बल्कि पर्यावरण को भी भारी क्षति पहुंच रही है। भारत के लगभग हर राज्य में बड़ी नदियों पर चौबीसों घंटे, सातों दिन अवैध रेत उत्खनन जारी है, जो राज्य सरकारों की 'नदी बचाओ' जैसी मुहिमों को खुली चुनौती देता है। सरकार और सशक्त कानूनों की मौजूदगी के बावजूद खनन माफियाओं का बेखौफ खेल कहीं-न-कहीं राज्य सरकारों की मौन स्वीकृति की ओर भी संकेत करता है।

अरविंद रावल

लेखक

माफियाओं की धन-लालसा केवल नदियों तक सीमित नहीं है। देश के लगभग हर राज्य, हर जिले के पर्वतों का सीना छलनी किया जा चुका है। वह भारत, जो कभी ऊंचे पर्वतों, कल-कल बहती नदियों और विशाल वन क्षेत्रों के लिए जाना जाता था, आज उसी प्राकृतिक धरोहर को स्वार्थी मानव अपनी लालसा की भेंट चढ़ा रहा है। कई गांवों और शहरों से पूरे के पूरे पहाड़ गायब हो चुके हैं और नदियों के स्वरूप को बिगाड़कर कंक्रीट की मीनारें खड़ी की जा रही हैं। वन क्षेत्र भले ही कागजों में सरकार के नियंत्रण में हों, पर वास्तविकता यह है कि लकड़ी तस्कर रात-दिन सैकड़ों पेड़ों को काट रहे हैं। वन, पर्वत और नदियों के विनाश का सीधा असर वन्य जीवों पर पड़ा है। कई प्रजातियां पूरी तरह समाप्त हो चुकी हैं और अनेक प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर हैं। इसका प्रभाव अब मानव जीवन पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है।

अब अरावली पहाड़ियों पर संकट है। इसके हटने से थार रेगिस्तान की धूल उड़कर दिल्ली के प्रदूषण को और अधिक भयावह बना देगी। गुजरात के ब्रह्मखेड़ा से लेकर दिल्ली के रायसीना हिल्स तक लगभग 692 किलोमीटर में फैली अरावली पर्वतमाला न केवल कई राज्यों को रेगिस्तान बनने से बचा रही है, बल्कि अनेक नदियों का उद्गम स्थल भी है, जो मनुष्य और वन्य प्राणियों दोनों की प्यास बुझाती हैं। इसके बावजूद, भू-माफिया और खनन माफिया वर्षों से अरावली के अस्तित्व को मिटाने पर तुले हुए हैं।

आज आवश्यकता है कि केंद्र और राज्य सरकारें अपनी वन, पर्वत, नदी संरक्षण योजनाओं पर पुनः गंभीर मंथन करें और एक ठोस, प्रभावी तथा कठोर रणनीति बनाएं। साथ ही सामाजिक संगठनों और जागरूक नागरिकों को भी अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा की जिम्मेदारी लेनी होगी, तभी हम खनन माफियाओं के जाल से वन, पर्वत और नदियों के अस्तित्व को बचा पाएंगे।

भाजपा के लिए तुरुप का पत्ता हुमायूं कबीर

नवीन गुप्ता

बरेली

पश्चिम बंगाल की राजनीति इस वक्त नए मोड़ पर खड़ी है। अयोध्या में बाबरी मस्जिद विवाद सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद शांत हो गया, लेकिन मुसलमानों का रहनुमा बनने के चक्कर में तृणमूल कांग्रेस पार्टी (टीएमसी) से निष्कासित विधायक हुमायूं कबीर ने इस विवादित मुद्दे को पुनः छेड़ दिया। हुमायूं ने न सिर्फ बाबरी मस्जिद की नींव रखकर खुद को मुसलमानों के बीच अपने को स्थापित करने की कोशिश की है, बल्कि हिंदू-मुस्लिम जनमानस के बीच तनाव का कारण भी बन गए। उन्होंने नई पार्टी बनाकर विधानसभा चुनाव में टीएमसी के लिए मुसीबत भी पैदा कर दी है।

पुनः सत्ता पर काबिज होने का ख्वाब देख रहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के लिए उन्होंने मुसीबत खड़ी कर दी है। यही वजह है कि भाजपा से ज्यादा टीएमसी उन पर हमलावर है और उन्हें भाजपा का एजेंट साबित करने में लगी है। भाजपा भी उन पर टीएमसी के मुस्लिम तुष्टीकरण एजेंडे को आगे बढ़ाने का आरोप लगा रही है। बहरहाल उनकी बगावत से सत्ता पाने की भाजपा की राह आसान होती दिख रही है, तो टीएमसी के लिए वह दीवार बनते नजर आ रहे हैं। अब देखना यह है कि टीएमसी इस मुसीबत से कैसे निपटती है।

पश्चिम बंगाल में 2021 में हुए विधानसभा चुनाव में टीएमसी ने 215 सीटें जीतकर तीसरी बार सत्ता पर कब्जा किया था, लेकिन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को नंदीग्राम सीट पर भाजपा के शुभेंदु अधिकारी से हार का सामना करना पड़ा था। भाजपा ने इस चुनाव में 77 सीटें जीत कर राजनीतिक विश्लेषकों को चौंका दिया था, हालांकि वामपंथ और कांग्रेस का तंबू यहां पूरी तरह से उखड़ गया था। तब यह माना गया था कि भाजपा को रोकने के लिए कांग्रेसी और वामपंथी मतदाता टीएमसी के साथ चले गए, इसलिए ममता बनर्जी को बड़ी जीत मिली।

भाजपा इस बार सत्ता में आने के लिए पुनः एड़ी चोटी का जोर लगाए हुए है। बिहार में मिली प्रचंड जीत से पार्टी कार्यकर्ताओं के भी हौसले बुलंद हैं। एसआईआर में बंगाल में बड़े पैमाने पर वोट कटे हैं। बांग्लादेश से आए घुसपैठिये देश छोड़कर पुनः अपने देश वापस जा रहे हैं। भाजपा इसे मुद्दा बना रही है कि ममता के कारण ही बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमानों ने पश्चिम बंगाल के निवासियों के संसाधनों पर कब्जा कर रखा है। एसआईआर के बाद बदली परिस्थितियों से टीएमसी परेशान तो है ही, अब उसके माथे पर हुमायूं कबीर ने भी बल ला दिया है। उन्होंने जनता उन्नयन पार्टी का गठन किया है। जाहिर सी बात है कि बाबरी मास्जिद की नींव रखकर उन्होंने मुस्लिम वोटों के ध्रुवीकरण की कोशिश की है। साथ ही मुर्शिदाबाद में एक भी सीट टीएमसी को न जीतने देने का दावा किया है।

हुमायूं कबीर मुस्लिम मौलानाओं, मोलवियों को अपनी पार्टी से जोड़ रहे हैं। उन्हें यह बताने में जुटे हैं कि अब एक मंच के नीचे आना होगा। इसका असर दिख रहा है। उनकी सभाओं में मुस्लिम युवाओं की खासी भीड़ जुट रही है, जो टीएमसी नेताओं की बेचैनी को बढ़ाने वाली है। जो भी मुस्लिम वोट उनके साथ जाएगा, वह टीएमसी से छिटककर जाएगा। ऐसे में इसका सीधा नुकसान ममता बनर्जी को होगा और लाभ भाजपा को होगा।

भाजपा ने 294 सीटों वाले इस राज्य में 160 सीटों पर जीत का लक्ष्य रखा है। भाजपा की नजर कांग्रेस नेतृत्व से नाराज कार्यकर्ताओं और नेताओं पर भी है। पार्टी उन सीटों पर ज्यादा फोकस कर रही है, जहां उसे 10 हजार या उससे कम वोटों से हार का सामना करना पड़ा था। टीमएसी को मुस्लिम मतदाताओं का लगभग 70 फीसदी वोट मिलता आया है। कबीर 100 मुस्लिम बहुल सीटों पर विशेष रणनीति से काम कर रहे हैं। भाजपा ने भी यहां ताकत झोंक रखी है। कबीर की कोशिश मुस्लिम मतदाताओं के ध्रुवीकरण की है। जाहिर सी बात है कि क्रिया की प्रतिक्रिया होगी और हिंदू मतदाता भी एकजुट होगा। ऐसे में इसका सीधा लाभ भाजपा को मिलेगा।

कबीर की रणनीति की काट खोजने में ममता बनर्जी जुटी हुई हैं। वह यह बताने में लगीं हैं कि कबीर को भाजपा से फंडिंग हो रही है, ताकि मुस्लिम मतदाता बंट जांए और इसका लाभ भाजपा को मिले, हालांकि इसमें वह कितना सफल होंगी यह चुनाव के वक्त ही पता चलेगा। वैसे उनके लिए दूसरी मुसीबत एआईएमआईएम के मुखिया असद्दुदीन ओवैसी भी हैं। बिहार में पुनः पांच सीटें जीतने वाले ओवैसी ने बंगाल में पूरी ताकत से चुनाव लड़ने का एलान किया है और वे उम्मीदवार तय करने में जुटे हैं। कबीर उनकी पार्टी से गठबंधन चाहते हैं। अगर दोनों नेता एक हुए तो टीएमसी को बड़ा नुकसान हो सकता है।

राजनीतिक विश्लेषक तो यह भी कह रहे हैं कि हुमायूं कबीर भाजपा के लिए तुरुप का पत्ता साबित हो सकते हैं, क्योंकि वे जितना हिंदू विरोधी बयान देकर मुस्लिम मतदाताओं को एकजुट करेंगे, उतना ही लाभ भगवा खेमे को होगा। कहीं ओवैसी और कबीर मिल गए तो फिर भाजपा के लिए सोने पर सुहागा ही हो जाएगा। वैसे ओवैसी चाहेंगे कि उनकी पार्टी के साथ कांग्रेस का भी गठजोड़ हो जाए, ताकि वे राज्य में मजबूत टक्कर टीएमसी को दे सकें।

राज्य में कुल 294 विधानसभा सीट है। सरकार बनाने के लिए जादुई आंकड़ा 148 सीटों का है। ऐसे में भाजपा यहां मिशन 165 प्लस का एलान कर सकती है। वैसे भाजपा नेताओं में आंतरिक कलह जबरदस्त है। पार्टी नेतृत्व इसे खत्म करने में लगा हुआ है। कांग्रेस और टीएमसी से आए नेताओं को भाजपा कैडर के नेता पचा नहीं पा रहे हैं। यह भाजपा के लिए चिंता का विषय है। इस कलह का खामियाजा भाजपा को लोकसभा चुनाव में भुगतना पड़ा था। उधर, ममता बनर्जी आदिवासी वोटों के लिए झारखंड की सत्ता में काबिज झारखंड मुक्ति मोर्चा के साथ गठजोड़ कर सकतीं हैं। यदि ऐसा होता है तो इसका लाभ उन्हें मिलेगा।

> हुमायूं ने न सिर्फ बाबरी मस्जिद की नींव रखकर खुद को मुसलमानों के बीच अपने को स्थापित करने की कोशिश की है, बल्कि उन्होंने नई पार्टी बनाकर विधानसभा चुनाव में टीएमसी के लिए मुसीबत भी पैदा कर दी है।

आमने

एक साइट पर मुझे ये तस्वीर मिली। ये बहुत ही प्रभावशाली है। किस प्रकार आरएसएस का जमीनी स्वयंसेवक और जनसंघ बीजेपी का कार्यकर्ता नेताओं के चरणों में फर्श पर बैठकर प्रदेश का सीएम और देश का पीएम बना। ये संगठन की शक्ति है।

–दिग्विजय सिंह

कांग्रेस नेता

सामने

नफरत फैलाने वाले संगठन आरएसएस से हमें नहीं सीखना है। कांग्रेस नफरत के खिलाफ है, कांग्रेस मोहब्बत वाले हैं। आरएसएस से सीखने के लिए कुछ नहीं है। गांधी की पार्टी का हूं। 140 साल पहले कांग्रेस एक कमरे में बनी और लोगों की पार्टी बन गई।

–माणिकम टैगोर

कांग्रेस सांसद

फिसलता रुपया: आम आदमी व उद्योगों पर असर

रजत मेहरोत्रा

वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

भारतीय रुपया एक बार फिर ऐतिहासिक दबाव में है और डॉलर के मुकाबले 90 के स्तर से नीचे फिसलने की आशंका ने नीति-निर्माताओं से लेकर आम लोगों तक की चिंता बढ़ा दी है। पिछले दो वर्षों में रुपया लगभग 12–15 प्रतिशत तक कमजोर हुआ है। जहां 2022 में डॉलर 76–77 के आसपास था, वहीं अब यह 89–90 के नजदीक पहुंच चुका है। यह गिरावट केवल एक मुद्रा मूल्य का उतार-चढ़ाव नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था, महंगाई, आयात-निर्यात, निवेश, औद्योगिक लागत और आम उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ता है। ऐसे में सवाल यह है कि क्या कमजोर होता रुपया भारत के लिए खतरनाक संकेत है, या फिर कुछ क्षेत्रों के लिए यह अवसर भी पैदा करता है? और इस चुनौती से निपटने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) क्या कर रहा है?

रुपये की गिरावट के कई वैश्विक और घरेलू कारण हैं। वैश्विक स्तर पर अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा लंबे समय तक ऊंची ब्याज दरें बनाए रखना, डॉलर इंडेक्स का मजबूत होना, पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में अस्थिरता और वैश्विक पूंजी का उभरते बाजारों से अमेरिका की ओर जाना- ये सभी कारक रुपये पर दबाव बनाते हैं। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। जब कच्चा तेल 80 डॉलर से ऊपर टिकता है और रुपया कमजोर होता है, तो आयात बिल तेजी से बढ़ता है। केवल तेल आयात पर ही भारत सालाना 160–180 अरब डॉलर खर्च करता है। ऐसे में रुपये की गिरावट से सरकार और अर्थव्यवस्था पर हजारों करोड़ का अतिरिक्त बोझ पड़ता है।

> पिछले दो वर्षों में रुपया लगभग 12–15 प्रतिशत तक कमजोर हुआ है। जहां 2022 में डॉलर 76–77 के आसपास था, वहीं अब यह 89–90 के बेहद नजदीक पहुंच चुका है।

घरेलू मोर्चे पर भी चुनौतियां कम नहीं हैं। भारत का चालू खाता घाटा (करंट अकाउंट डेफिसिट) कुछ तिमाहियों में GDP के 1.5–2 प्रतिशत के आसपास बना हुआ है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPI) की लगातार निकासी भी रुपये को कमजोर करती है। जब विदेशी निवेशक भारतीय शेयर और बॉन्ड बाजार से पैसा निकालते हैं, तो डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपया दबाव में आ जाता है। इसके अलावा भारत में महंगाई का स्तर, सरकारी उधारी, व्यापार घाटा और आयात-निर्भरता भी रुपये के कमजोर होने में योगदान देते हैं।

रुपये की कमजोरी का सबसे पहला और सीधा असर महंगाई पर पड़ता है। भारत जो भी पेट्रोलियम उत्पाद, गैस, कोयला, खाद्य तेल, उर्वरक, इलेक्ट्रॉनिक्स और दवाओं के कच्चे माल का आयात करता है, वे सभी डॉलर में भुगतान होते हैं। जब डॉलर महंगा होता है, तो देश के भीतर इन वस्तुओं की कीमतें बढ़ती हैं। केवल पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर ही नहीं, बल्कि ट्रांसपोर्ट, दवाइयों, खाद्यान्न और रोजमर्रा की वस्तुओं पर भी इसका असर पड़ता है। अनुमान है कि रुपये में 5 प्रतिशत की गिरावट से थोक महंगाई में लगभग 0.8–1 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हो सकती है। इसका बोझ अंततः आम लोगों पर पड़ता है, जिसकी आय तो स्थिर रहती है, लेकिन खर्च बढ़ता जाता है।

कमजोर रुपया पूरी तरह नकारात्मक भी नहीं है। निर्यात क्षेत्र के लिए कमजोर मुद्रा कई बार वरदान साबित होती है। आईटी सेवाएं, फार्मास्यूटिकल्स, टेक्सटाइल, ऑटो पार्ट्स, केमिकल्स और इंजीनियरिंग गुड्स जैसे क्षेत्रों को कमजोर रुपये से प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलती है। इन क्षेत्रों की डॉलर में होने वाली कमाई रुपये में बदलने पर ज्यादा हो जाती है, जिससे उनके मुनाफे बढ़ते हैं। भारत का कुल निर्यात अब 770 अरब डॉलर के आसपास पहुंच चुका है। इसमें सेवा निर्यात की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। कमजोर रुपया निर्यातकों के लिए अल्पकालिक लाभ जरूर देता है, लेकिन मुद्रा बार-बार अस्थिर हो तो लंबी अवधि में निवेश और योजना पर नकारात्मक असर पड़ता है।

उद्योगों पर रुपये की गिरावट का असर दोहरा होता है। जो कंपनियां आयातित कच्चे माल पर निर्भर हैं, जैसे- पेट्रोकेमिकल, पॉवर, एविएशन, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबाइल, उनकी लागत तेजी से बढ़ती है। उदाहरण के लिए एविएशन सेक्टर में ईंधन लागत कुल खर्च का 40–45 प्रतिशत होती है। जब डॉलर महंगा होता है, तो एयर टर्बाइन फ्यूल महंगा हो जाता है और टिकट दरों पर दबाव बढ़ता है। वहीं दूसरी ओर आईटी, फार्मा और एक्सपोर्ट-ओरिएंटेड कंपनियों को कमजोर रुपये से फायदा होता है। इस असमान असर के कारण शेयर बाजार में भी सेक्टर-वार उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है।

आम उपभोक्ता के नजरिए से देखा जाए तो कमजोर रुपया जीवन को और महंगा बनाता है। मोबाइल, लैपटॉप, इलेक्ट्रॉनिक सामान, मेडिकल उपकरण, विदेशी शिक्षा, विदेश यात्रा और आयातित खाद्य पदार्थ सब कुछ महंगा हो जाता है। विदेश में पढ़ने वाले छात्रों को अब पहले से कहीं ज्यादा रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं, क्योंकि डॉलर में ट्यूशन फीस और रहन-सहन का खर्च सीधे बढ़ जाता है। इसी तरह विदेश यात्रा भी आम आदमी की पहुंच से और दूर होती जा रही है।

सोशल फोरम

शिक्षा के नाम पर कैसा समाज बना रहे हैं हम

गोरखपुर में नर्सरी में पढ़ने वाली एक बच्ची जब स्कूल जा रही थी, तो उसने पापा से ज़िद की कि उसे डीएम साहब से मिलना है। वो अपने पापा को लेकर डीएम ऑफिस पहुंच गई और वहां जाकर उसने डीएम से कहा कि मुझे आपकी तरह डीएम बनना है। इस घटना से भावुक 'स्कूली शिक्षित' लोग भाव-विभोर होकर वाह-वाह कर रहे हैं, क्योंकि इन सबके घरों का यही माहौल होता है। बच्चों को डीएम, डॉक्टर, इंजीनियर बनाने का इनका सपना होता है और इसे ये शिक्षा बोलते हैं।

सिद्धार्थ ताबिश

लेखक

जब डीएम ने उस बच्ची से पूछा कि तुम्हें मेरे जैसा क्यों बनना है? तो उसने कहा कि 'घर में सब लोग मुझे कहते हैं कि तुम्हें डीएम बनना है।' ये घर का माहौल है, जो नर्सरी की बच्ची को डीएम बनने को बोल रहा है। अब अगर आगे चलकर इस बच्ची को समझ आ गई और वो अपने दिमाग से चलने और सोचने लगेगी और कहीं वो ये निर्णय कर बैठी कि उसे बस 'बांसुरी' बजाना है जीवन में, तो इन घर वालों का दिल टूट जाएगा। इनके सपने टूट जाएंगे। ये दूसरों से कहेंगे कि हमने क्या-क्या सपना देखा था, मगर इसने सब चकनाचूर कर दिया। बचपन में कितनी समझदार थी कि डीएम से मिलने पहुंच गई थी। पेपर में भी इसका नाम आ गया था।

आप के घरों में जो माहौल होता है, बच्चे वही करते हैं। आपको लगता है कि आप अपने बच्चों पर कोई दबाव नहीं बनाते हैं, मगर आप ने ऐसा भयंकर मनोवैज्ञानिक दबाव बचपन से बना रखा होता है कि आपके बच्चे आपके अपने 'सपनों' और आपकी अपनी 'महत्वाकांक्षाओं' से अलग कुछ सोच नहीं पाते हैं। वो बेचारे ये समझते हैं कि उन्हें डॉक्टर बनना है, जबकि ये उनका नहीं आपका सपना होता है।

सोचिए कोई क्यों डॉक्टर बनना चाहेगा? 24 घंटे मरीज़ से घिरे रहना, बीमारी, गंदगी, उल्टी, मवाद, गू-मूत्र इत्यादि देखना और उसी में जीवन बिताना। आपके आस-पास कभी कोई स्वस्थ औरा बन ही नहीं पाता है। जिस अस्पताल में लोग जाने से घबराते हैं और दुआ करते हैं कि भगवान उन्हें कभी अस्पताल न पहुंचाएं, वहां आपको 24 घंटे और सारी उम्र रहना है। ये कोई ड्रीम जॉब है? ये कुछ ऐसा है, जिसे करने की लालसा किसी के मन में 'प्राकृतिक' रूप से जन्म ले? नहीं, प्राकृतिक रूप से आप के भीतर डॉक्टर बनने की चाहत कभी नहीं आती है। **–फेसबुक वाल से**

सामयिकी

असम में 'मियां मुस्लिम' बेदखली अभियान

असम की भाजपा सरकार घुसपैठियों को नियंत्रित करने के लिए 'मियां मुस्लिम' बेदखली अभियान चला रही है। 'मियां मुस्लिम' उन लोगों को कहा जाता है, जो बाग्लादेशी मूल के हैं और अवैध रूप से भारत में आकर बसे हुए हैं। इस तरह के लोगों को अन्य नाम से भी पुकारा जाता है, पहचान किया जाता है। अन्य नामों में बांग्लादेशी, रोहिंग्या शामिल है। खासकर असम में 'मियां मुस्लिम' एक अपमानजनक नाम और पहचान है। 'मियां मुस्लिम' समूह पर आरोप है कि इन लोगों ने बांग्लादेश, म्यांमार और पाकिस्तान से आकर असम की डेमोग्राफी को बदला है। सरकारी जमीन पर कब्जा किया है। जंगलों का सफाया किया है। पहाड़ों को तोड़ा है।

आमतौर पर यह धारणा असम के अंदर मजबूत है और इसी के ईद-गिर्द असम की राजनीति भी घूमती-फिरती है। सतारूढ़ दल की भी सोच यही है। सत्तारूढ़ दल, जहां 'मियां मुस्लिम' बेदखली अभियान से लाभार्थी होने की रणनीतियां बनाता है, वहीं विपक्ष कांग्रेस और अन्य मुस्लिम राजनीतिक पार्टियां 'मियां मुस्लिम' बेदखली अभियान को मुसलमानों को अपमानित करने और मुसलमानों को प्रताड़ित करने के साथ ही साथ उन्हें घर-बार से वंचित करने के तौर पर देखता है। इससे अपना जनाधार विकसित करता है। यह कहना कि फायदे की राजनीति, तनाव की राजनीति, नफरत की राजनीति सिर्फ सत्ताधारी पार्टी भाजपा ही करती है, पूरी तरह से सच नहीं है।

आचार्य श्रीहरि

लेखक

रोहिंग्याओं और बांग्लादेशियों को संरक्षण देकर बसाने और रोजगार उपलब्ध कराकर अपना जनाधार संरक्षित करने का काम कांग्रेस और मुस्लिम पार्टियां भी करती हैं, लेकिन सच को दबाया नहीं जा सकता है। छुपाया नहीं जा सकता है। रोहिंग्या और बांग्लादेशियों की अवैध घुसपैठ एक सच है, जो प्रमाणित है। अवैध घुसपैठ के कारण न सिर्फ असम की डेमोग्राफी बदली है, खतरनाक हुई है, हिंसक हुई है, बल्कि देश के अन्य भागों में इसकी एक झलक देखने को मिलती है। रोहिंग्याओं और बांग्लादेशियों की अवैध घुसपैठ को राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रतीक और सनातन संहार का विषय और कारण मान लिया गया है।

एलानिया तौर पर असम में 'मियां मुस्लिम' बेदखली अभियान जोरों पर है। इसको लेकर असम की भाजपा सरकार भी गंभीर है और सक्रिय है तथा आक्रामक है। असम भाजपा सरकार कोई कोताही बरतने के लिए तैयार नहीं है। अभियान को जोरशोर से चलाया जा रहा है। अभी तक हजारों घरों को तोड़ा गया है। उस पर बुलडोजर चला दिया गया है। खेती की जमीन पर अतिक्रमण हटा दिया गया है। बुलडोजर चलने का आधार यह है कि सरकारी जमीन है, जिस पर अवैध कब्जा है। सरकारी जमीन पर कभी जंगल था, सरकारी जमीन पर कभी पहाड़ था, कभी पेड़-पौधे थे, जिसे काटकर घर बनाए गए और खेती के लिए जमीन बनाई गई।

अगले वर्ष असम में चुनाव हैं। चुनाव के दृष्टिकोण से ही बेदखली अभियान प्रभावी है। भाजपा का आरोप है कि 'मियां मुस्लिम' ग्रेटर राज के लिए घुसपैठ जारी है। हिंदुओं को बलपूर्वक भयभीत किया जा रहा है और उन्हें अपने मूल स्थान से भागने के लिए विवश किया जा रहा है। असम के कई जिले देखते-देखते मुस्लिम बहुल हो गए। कई विधान सभा क्षेत्र मुस्लिम बहुल हो गए, जहां पर मुस्लिम उम्मीदवार की ही जीत अनिवार्य हो गई है। असम में मुसलमानों की एक नयी पार्टी भी बन गई है, जो न केवल प्रभावी है बल्कि अपना दखल भी विशेष रखती है। असम यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट नाम की मुस्लिम पार्टी पर विदेशी घुसपैठियों को संरक्षण देने के आरोप लगते रहे हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***

0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

आउटिंग के लिए हमेशा बड़ी गाड़ियों की जरूरत होती है। अगर आप एडवेंचर पसंद हैं और आपको पहाड़ों पर जाना पसंद है तो आपके लिए मार्केट में कई गाड़ियां हैं। हर गाड़ी की अपनी खूबियां हैं। अहम है आपकी जरूरत और पंसद कैसी है। यह गाड़ियां ऐसी हैं, जिनमें फैमिली के साथ सुहाने सफर पर निकला जा सकता है। हम यहां बात करेंगे महिंद्रा थार रॉक्स, मारुति सुजुकी जिम्नी और फोर्स गुरखा 5-डोर की। जानिए कौन सी एसयूवी है, फैमिली और एडवेंचर दोनों के लिए बेस्ट।

Thar Roxx वर्सेज Jimny Vs Gurkha 5-Door

मार्केट में कई ऑफ-रोड एसयूवी आ गई हैं। सभी बहुत खूबसूरत और जबरदस्त हैं। ताकतवर इंजन, स्टाइलिश लुक के साथ ही इनमें बेहतरीन फीचर्स भी हैं। महिंद्रा थार रॉक्स, मारुति सुजुकी जिम्नी और फोर्स गुरखा 5-डोर- तीनों ही दमदार इरादों के साथ मार्केट में हैं। इनमें से कोई बेहतरीन टेक्नोलॉजी के साथ मैदान में है, तो कोई दमदार परफार्मेंस के साथ तो कोई हल्के वजन और अपनी सादगी के साथ लुभा रही है। सबसे अहम बात यह है कि आपकी जरूरत कैसी है और जंगल व पहाड़ पर एडवेंचर टूर के लिए आप किसको पसंद करते हैं।

कौन है ऑफ रोडर सुल्तान

बात फैमिली के साथ सफर की

अगर बात रियर सीट की करें, तो थार रॉक्स इन सबमें बेहतर है। इसमें पैरों के लिए काफी जगह है। एडजस्टेबल बैकरेस्ट है। साथ ही पैनोरमिक सनरूफ फैमिली इस्तेमाल को आसान बनाते हैं। जिम्नी चार-सीटर है और पीछे बैठने वालों को सीमित जगह से समझौता करना पड़ सकत है। गुरखा की खासियत इसका तीसरा रो है, लेकिन वहां पहुंचना और सामान के साथ इस्तेमाल करना उतना आसान नहीं लगता है।

ऑफ-रोड पर दमदारी किसकी

तीनों ही एसयूवी का बेस ऑफ-रोडर है। लैडर-फ्रेम चेसिस और लो-रेंज गियरिंग इनकी खूबरियां हैं। जिम्नी की खूबी उसका छोटा आकार और हल्का वजन है। बिना डिफरेंशियल लॉक के भी अगर सही लाइन पकड़ ली जाए तो जिम्नी मुश्किल रास्तों से भी आसानी से निकल जाती है। गुरखा 5-डोर- जैसा इसका नाम है वैसा ही इसका काम है। यह देसी, रॉ और मैकेनिकल फील देता है। फ्रंट और रियर डिफ लॉक इसकी खूबी है, जो कठिन हालात में बड़े काम के साबित होते हैं। थार रॉक्स की अपनी विशेषताएं हैं। इलेक्ट्रॉनिक रियर डिफ लॉक, हल्का इलेक्ट्रिक स्टीयरिंग और बेहतरीन कंट्रोल इसकी तकनीकी खूबियां हैं जो इसे ताकत भी देते हैं। लंबा व्हीलबेस होने के बावजूद ऑफ-रोड क्षमता में कोई कमी फील नहीं होती है।

लुक और रोड प्रेजेंस

जिम्नी सबसे कॉम्पैक्ट है। इसे शहर में चलाना आसान है। गुरखा 5-डोर ऊंचाई और बॉक्सी डिजाइन के कारण रोड पर काफी भारी-भरकम दिखती है- स्नॉर्कल और रूफ रैक इसे एडवेंचर रेडी बनाते हैं। जहां तक थार रॉक्स की बात है तो स्टाइल और साइज की इसकी बात दीगर है। केबिन में कदम रखते ही इसका प्रीमियम एहसास अलग फील कराता है। बड़ा टचस्क्रीन, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट्स अच्छा एहसास करता हैं। गुरखा का इंटीरियर अभी भी बेसिक सा ही है।

इंजन की दमदारी

जिम्नी का पेट्रोल इंजन काफी बेहतर है, लेकिन हाईवे पर इसका जोश थोड़ा कम सा फील कराता है। गुरखा में नया डीजल इंजन है, जो पहले से कहीं बेहतर है। थार रॉक्स का डीजल इंजन काफी बेहतर है। ताकत, रिस्पॉन्स और गियर बॉक्स का तालमेल शहर, हाईवे और ऑफ-रोड- तीनों जगह बेहतर परफार्मेंस देता है। इसकी स्टीयरिंग भी ज्यादा आधुनिक और हल्की है।

सेफ्टी और कीमत

सेफ्टी फीचर्स में थार रॉक्स काफी बेहतर है। इसमें छह एयरबैग हैं। साथ ही स्टेबिलिटी कंट्रोल के साथ-साथ एडीएएस जैसी आधुनिक तकनीक इसे ज्यादा भरोसेमंद बनाती है। जिम्नी और गुरखा यहां थोड़ा लिमिटेड लगती है। अगर कीमत का आकलन करें तो जिम्नी सबसे सस्ती है। गुरखा बीच में और थार रॉक्स सबसे महंगी साबित होगी। तीनों की कीमत, फीचर्स, लुक, दमदार इंजन के साथ ही आपकी पसंद तय करेगी कि आपके लिए बेहतर क्या है?

मॉय फर्स्ट राइड

चार पहियों पर आत्मविश्वास की शुरुआत

मेरे लिए पहली बार कार चलाना सिर्फ़ एक नया हुनर सीखना नहीं था, बल्कि अपने डर पर जीत पाने की एक बड़ी कोशिश थी। आज भी उस दिन को याद करती हूं, तो दिल में हल्की-सी घबराहट और ढेर सारी खुशी एक साथ महसूस होती है। मैंने कार चलाना सीखने का फैसला बहुत सोच-समझकर लिया था। मन में कई सवाल थे-क्या मैं ठीक से चला पाउंगी? कहीं गलती हो गई तो? घरवाले और समाज की बातें भी अक्सर कानों में गूंजती थीं कि "महिलाओं के लिए ड्राइविंग मुश्किल होती है।" लेकिन कहीं न कहीं मेरे भीतर यह इच्छा ज़रूर थी कि मैं खुद स्टीयरिंग संभालूं और अपनी राह खुद तय करूं। जिस दिन पहली बार ड्राइविंग सीट पर बैठी, हाथ अपने आप कांप रहे थे। स्टीयरिंग पकड़ते ही उसकी ठंडक हथेलियों तक उतर आई। सामने फैला हुआ डैशबोर्ड, शीशों में दिखती सड़क और पैरों के नीचे क्लच-ब्रेक-सब कुछ नया और थोड़ा डरावना लग रहा था। ट्रेनर ने शांत आवाज में कहा, "डरने की ज़रूरत नहीं, आराम से।"

मैंने गहरी सांस ली और खुद को संभाला। जैसे ही इंजन स्टार्ट किया, दिल जोर-जोर से धड़कने लगा। पहली बार एक्सीलेरेटर दबाते समय ऐसा लगा मानो पूरी दुनिया मुझे देख रही हो।

कार धीरे-धीरे आगे बढ़ी और उसी पल मेरे भीतर कुछ बदल गया। डर अभी भी था, लेकिन उसके साथ एक अजीब-सी खुशी भी जुड़ गई थी। हर गियर बदलने पर आत्मविश्वास थोड़ा-थोड़ा बढ़ रहा था। सड़क पर निकलते ही मैंने शीशे में खुद को देखा। आंखों में डर के साथ-साथ गर्व भी था। मोड़ लेते समय हाथ सख्त हो जाते थे, लेकिन जैसे-जैसे कार मेरी पकड़ में आ रही थी, मन हल्का होता जा रहा था। हवा खिड़की से अंदर आ रही थी और मुझे एहसास हो रहा था कि मैं सिर्फ कार नहीं चला रही, बल्कि अपनी सीमाओं को भी पीछे छोड़ रही हूं।

एक बार कार हल्की-सी झटकी और मैं घबरा गई, लेकिन प्रशिक्षक की मुस्कान और हौसला देखकर फिर से संभल गई। उस छोटी-सी गलती ने मुझे सिखाया कि सीखने की प्रक्रिया में डर और गलतियां दोनों जरूरी हैं। जब ड्राइव खत्म हुई और मैंने कार रोकी, तो दिल से एक लंबी राहत की सांस निकली। चेहरे पर अपने आप मुस्कान आ गई। वह पल मेरे लिए बेहद खास था। पहली बार कार चलाकर मुझे यह एहसास हुआ कि आत्मनिर्भरता कितनी ताकत देती है। आज मैं जब भी कार चलाती हूं, उस पहले दिन को याद करती हूं। वह अनुभव मुझे हर बार याद दिलाता है कि अगर हिम्मत की स्टीयरिंग अपने हाथ में ले ली जाए, तो जिंदगी की कोई भी सड़क मुश्किल नहीं लगती।

-प्रो. प्रीती अभिषेक विमल, नई दिल्ली

नए ड्राइवरों के लिए सुरक्षित ड्राइविंग टिप्स

आज के समय में गाड़ी चलाना केवल एक तकनीकी कौशल नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। खासकर नए ड्राइवरों के लिए सड़क पर उतरना उत्साह के साथ-साथ सतर्कता की मांग करता है। ट्रैफिक नियमों की सही समझ, वाहन पर नियंत्रण और धैर्यपूर्ण व्यवहार ही सुरक्षित ड्राइविंग की बुनियाद होते हैं। अक्सर शुरुआती ड्राइवर जल्दबाजी या आत्मविश्वास की कमी के कारण गलतियां कर बैठते हैं, जो दुर्घटनाओं का कारण बन सकती हैं। ऐसे में यह गाइड नए ड्राइवरों को न केवल सुरक्षित ड्राइविंग के आवश्यक नियम सिखाता है, बल्कि उन्हें जिम्मेदार और समझदार चालक बनने की दिशा भी दिखाता है। आइए आपको बताते हैं सुरक्षित आसान टिप्स-

सुरक्षा, समझ और संयम से बनें बेहतर ड्राइवर

आज के तेज रफ्तार दौर में गाड़ी चलाना केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है। खासकर नए ड्राइवरों के लिए ड्राइविंग सीखना उत्साह और थोड़ी घबराहट दोनों का मेल होता है। सड़क पर आत्मविश्वास तभी आता है, जब नियमों की समझ, सही अभ्यास और धैर्य साथ हों। यह गाइड नए ड्राइवरों को सुरक्षित, संतुलित और जिम्मेदार चालक बनने में मदद करेगा।

ड्राइविंग से पहले सही तैयारी

ड्राइविंग शुरू करने से पहले सीट, स्टीयरिंग और शीशों को अपने शरीर के अनुसार एडजस्ट करना बेहद जरूरी है। सीट इतनी दूरी पर हो कि क्लच, ब्रेक और एक्सीलेरेटर आराम से दब सकें। रियर और साइड मिरर ऐसे सेट हों कि पीछे और बगल की सड़क साफ दिखाई दे। यह छोटी-सी तैयारी बड़ी दुर्घटनाओं से बचा सकती है।

ट्रैफिक नियम: सड़क की भाषा

ट्रैफिक सिग्नल, रोड साइन और लेन सिस्टम सड़क की भाषा होते हैं। नए ड्राइवरों को इन्हें गंभीरता से समझना चाहिए। रेड लाइट पर रुकना, जेब्रा क्रॉसिंग का सम्मान करना और ओवरस्पीडिंग से बचना- ये सभी आदतें आपको एक सभ्य चालक बनाती हैं। सीट बेल्ट लगाना केवल नियम नहीं, बल्कि जीवन रक्षक उपाय है।

क्लच और ब्रेक पर नियंत्रण

शुरुआती ड्राइवर्स के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण काम होता है क्लच कंट्रोल। अचानक क्लच छोड़ना या तेज ब्रेक लगाना गाड़ी को झटके दे सकता है। अभ्यास के साथ धीरे-धीरे क्लच छोड़ना और ब्रेक का संतुलित इस्तेमाल सीखें। स्मूद ड्राइविंग ही सुरक्षित ड्राइविंग की पहचान है।

इंडिकेटर और हॉर्न का शिष्टाचार

मोड़ लेते समय या लेन बदलते वक्त इंडिकेटर देना आपकी जिम्मेदारी है। इससे पीछे और आगे चल रहे ड्राइवर सतर्क रहते हैं। हॉर्न का अनावश्यक इस्तेमाल तनाव और दुर्घटना दोनों बढ़ाता है, इसलिए केवल ज़रूरत पड़ने पर ही हॉर्न बजाएं।

स्पीड पर रखें कंट्रोल

तेज चलाना कौशल नहीं, बल्कि जोखिम है। नई जगहों, ट्रैफिक वाले इलाकों या संकरी सड़कों पर हमेशा धीमी गति रखें। गति नियंत्रण न केवल दुर्घटनाओं से बचाता है, बल्कि ईंधन की भी बचत करता है।

सुरक्षित दूरी का महत्व

आगे चल रही गाड़ी से पर्याप्त दूरी बनाए रखना बहुत जरूरी है। अचानक ब्रेक लगने की स्थिति में यह दूरी आपको प्रतिक्रिया देने का समय देती है। बारिश या धुंध में यह दूरी और बढ़ा देनी चाहिए।

रात की ड्राइविंग में सावधानी

रात में ड्राइव करते समय हाई बीम का गलत इस्तेमाल सामने से आने वाले ड्राइवर के लिए खतरनाक हो सकता है। सामने वाहन होने पर लो बीम का प्रयोग करें और सड़क पर पैदल चलने वालों का विशेष ध्यान रखें।

धैर्य और आत्मविश्वास

शुरुआत में गलती होना सामान्य है। जरूरी है कि आप घबराएं नहीं, जल्दबाज़ी न करें और अनुभव से सीखें। शांत मन और धैर्य ही आपको बेहतर चालक बनाते हैं।

मोबाइल और ड्राइविंग खतरनाक मेल

ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का उपयोग जानलेवा साबित हो सकता है। कॉल या मैसेज के लिए गाड़ी किनारे रोकें। सड़क पर आपकी एकाग्रता ही आपकी सबसे बड़ी सुरक्षा है।

एसएस रिटेल ने आईपीओ के लिए सेबी को दिए दस्तावेज

नई दिल्ली। मोबाइल खुदरा कंपनी एसएस रिटेल ने अपनी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये 500 करोड़ जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास प्रारंभिक दस्तावेज भेजे हैं। कंपनी के दाखिल किए दस्तावेज के अनुसार, कंपनी की पहली सार्वजनिक पेशकश 300 करोड़ के शेयरों के ताजा निर्गम के साथ प्रवर्तकों और अन्य शेयरधारकों द्वारा 200 करोड़ की बिक्री की पेशकश का संयोजन होगी।

अमृत विचार

लखनऊ, सोमवार, 29 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

एनसीएलटी का आदेश एनसीएलएटी ने किया रद्द

नई दिल्ली। कलवर मैक्स एंटरटेनमेंट को राहत देते हुए राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय अधिकरण (एनसीएलएटी) ने ओडिशा स्थित वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी के खिलाफ दायर दिवाला याचिका को खारिज करने वाले राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के आदेश को रद्द कर दिया है। एनसीएलएटी ने मामले को नए सिरे से सुनवाई के लिए एनसीएलटी की कटक पीठ को वापस भेज दिया है। एनसीएलएटी ने कहा कि एनसीएलटी को कम से कम कलवर मैक्स को आवेदन में दोष को सुधारने का अवसर देना चाहिए और कहा कि वर्तमान मामले में अवसर नहीं दिया गया था। इसी वजह से एनसीएलटी का 30 अप्रैल 2024 का आदेश गलत और अवैध माना गया है और उसे रद्द किया जाना चाहिए।

जलपोत परियोजनाओं के दिशानिर्देश जारी

नई दिल्ली। बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय (एमओपीएसडब्ल्यू) ने 44,700 करोड़ से अधिक के परिव्यय के साथ दो प्रमुख जलपोत निर्माण योजनाओं के लिए दिशानिर्देश अधिसूचित किए हैं। आधिकारिक बयान के अनुसार, जहाज निर्माण वित्तीय सहायता योजना (एसबीएफएएस) और जहाज निर्माण विकास योजना (एसबीडीएस) नामक दो पहल का उद्देश्य देश की घरेलू जहाज विनिर्माण क्षमता को मजबूत करना और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करना है। एसबीएफएएस के तहत सरकार जहाज की श्रेणी के आधार पर प्रति जहाज 15-25 प्रतिशत की वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। इस योजना का कुल कोष 24,736 करोड़ रुपये है। एसबीडीएस 19,989 करोड़ रुपये के बजटीय परिव्यय के साथ दीर्घकालिक क्षमता और क्षमता निर्माण पर केंद्रित है।।

रक्षा विनिर्माण में निवेश करेगा अडाणी समूह

नई दिल्ली। अडाणी समूह अगले साल रक्षा विनिर्माण में 1.8 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रहा है। सूत्रों ने बताया कि इसके तहत मानवरहित प्रणालियों और उन्नत हथियारों में क्षमताओं को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने 2025 में लंबी योजना प्रक्रियाओं से आगे बढ़ते हुए त्वरित तैनाती की ओर रुख किया और उसके कुछ सैन्य उपकरणों का उपयोग ऑपरेशन सिंदूर में किया गया। अगले साल कंपनी मानवरहित और स्वायत्त प्रणालियों, उन्नत निर्देशित हथियारों, सेंसर और इलेक्ट्रॉनिक्स, एआई आधारित बहुक्षेत्रीय अभियानों तथा रखरखाव, मरम्मत और प्रशिक्षण के विस्तार में निवेश करेगी।

अमेरिकी शुल्क के बावजूद भारत का निर्यात स्थिर

भारतीय निर्यातकों ने बाजारों का विविधीकरण करके निर्यात की वृद्धि को बनाए रखा मजबूत

- भारत का निर्यात 2020 में 276.5 अरब डॉलर से बढ़कर 2025 में 407 अरब डॉलर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

वर्ष 2025 में अमेरिका ने भारत के निर्यात पर 50% अतिरिक्त शुल्क लगाया, लेकिन भारतीय निर्यातकों ने अपने बाजारों को विविध करके निर्यात वृद्धि को मजबूती से बनाए रखा और यह तेजी 2026 में भी जारी रहने की संभावना है। व्यापार मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, व्यापार पानी की तरह है, यह अपना मार्ग खुद ढूंढ लेता है।

भारतीय वस्तु निर्यात ने कोविड, रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-हमास युद्ध, लाल समुद्र शिपिंग संकट, सेमीकंडक्टर आपूर्ति समस्या और अब अमेरिका के उच्च शुल्क जैसी चुनौतियों के बीच भी तेजी से प्रतिक्रिया दी है। भारत का निर्यात 2020 में लगभग 276.5 अरब डॉलर था, जो 2021 में बढ़कर 395.5 अरब डॉलर और 2022 में 453.3 अरब डॉलर हो गया था। 2023 में यह गिरकर 389.5 अरब डॉलर रहा, लेकिन फिर 2024 में यह 443 अरब डॉलर तक पहुंच गया। वर्ष 2025 (जनवरी-नवंबर) तक इसका आंकड़ा लगभग 407 अरब डॉलर हो चुका है।

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का माल और सेवा निर्यात ऐतिहासिक उच्च स्तर 825.25 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें सालाना आधार पर 6% से अधिक वृद्धि हुई। चालू वित्त वर्ष (अप्रैल-नवंबर 2025) में भी निर्यात 562 अरब डॉलर रहा, जो वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत के लचीलेपन को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान रुझानों के आधार पर 2026 में भी भारत की निर्यात वृद्धि मजबूत रहने की संभावना है। खास तौर पर तीन मुक्त व्यापार समझौते (ब्रिटेन, ओमान और न्यूजीलैंड) अगले साल लागू होने वाले हैं, जो भारतीय वस्तुओं और सेवाओं को बेहतर बाजार पहुंच देंगे। अमेरिका ने 2025 में भारतीय वस्तुओं पर उच्च शुल्क लागू किए। इसके कारण सितंबर और अक्टूबर में अमेरिका के लिए निर्यात प्रभावित हुआ, लेकिन नवंबर 2025 में अमेरिका के लिए निर्यात 22.61 प्रतिशत बढ़कर 6.98 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो निर्यातकों के अनुकूल संकेत है। हालांकि, निर्यातक अभी भी वैश्विक अनिश्चितताओं को लेकर सतर्क हैं। वे अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता और यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौते के जल्द पूरा होने की आशा कर रहे हैं ताकि निर्यात को और मजबूती मिले।

व्यापार तथा विनिर्माण गतिविधियों में कमी के संकेत

विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) ने चेताया है कि 2025 में वैश्विक व्यापार केवल 2.4 प्रतिशत बढ़ सकता है, जबकि 2026 के लिए यह अनुमान घट कर 0.5 प्रतिशत हो गया है, जो विकसित अर्थव्यवस्थाओं में व्यापार तथा विनिर्माण गतिविधियों में कमी का संकेत देता है। सरकार ने निर्यातकों को सहायता देने के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें 25,060 करोड़ रुपये के निर्यात प्रचार मिशन, योग्य निर्यातकों को 20,000 करोड़ रुपये तक बिना गिरवी क्रेडिट सुविधा, कर्ज भुगतान में लंबी अवधि, और नये व्यापार समझौतों (एफटीए) का उपयोग शामिल है, ताकि निर्यातियों को वैश्विक चुनौतियों से निपटने में मदद मिले।

बाजारों के विविधीकरण से आगे बढ़ेगा निर्यात

निर्यात विशेषज्ञों के अनुसार, 2026 में भी भारत का निर्यात बढ़ेगा क्योंकि घरेलू वस्तुओं और सेवाओं की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता, उत्पादों तथा बाजारों का विविधीकरण निर्यात को आगे बढ़ाएगा। विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात लगभग 39 फीसदी बढ़ा है, जो विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के कारण क्षमता निर्माण और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में गहरी हिस्सेदारी को दर्शाता है। इसके अलावा इंजीनियरिंग वस्तु, दवा और वाहन निर्यात भी निरंतर गति बनाए हुए हैं।

बिजली कारोबार शुल्क घटाएगा सीईआरसी

नई दिल्ली, एजेंसी

- दक्षता बढ़ाने, नकदी की मजबूती व एक्सचेंजों में कीमतों को तर्कसंगत बनाने में होगा मददगार
- केंद्रीय आयोग ने जुलाई में दो साल से अधिक समय तक चले विचार-विमर्श के बाद दी थी मंजूरी

केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग बिजली कारोबार एक्सचेंजों पर लगने वाले लेनदेन शुल्क को तर्कसंगत बनाने पर विचार कर रहा है। इस पहल का मकसद बिजली की कीमतों को कम करना है। यह सुधार दक्षता बढ़ाने, नकदी की स्थिति को मजबूत करने और विभिन्न एक्सचेंजों में कीमतों को तर्कसंगत बनाने में मददगार होगा। इस कदम से समय के साथ बिजली खरीदारों के लिए कुल लागत में कमी आ सकती है।

बाजार समेकन को केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग ने इस साल जुलाई में दो साल से अधिक समय तक चले विचार-विमर्श के बाद मंजूरी दी थी। इसे चरणबद्ध तरीके से लागू करने का प्रस्ताव है, जिसकी शुरुआत जनवरी 2026 से की जाएगी। बाजार समेकन का मतलब बिजली की अलग-अलग एक्सचेंजों में होने वाली खरीद-फरोख्त को एक ही प्रणाली में जोड़ देना है, ताकि एक ही कीमत तय हो। एक अधिकारी ने बताया कि सीईआरसी ने दिसंबर 2025 में बिजली एक्सचेंजों द्वारा वसूले जाने वाले लेनदेन शुल्क की समीक्षा पर एक विचार-पत्र को अंतिम रूप दिया है। नाम न बताने की शर्त पर अधिकारी ने कहा कि नियामक यह जांच कर रहा है कि मौजूदा लेनदेन शुल्क ढांचा, जिसकी सीमा प्रति यूनिट दो पैसे है, क्या उस बाजार के लिए सही है, जहां कारोबार की मात्रा तेजी से बढ़ी है और जो एकीकृत मूल्य खोज व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है।

बैंक, वित्तीय संस्थान सतर्कता मामलों की शीघ्र जानकारी दें : वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली, एजेंसी

- कई मामलों की जानकारी के बाद वित्तीय सेवा विभाग की ओर से जारी किया निर्देश

वित्त मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थानों को निर्देश दिया है कि वे अपनी कंपनियों के पूर्णकालिक निदेशकों से जुड़े सतर्कता संबंधी मामलों की जानकारी तुरंत दें। वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले वित्तीय सेवा विभाग ने यह निर्देश ऐसे कई मामलों के बाद जारी किया है, जिनमें बोर्ड स्तर पर नियुक्त किए गए अधिकारियों के बारे में नकारात्मक या समस्याग्रस्त जानकारी समय पर साझा नहीं की गई।

कई मामलों में, ऐसी महत्वपूर्ण नकारात्मक जानकारी जैसे निजी शिकायतें, अदालत के नोटिस या टिप्पणियां, संदर्भ या सीबीआई और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों की जानकारी केवल उस समय साझा की जा रही है जब सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के मुख्य सतर्कता अधिकारियों (सीवीओ) से विशेष रूप से सतर्कता मंजूरी मांगी जाती है। इस माह जारी की गई सलाह में बिना किसी विशेष मामले का जिक्र किए कहा गया कि कुछ मामलों में पूरे समय कार्यरत निदेशकों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी को सतर्कता मंजूरी के फॉर्म में नहीं भरा जाता, इस वजह से कि ऐसे खुलासे के लिए कोई अलग कॉलम मौजूद नहीं है।

सलाह में कहा गया कि किसी भी महत्वपूर्ण जानकारी को छोड़ना, खासकर नियुक्ति, पदोन्नति, बोर्ड स्तर की नियुक्ती और पूरे समय कार्यरत निदेशकों की तैनाती से जुड़ी जानकारी, गंभीर चिंता का विषय है। इसलिए सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों से ऐसी मामलों में सख्त पालन की उम्मीद की जाती है। वित्तीय सेवा विभाग ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों को निर्देश दिया है कि वे बोर्ड स्तर के अधिकारियों के बारे में किसी भी नकारात्मक जानकारी को तुरंत सूचित करें, भले ही वह जानकारी किसी अन्य भूमिका से संबंधित हो।

आर्थिक आंकड़े, विदेशी निवेशक तय करेंगे बाजार की चाल

नई दिल्ली, एजेंसी

इस सप्ताह शेयर बाजार में निवेशकों की धारणा व्यापक आर्थिक आंकड़ों, वैश्विक रुझानों और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों से प्रभावित होगी। विश्लेषकों ने कहा कि वाहन बिक्री के आंकड़ों पर भी करीबी नजर रखी जाएगी। कुछ कारोबारी सत्र ही बाकी रहने से शेयर बाजारों के सीमित दायरे में रहने का अनुमान है, हालांकि रुझान सकारात्मक रह सकता है।

रिलायंस ब्रोकिंग लिमिटेड में वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा कि इस सप्ताह कैलेंडर वर्ष 2026 की शुरुआत होगी, और दिसंबर के वायदा-विकल्प सौदे पूरे होने से अधिक उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। घरेलू स्तर पर जिन प्रमुख आंकड़ों पर नजर रहेगी, उनमें नवंबर का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक और एचएसबीसी विनिर्माण पीएमआई हैं। वैश्विक स्तर पर अमेरिका से जुड़े व्यापक आर्थिक संकेतों पर नजर रखेंगे, जिनमें एफओएमसी बैठक का ब्योरा और फेडरल रिजर्व की बैलेंस शीट से जुड़ी जानकारियां हैं। एनरिच मनी के सीईओ पोन्मुडी आर ने कहा कि कुछ कारोबारी सत्र ही बाकी रहने से इक्विटी बाजारों के सीमित दायरे में रहने का अनुमान है। इस सप्ताह निघरेलू और विदेशी स्तरों पर व्यापक आर्थिक आंकड़ों से प्रभावित होगी।

सात कंपनियों की पूंजी 35,439 करोड़ रुपये घटी

छुट्टियों से छोटे रहे गत सप्ताह में शीर्ष 10 में शामिल सात मूल्यवान कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 35,439.36 करोड़ रुपये घट गया। भारतीय स्टेट बैंक को सबसे अधिक नुकसान हुआ। शीर्ष कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो और भारतीय जीवन बीमा निगम की पूंजी में गिरावट आई। दूसरी ओर एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल और इंफोसिस लाभ में रहे।

फूड डिलीवरी कारोबार को बढ़ावा देंगे ग्राहक अनुभव और मूल्य : स्विगी, मैजिकपिन

नई दिल्ली। ऑनलाइन ऑर्डर लेकर खाने-पीने का सामान पहुंचाने वाली कंपनी मैजिकपिन और स्विगी के अनुसार 2026 में भारत के फूड डिलीवरी कारोबार की वृद्धि ग्राहक अनुभव, गति और मूल्य चेतना से प्रेरित होगी। देश के तीसरे सबसे बड़े खाद्य वितरण मंच मैजिकपिन के सीईओ और संस्थापक अंशू शर्मा का मानना है कि वृद्धि मुख्य रूप से व्यापारियों के और किफायती सेवाओं को पसंद करने वाले ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने से आएगी। प्रवेश बाधाओं को कम करके और व्यापार के संतुलन को टिकाऊ व्यवस्था बनाई जा सकती है।

सुरक्षा मंजूरी, स्पेक्ट्रम आवंटन के बाद शुरू होंगी उपग्रह सेवाएं : सिंधिया

नई दिल्ली, एजेंसी

- केंद्रीय दूरसंचार मंत्री बोले- दूरसंचार विभाग तय करेगा स्पेक्ट्रम की कीमत

केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि उपग्रह संचार (सैटकॉम) सेवाएं देश में तब शुरू की जाएंगी, जब इस क्षेत्र की कंपनियां, जिनमें एलन मस्क के स्वामित्व वाली स्टारलिंक भी शामिल है, सुरक्षा एजेंसियों की मांगों का पालन करेंगी। मंत्री ने कहा कि सरकार जल्द ही सैटकॉम कंपनियों - स्टारलिंक, यूटेलसैट वन और जियो एसजीएस - को स्पेक्ट्रम आवंटित करने की स्थिति में होगी। ऐसा दूरसंचार विभाग (डीओटी) द्वारा स्पेक्ट्रम की कीमत तय करने के बाद किया जाएगा।

सिंधिया ने कहा कि दो मुद्दे हैं, जिनका समाधान करना है। पहला है लाइसेंसधारकों- वनवेब, रिलायंस जियो, और स्टारलिंक- का सुरक्षा मंजूरी से संबंधित अंतर्राष्ट्रीय गेटवे की आवश्यकताओं का पालन करना, जिसमें यह सुनिश्चित करना शामिल है कि डेटा भारत में ही रहे। मंत्री ने कहा कि सरकार ने सुरक्षा एजेंसियों के साथ अनुपालन क्षमता दिखाने के लिए सैटकॉम कंपनियों को अस्थायी रूप से स्पेक्ट्रम भी आवंटित कर दिया है। सिंधिया ने कहा कि वे इस प्रक्रिया में हैं, इसलिए उन्हें अनुपालन करना होगा। उन्होंने बताया कि सरकार स्पेक्ट्रम मूल्य निर्धारण को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है, जिसे दूरसंचार विभाग और दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि यह जल्द ही सुलझ जाएगा।

ट्राई और डीओटी में कई बिंदुओं पर मतभेद

ट्राई और डीओटी के बीच सैटकॉम सेवाओं के लिए स्पेक्ट्रम को लेकर कई बिंदुओं पर मतभेद हैं। वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) द्वारा मांगी गई राहत के बारे में मंत्री ने कहा कि डीओटी अब भी इस पर काम कर रहा है। सिंधिया ने कहा कि हम इस पर विचार कर रहे हैं। वीआईएल ने डीओटी को भेजे एक पत्र में कहा था कि उसकी सरकार के प्रति देनदारियां लगभग दो लाख करोड़ रुपये हैं, जिसमें से 1.19 लाख करोड़ रुपये की स्पेक्ट्रम देनदारियां हैं। कंपनी ने कहा था कि अगर कोई समर्थन नहीं मिला तो स्पेक्ट्रम देनदारियों की वसूली नहीं हो पाएगी। साथ ही 53,083 करोड़ का इक्विटी मूल्य शून्य हो जाएगा और केंद्र सरकार को भारी वित्तीय नुकसान होगा।

कोल इंडिया के कामकाज को मजबूत करेगा पीएमओ

नई दिल्ली, एजेंसी

- कोल इंडिया की सभी अनुषंगी कंपनियों को 2030 तक सूचीबद्ध होने का निर्देश जारी

कॉरपोरेट प्रशासन और जवाबदेही में सुधार के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने कोयला मंत्रालय को निर्देश दिया है कि वह सरकारी कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की सभी अनुषंगी कंपनियों को 2030 तक शेयर बाजार में सूचीबद्ध कराए। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस कदम का मकसद सीआईएल में प्रशासन को सुव्यवस्थित करना, पारदर्शिता बढ़ाना और परिसंपत्ति मौद्रिकरण के जरिए मूल्य सृजन करना है। कोल इंडिया लिमिटेड देश के कुल घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक का योगदान देती है।

उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार कोल इंडिया की सभी अनुषंगी कंपनियों को 2030 तक सूचीबद्ध करने की योजना है। उन्होंने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि कंपनी के कामकाज को मजबूत बनाने के लिए यह निर्देश सीधे पीएमओ की ओर से दिया गया है। कोल इंडिया अपनी आठ अनुषंगी कंपनियों के माध्यम से परिचालन करती है, जिनमें ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड, वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड और सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड शामिल हैं।

भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) और सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड को मार्च 2026 तक शेयर बाजार में सूचीबद्ध होना है, जिसकी तैयारियां कर ली गई हैं। बीसीसीएल के घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय रोडशो भी हो चुके हैं। कोकिंग कोल को सूचीबद्ध करने की प्रक्रिया चल रही है।

सेवा क्षेत्र

आर्थिक विकास का अहम पहिया

सेवा, अतिथि-सत्कार और अनुभवों पर आधारित एक महत्वपूर्ण उद्योग है सेवा क्षेत्र। इसमें होटल, रेस्टोरेंट, रिसॉर्ट, ट्रैवल, पर्यटन, कैटरिंग और इवेंट मैनेजमेंट जैसी सेवाएं होती हैं। इस सेक्टर का मुख्य उद्देश्य ग्राहकों को आरामदायक, सुरक्षित और यादगार अनुभव प्रदान करना है। अतिथि देवो भव : की भावना भारतीय सेवा क्षेत्र की पहचान रही है, जिसने इसे वैश्विक स्तर पर एक अलग स्थान दिलाया है। बढ़ती आय, शहरीकरण, पर्यटन और डिजिटल बुकिंग प्लेटफॉर्म्स के विकास ने इस क्षेत्र को तेजी से आगे बढ़ाया है। रोजगार सृजन, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और आर्थिक विकास में सेवा क्षेत्र की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है।

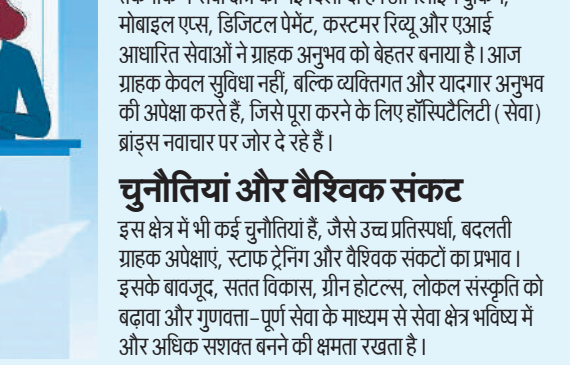

संस्कृति, परंपरा और आधुनिकता का मिश्रण

सेवा क्षेत्र विश्व की सबसे तेजी से बढ़ते उद्योगों में से एक है। यह केवल भोजन और आवास तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्राहकों को संपूर्ण अनुभव देने पर केंद्रित है। होटल, रेस्टोरेंट, एयरलाइंस, ट्रैवल एजेंसियां, क्रूज, रिसॉर्ट और इवेंट मैनेजमेंट कंपनियां इस क्षेत्र के प्रमुख घटक हैं। भारत जैसे विविधता-पूर्ण देश में यह उद्योग संस्कृति, परंपरा और आधुनिकता का सुंदर मिश्रण प्रस्तुत करता है।

आधारभूत संरचना ने भी दी मजबूती

भारत में सेवा क्षेत्र का पर्यटन उद्योग से गहरा संबंध है। देश में ऐतिहासिक धरोहरें, धार्मिक स्थल, प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक उत्सव पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इसके परिणामस्वरूप होटल, होम-स्टे, गेस्ट हाउस और रेस्टोरेंट्स की मांग लगातार बढ़ रही है। सरकार की अतुल्य भारत जैसी योजनाओं और आधारभूत संरचना के विकास ने भी इस क्षेत्र को मजबूती दी है।

रोजगार सृजन का इंजन

रोजगार के अवसरों के लिहाज से सेवा क्षेत्र अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। यह कुशल और अर्ध-कुशल दोनों प्रकार के कर्मचारियों को अवसर प्रदान करता है, जैसे शेफ, फ्रंट-ऑफिस स्टाफ, हाउसकीपिंग, टूर गाइड, मैनेजर और कस्टमर-केयर प्रोफेशनल्स। इसके अलावा, यह महिला रोजगार और युवाओं के कौशल विकास में भी सहायक है। वही यह नए रोजगार के सृजन में भी अपनी अहम भूमिका निभा रहा है।

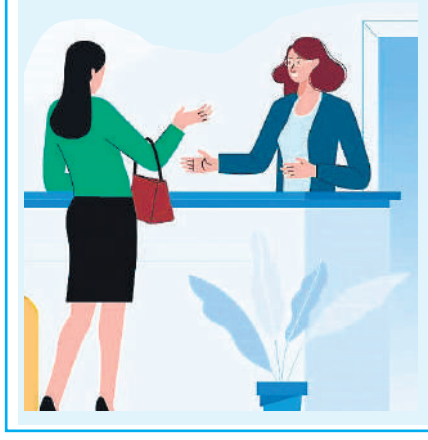

नवाचार पर जोर

तकनीक ने सेवा क्षेत्र को नई दिशा दी है। ऑनलाइन बुकिंग, मोबाइल एप्स, डिजिटल पेमेंट, कस्टमर रिव्यू और एआई आधारित सेवाओं ने ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाया है। आज ग्राहक केवल सुविधा नहीं, बल्कि व्यक्तिगत और यादगार अनुभव की अपेक्षा करते हैं, जिसे पूरा करने के लिए हॉस्पिटैलिटी (सेवा) ब्रांड्स नवाचार पर जोर दे रहे हैं।

चुनौतियां और वैश्विक संकट

इस क्षेत्र में भी कई चुनौतियां हैं, जैसे उच्च प्रतिस्पर्धा, बदलती ग्राहक अपेक्षाएं, स्टाफ ट्रेनिंग और वैश्विक संकटों का प्रभाव। इसके बावजूद, सतत विकास, ग्रीन होटल्स, लोकल संस्कृति को बढ़ावा और गुणवत्ता-पूर्ण सेवा के माध्यम से सेवा क्षेत्र भविष्य में और अधिक सशक्त बनने की क्षमता रखता है।

सुझाव

कम राशि के साथ निवेश, कम लेन-देन शुल्क के साथ उच्च तरलता यानी भुनाने की सुविधा

सोना, चांदी में निवेश के लिए एक्सचेंज ट्रेडेड फंड बेहतर विकल्प

नई दिल्ली, एजेंसी

ईटीएफ गोल्ड- सिल्वर अब तक का सबसे अच्छा निवेश विकल्प

आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स लि. के निदेशक (जिंस और मुद्रा) नवीन माथुर ने कहा कि उपलब्ध विभिन्न निवेश विकल्पों में से, गोल्ड/सिल्वर ईटीएफ अब तक का सबसे अच्छा निवेश विकल्प है। इसका कारण निवेश के लिए उपलब्ध कम मूल्यवर्ग की इकाइयों, रखरखाव की कोई लागत न होने, अंतर्निहित ईटीएफ के माध्यम से शुद्धता की गारंटी, उच्च तरलता और कम लेनदेन लागत जैसे लाभ हैं। गोल्ड/ सिल्वर ईटीएफ निवेश फंड हैं जिनका शेयर बाजारों में शेयरों की तरह कारोबार होता है। इसमें भौतिक रूप से सोना या चांदी खरीदे बिना कीमती धातुओं में निवेश किया जा सकता है। वे भौतिक रूप से सर्राफा (सोना/चांदी) या संबंधित परिसंपत्तियों को रखते हैं और उनकी कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव पर नजर रखते हैं।

कीमतों में रिकॉर्ड तेजी के साथ निवेशकों के सोना, चांदी में निवेश के लिए आकर्षित होने के बीच विशेषज्ञों का कहना है कि उपलब्ध विभिन्न निवेश विकल्पों में गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड) एक बेहतर विकल्प है। इसका कारण कम राशि के साथ सोना, चांदी में निवेश, उसके रखरखाव को लेकर कोई झंझट नहीं और कम लेन-देन शुल्क के साथ उच्च तरलता यानी भुनाने की सुविधा है। भौतिक रूप से निवेश के लिए सोने/चांदी के सिक्के/बिस्कुट बेहतर है। चूंकि आभूषण खरीदने में उसे बनाने के शुल्क का भुगतान करना होता है, वह बेहतर विकल्प नहीं है।

उल्लेखनीय है कि इस साल अबतक सोने में 82 प्रतिशत जबकि चांदी में 175 प्रतिशत की तेजी आई है। मल्टीकमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में सोना एक जनवरी को 76,772 रुपये प्रति 10 ग्राम था जो 26 दिसंबर को 1,39,890 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। वहीं चांदी एक जनवरी को 87,300 रुपये प्रति किलो थी, जो 26 दिसंबर को बढ़कर 2,40,300 रुपये प्रति किलो पहुंच गयी है।

निवेश के विकल्पों के बारे में मेहता इक्विटीज लि. के उपाध्यक्ष (जिंस) राहुल कलंत्री ने कहा कि मूल्यवान धातु में निवेश के लिए उपलब्ध विभिन्न विकल्पों में गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ बेहतर विकल्प है। इसका कारण यह सोना या चांदी को रखने की समस्या के बिना निवेश करने का एक आसान तरीका है। साथ ही यह अत्यधिक तरलता प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि जब सोना या चांदी में निवेश की बात करते हैं, तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप इसे किस रूप में रखते हैं। यह मूल रूप से आपके ज्ञान और खरीद के सबसे सुविधाजनक साधनों पर निर्भर करता है। अंततः, प्रत्येक व्यक्ति की पसंद उसके व्यक्तिगत लक्ष्यों, उपयोग की आवश्यकताओं और निवेश में बने रहने की अवधि के आधार पर अलग-अलग होगी।

आभूषण बेहतर विकल्प नहीं

प्रत्येक विकल्प के फायदे और नुकसान हैं, इसलिए यह आकलन करना महत्वपूर्ण है कि कौन सा विकल्प लक्ष्यों के अनुकूल है। कलंत्री ने कहा कि आप भौतिक रूप से धातु को महत्व देते हैं, सोने और चांदी के सिक्के बेहतर हैं। लेकिन रखरखाव, बीमा लागत और कम तरलता यानी भुनाने की समस्या शामिल होती है। चूंकि आभूषण खरीदने में उसे बनाने के शुल्क का भुगतान करना होता है, वह बेहतर विकल्प नहीं है।

जरदारी बोले, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मुझे बंकर में छिपने की मिली थी सलाह

● एक कार्यक्रम में पाकिस्तानी राष्ट्रपति ने किया खुलासा

लाहौर, एजेंसी

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने खुलासा किया है कि उन्हें इस साल मई में भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बंकर में छिपने की सलाह दी गई थी। जरदारी ने यह खुलासा अपनी पत्नी और पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की 18वीं पुण्यतिथि के मौके पर सिंध प्रांत के लरकाना में एक कार्यक्रम में किया।

सत्ताईस दिसंबर 2007 को रावलपिंडी में बेनजीर भुट्टो की हत्या कर दी गई थई। उन्होंने कहा कि मेरे एमएस (सैन्य सचिव) मेरे पास आए और कहा कि सर, युद्ध शुरू हो गया है हमें एक बंकर में चले जाना चाहिए ... मैंने कहा कि अगर शहादत आनी है, तो यहीं आएगी। नेता बंकरों में नहीं मरते। वे युद्धभूमि में मरते हैं।

भारत ने सात मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादियों के ठिकानों को निशाना बनाया था।

नूर खान वायुसेना अड्डे पर हुआ था हमला

पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री इशाक डार ने कबूल किया है कि भारत ने 10 मई की सुबह नूर खान वायुसेना अड्डे पर हमला किया था। यह दोनों देशों के बीच चार दिनों तक चले सशस्त्र संघर्ष के आठ महीने बाद संभवत: पहली बार है जब पाकिस्तान ने यह स्वीकार किया है। डार ने यह भी कहा कि मई में हुए संघर्ष के दौरान इस्लामाबाद ने पाकिस्तान और भारत के बीच मध्यस्थता का अनुरोध नहीं किया था। दावा किया कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान ने भारत से बात करने की इच्छा व्यक्त की थी। पहलगाम हमले में 26 नागरिकों के मारे जाने के प्रतिशोध में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया।

मजबूत हुई सीमा की निगरानी और सुरक्षा

आधुनिक युद्ध और सुरक्षा व्यवस्था में ड्रोन और टोही विमानों का महत्व बढ़ गया है। क्योंकि यह विमान सीमाओं की निगरानी, इलाके की रेकी और खुफिया जानकारी जुटाने जैसे कामों में बहुत उपयोगी साबित होते हैं। दुश्मन की पकड़ में आ जाने पर कोई जनहानि नहीं होती क्योंकि इनमें कोई सवार नहीं रहता है। दुनिया के विकसित देशों ने बहुत पहले से इनका प्रयोग दुश्मन के इलाकों की टोह लेने को शुरू कर दिया था। अब भारत भी तेजी से इन विमानों पर निर्भर होता जा रहा है। थलसेना, वायुसेना और नौसेना द्वारा उपयोग किए जा रहे ये विमान सीमा सुरक्षा, समुद्री निगरानी और खुफिया जानकारी जुटाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। ये विमान अत्याधुनिक कैमरों, रडार तथा सेंसरों से लैस होते हैं। ये विमान दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने, सीमा पर घुसपैठ का पता लगाने और रणनीतिक क्षेत्रों की निगरानी में सक्षम हैं।

मानव रहित विमान

मानव रहित विमानों के कार्य

● मानव रहित विमान कई दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण होते हैं। सीमा क्षेत्रों, समुद्र तटों, जंगलों और संवेदनशील इलाकों की लगातार निगरानी की जा सकती है। इनमें लगे दिन-रात कैमरों और सेंसर से दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखी जा सकती है। दुश्मन की स्थिति, मूवमेंट और ठिकानों की जानकारी जुटाना आसान होता है। वास्तविक समय में कमांड सेंटर को डेटा भेजना आसान होता है। इनके माध्यम से खुफिया जानकारी, तस्वीरें, वीडियो, रडार और थर्मल डेटा इकट्ठा करना बहुत सरल होता जिससे सेना को निर्णय लेने में मदद मिलती है। सीमा और तटीय सुरक्षा में काफी कारगर होते हैं। आधुनिक सुरक्षा और रक्षा व्यवस्था का एक बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ये सुरक्षित, किफायती और प्रभावी तरीके से जानकारी देते हैं।

इन विमानों के फायदे

● मानव रहित टोही विमानों के कई फायदे हैं। इनसे मानव जीवन की सुरक्षा होती है। खतरनाक इलाकों में पायलट भेजने की जरूरत नहीं पड़ती है। सुरक्षा का जोखिम कम होता है। ये टोही विमान लंबे समय तक उड़ान भरने में सक्षम होते हैं। इनके माध्यम से दुश्मन के इलाकों की लगातार निगरानी कर पाना संभव होता है। इनकी लागत कम होती है और मानव चालित विमानों की तुलना में संचालन सस्ता होता है। ईंधन और प्रशिक्षण पर भी खर्च कम आता है।

आपदा प्रबंधन में भी होते हैं सहायक

● घुसपैठ, तस्करी और संदिग्ध गतिविधियों का पता लगाने के साथ यह आपदा प्रबंधन में भी ये सहायक होते हैं। बाढ़, भूकंप, आग जैसी आपदाओं में नुकसान का आकलन इनके माध्यम से आसानी से किया जा सकता है। बाढ़ या आग में फंसे लोगों की खोज में मददगार होते हैं।

भारत के पास मौजूद टोही विमान

● भारतीय वायुसेना, नौसेना और थलसेना के पास विभिन्न श्रेणियों के मानव रहित टोही विमान हैं। सर्चर एमके-2 श्रेणी का विमान एक मध्यम ऊंचाई और लंबे समय तक उड़ान भरने वाला है। इसका निर्माण इजराइल में हुआ है। यह लगातार निगरानी, टोही और लक्ष्य जानकारी के लिए इस्तेमाल होता है। हेरोन एमके-2 का इस्तेमाल विशेष रूप से सीमा क्षेत्रों में लंबी अवधि की निगरानी और इंटेलिजेंस के लिए किया जाता है। रूस्तम-2 भारत में विकसित मानव रहित विमान है जिसे टोही और निगरानी के लिए डिज़ाइन किया गया है। डीआरडीओ द्वारा विकसित लक्ष्य का उपयोग वेरिएंट प्रशिक्षण और टोही व्यवहार में किया जाता है। हाल ही में आर्य नामक एक मानव रहित विमान भी वायुसेना में शामिल किया गया है।

वर्ल्ड ब्रीफ

बालेंद्र शाह पीएम प्रत्याशी घोषित

काठमांडू। काठमांडू महानगरपालिका के महापौर बालेंद्र शाह को राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) की ओर से रविवार को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया। बालेंद्र शाह को बालेन के नाम से भी जाना जाता है। इससे पहले, बालेन और आरएसपी ने नेपाल आम चुनाव मिलकर लड़ने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। देश में आम चुनाव के लिए मतदान पांच मार्च को होने हैं। रातभर चली लंबी बातचीत के बाद हुए सात सूत्री समझौते के तहत 35 वर्षीय बालेन को संसदीय दल का नेता एवं प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया।

भारतीय ने जीता नस्ली भेदभाव का मुकदमा

लंदन। ब्रिटेन के एक न्यायाधिकरण ने दक्षिण-पूर्वी लंदन में एक मशहूर कंपनी के फ्रेंचाइजी आउटलेट में अपने प्रबंधक पर गलत तरीके से बर्खास्तगी और नस्ली भेदभाव का आरोप लगाने वाले एक भारतीय व्यक्ति के पक्ष में फैसला सुनाया और मुआवजे के रूप में लगभग 67,000 पाउंड देने का आदेश दिया। तमिलनाडु से ताल्लुक रखने वाले मधेश रविचंद्रन ने रोजगार न्यायाधिकरण की सुनवाई में बताया कि उनके श्रीलंकाई तमिल प्रबंधक ने उनके साथ भेदभाव किया और उनके लिए गुलाम और भारतीय धोखेबाज हैं जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया।

दिल्ली में पकड़े गए सात नाइजीरियाई

नई दिल्ली। दिल्ली के द्वारका इलाके में पुलिस ने वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी भारत में रहने के आरोप में सात नाइजीरियाई नागरिकों को हिरासत में लिया है। एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि पुलिस की कई टीम ने प्राप्त सूचना के आधार पर 24 दिसंबर को सत्यापन अभियान चलाकर इन विदेशी नागरिकों को पकड़ा और जांच के दौरान पता चला कि उनके पास वैध दस्तावेज नहीं थे। पकड़े गए सभी व्यक्ति या तो वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी भारत में रह रहे थे या वैध अनुमति के बिना रह रहे थे।

गिनी में राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान

कोनाक्री। गिनी में 2021 के सैन्य तख्तापलट के बाद राष्ट्रपति चुनने के लिए रविवार को पहली बार मतदान हो रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि जनरल ममादी डौम्बौया की जीत की प्रबल संभावना है। यह चुनाव उस सत्ता हस्तांतरण प्रक्रिया का अंतिम चरण है, जो चार साल पहले डौम्बौया द्वारा तत्कालीन राष्ट्रपति अल्फा कोंडे की सत्ता से बेदखली के बाद शुरू हुई थी।

बांग्लादेश का दावा, उस्मान हादी के दो संदिग्ध हत्यारे भारत भागे

ढाका पुलिस ने कहा, संदिग्ध फैसल करीम और आलमगीर शेख मेघालय में घुसे

● दोनों संदिग्ध कब भागकर भारत में घुसे, दावे में यह स्पष्ट नहीं

ढाका, एजेंसी

इंकलाब मंच के नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के दो मुख्य संदिग्ध बांग्लादेश से फरार हो गए हैं और उनके इस समय भारत में होने का संदेह है। ढाका महानगर पुलिस (डीएमपी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। नकाबपोश बंदूकधारियों ने 12 दिसंबर को मध्य ढाका के विजयनगर इलाके में हादी के सिर में उस समय गोली मार दी थी, जब वह चुनाव प्रचार कर रहे थे। बाद में सिंगापुर में इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। डीएमपी ढाका के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं परिचालन) एसएन मोहम्मद नजर-उल इस्लाम ने कहा कि संदिग्ध फैसल करीम मसूद और आलमगीर शेख स्थानीय सहयोगियों की मदद से भारत के मेघालय में घुस गए हैं।

द डेली स्टार ने इस्लाम के हवाले से खबर में कहा कि हमारी जानकारी के अनुसार, दोनों संदिग्ध हलुआघाट सीमा के रास्ते भारत में प्रवेश कर गए। सीमा पार करने के बाद उन्हें पहले पुरती नाम का एक व्यक्ति मिला। इसके बाद सामी नाम के एक टैक्सी चालक ने उन्हें मेघालय के तूरा शहर तक पहुंचाया। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस को अनौपचारिक जानकारी मिली कि फरार आरोपियों की मदद करने वाले दोनों लोग पुरती और सामी को भारत में अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया है।

डीएमपी अधिकारी ने कहा कि बांग्लादेश सरकार संदिग्धों को वापस लाने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि उनकी गिरफ्तारी और प्रत्यर्पण सुनिश्चित करने के लिए हम औपचारिक और अनौपचारिक दोनों माध्यमों से भारतीय अधिकारियों के संपर्क में हैं। हालांकि, डीएमपी अधिकारी ने यह स्पष्ट नहीं किया कि दोनों संदिग्ध कब बांग्लादेश से भागकर भारत में घुसे। इस मामले पर भारतीय अधिकारियों की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। सरकारी समाचार एजेंसी बांग्लादेश संवाद संस्था (बीएसएस) की खबर के अनुसार इस्लाम ने कहा है कि हादी की हत्या की जांच लगभग पूरी हो चुकी है और आगामी सात से दस दिनों के भीतर आरोपपत्र दाखिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अब तक हत्या के मामले में 12 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें से छह ने अदालत के सामने इकबालिया बयान दिए हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की घटनाओं के विरोध में रविवार को बेंगलुरु में विभिन्न हिंदू संगठनों ने प्रदर्शन किया और अंतरिम सरकार के खिलाफ नारे लगाए।

छात्र-नेतृत्व वाली एनसीपी में चुनाव से पहले फूट

ढाका। बांग्लादेश में फरवरी में प्रस्तावित चुनाव से पहले जमात-ए-इस्लामी के साथ प्रस्तावित गठबंधन के प्रस्ताव को लेकर छात्र नेतृत्व वाली नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) में रातों रात आंतरिक फूट देखी जा रही है। दरअसल, पार्टी के 30 नेताओं ने इस प्रस्ताव का विरोध करते हुए एक संयुक्त पत्र जारी किया है जबकि दो वरिष्ठ सदस्यों ने अपने इस्तीफे की घोषणा कर दी है। एनसीपी, स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन (एसएडी) का एक बड़ा राजनीतिक धड़ा है। एसएडी ने पिछले वर्ष हुए हिंसक आंदोलन का नेतृत्व किया था।

बीएसएफ व पुलिस ने दावों को किया खारिज

शिलांग। मेघालय की सुरक्षा एजेंसियों ने बांग्लादेश पुलिस के उन दावों को रविवार को सिरे से खारिज कर दिया कि इंकलाब मंच के नेता शरीफ उस्मान हादी के हत्यारे भारतीय राज्य में दाखिल हो गए हैं। मेघालय में बीएसएफ के आईजी ओ पी उपाध्याय ने कहा कि ये दावे निराधार और भ्रामक हैं। उपाध्याय ने कहा कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि किसी व्यक्ति ने हलुआघाट सेक्टर से मेघालय में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार की हो। मेघालय पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि गारो पर्वतीय क्षेत्र में संदिग्धों की मौजूदगी के दावे की पुष्टि करने के लिए कोई जानकारी या खुफिया प्रमाण नहीं है। अधिकारी ने कहा कि स्थानीय पुलिस इकाइयों को इस तरह की किसी गतिविधि की सूचना नहीं मिली है।

लॉकहीड मार्टिन भारत में बनाएगा सी130जे विमान का उत्पादन केंद्र

● भारतीय वायुसेना के लिए विमान को बताया उपयोगी

मैरिएटा (अमेरिका), एजेंसी

करीब 80 सैन्य परिवहन विमान खरीदे जाने की भारत की तैयारी के बीच अमेरिकी एयरोस्पेस कंपनी लॉकहीड मार्टिन ने अपने सी-130जे सुपर हरक्यूलिस को सर्वश्रेष्ठ विकल्प के रूप में पेश करते हुए कहा है कि विमानों का एक अतिरिक्त बेड़ा 'क्वाड' (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) देशों के बीच सामरिक हवाई परिचालन में भारत को मजबूत ताकत प्रदान करेगा।

लॉकहीड मार्टिन के शीर्ष अधिकारियों ने कहा कि यदि लॉकहीड मार्टिन को मौका मिलता है, तो वह भारत में इस विमान के उत्पादन के लिए एक बड़ा केंद्र स्थापित करेगा और यह अमेरिका के बाहर इस तरह की पहली वैश्विक सुविधा होगी। अब तक लॉकहीड मार्टिन सी-130जे सुपर हरक्यूलिस श्रेणी के 560 से अधिक विमानों की आपूर्ति कर चुकी है, जिन्होंने 30 लाख से अधिक उड़ान घंटे पूरे किए हैं। यह अग्रणी सामरिक परिवहन विमान 23 देशों में 28 संचालकों को सेवा दे रहा है। भारतीय वायु सेना वर्तमान में 12 सी-130जे विमानों का संचालन करती है। भारत के अलावा क्वाड के तीन अन्य सदस्य देश-अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान-भी सी-130जे का संचालन कर रहे हैं। लॉकहीड मार्टिन में हवाई गतिशीलता और समुद्री मिशन की उपाध्यक्ष पेट्रिशिया ट्रिश पेगन ने कहा कि सी-130जे सुपर हरक्यूलिस हर कार्यक्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन और क्षमताएं प्रदान करता है। यह विमान भारत के लिए सबसे बेहतर विकल्प होगा।

भारतीय वायु सेना ने 2022 में सोवियत काल के पुराने एएन-32 और आईएल-76 विमानों के स्थान पर मध्यम परिवहन विमान खरीदने के लिए सूचना अनुरोध जारी किया था। भारतीय वायु सेना करीब 80 सैन्य परिवहन विमान खरीदने की योजना बना रही है

भारत के लिए इसलिए खास है सुपर हरक्यूलिस

भारत के लिए सी-130जे सुपर हरक्यूलिस विमान खास है क्योंकि यह दुर्गम इलाकों, ऊंची हवाई पट्टियों (जैसे लद्दाख) और खराब मौसम में भी सैनिकों, भारी उपकरणों और राहत सामग्री को पहुंचाने में सक्षम है, जिससे भारतीय वायुसेना की सामरिक एयरलिफ्ट और स्पेशल ऑपरेशन क्षमताएं कई गुना बढ़ जाती हैं, खासकर चीन सीमा और आपदा राहत कार्यों में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण है। यह विमान अपने मल्टी-मिशन क्षमताओं के कारण सैन्य लॉजिस्टिक्स, खोज और बचाव और इलेक्ट्रॉनिक निगरानी जैसे कार्यों में भी उपयोगी है। यह 17 हजार फीट ऊंची और ऊबड़-खाबड़ हवाई पट्टियों पर भी उतर सकता है, यह टैंक, मिसाइलें और 90 सैनिकों को ले जाने की क्षमता रखता है, जिससे सैनिकों और उपकरणों को तेजी से तैनात किया जा सकता है। इसे हवाई ईंधन भरने, समुद्री निगरानी और विशेष अभियानों में भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

खालिदा जिया की हालत बेहद गंभीर

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री एवं बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष खालिदा जिया की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। उनके निजी चिकित्सक ने यह जानकारी दी। कई स्वास्थ्य जटिलताओं से जूझ रही 80 वर्षीय खालिदा जिया 23 नवंबर से ढाका के एवरकेयर अस्पताल में उपचाराधीन हैं और उन्हें 11 दिसंबर को वेंटिलेटर पर रखा गया था। डॉ. ए.जेड.एम. जाहिद ने बताया कि यह नहीं कहा जा सकता कि उनकी हालत में सुधार हुआ है। फिलहाल उनकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई है।

श्रीहरिकोटा में चार साल में तीसरे प्रक्षेपण पैड को तैयार करने का इसरो का लक्ष्य

चेन्नई, एजेंसी

● प्रक्रिया जारी, उपयुक्त कंपनियों की हो रही तलाश : पद्म कुमार

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र पर तीसरा प्रक्षेपण पैड विकसित करने की प्रक्रिया में है और वर्तमान में इसके लिए उपयुक्त कंपनियों की तलाश की जा रही है। यह जानकारी एक शीर्ष वैज्ञानिक ने दी है।

तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई से करीब 135 किलोमीटर पूर्व में स्थिति श्रीहरिकोटा परिसर 175 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। यह बेंगलुरु स्थित अंतरिक्ष एजेंसी को विभिन्न प्रक्षेपण यानों के जरिये उपग्रहों को कक्षा में पहुंचाने की सेवा मुहैया कराता रहा है। श्री हरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के निदेशक और प्रख्यात वैज्ञानिक पद्मकुमार ईएस ने कहा कि अंतरिक्ष में विभिन्न कक्षाओं में 12,000-14,000 किलोग्राम से अधिक वजन वाले बड़े उपग्रहों को स्थापित करने की योजना पर आगे बढ़ने के लिए इसरो को बड़े प्रक्षेपण यानों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए इसरो तीसरे प्रक्षेपण पैड की योजना बना रहा है।

पद्मकुमार ने कहा कि हमारी योजना चार साल में तीसरा लॉन्च पैड स्थापित कर संचालित करने की है। इसके लिए प्रक्रिया चल रही हैं। हम खरीद प्रक्रिया शुरू कर रहे हैं और इस विशाल परियोजना के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए उपयुक्त कंपनियों की पहचान कर रहे हैं। इस केंद्र का परिचालन अक्टूबर 1971 में रोहिणी-125 रॉकेट के प्रक्षेपण के साथ शुरू हुआ था।

दक्षिण अफ्रीका में इमारत गिरी, तीन लोगों की मौत

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग के पश्चिम में स्थित सोवेटो उपनगर में रविवार तड़के दो मंजिला इमारत के ढहने से एक साल के बच्चे सहित तीन लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार, इस घटना में तीन अन्य लोग घायल हो गए और उनका उपचार जारी है। उन्होंने बताया कि इमारत ढहने के समय उसके भीतर कुल छह लोग मौजूद थे, आपातकालीन सेवाओं के कर्मियों ने मलबे के नीचे फंसे तीन घायलों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

जोहान्सबर्ग आपातकालीन प्रबंधन सेवाओं के प्रवक्ता जोलिले खुमालो ने कहा कि इस दुखद घटना में तीन लोगों की मौत हो गई जिनमें दो वयस्क महिलाएं और एक बच्चा शामिल था। मामले की जांच अधिकारियों को सौंप दिया गया है।

म्यांमा में सैन्य शासन के बाद पहले चुनाव को मतदान शुरू

यांगून, एजेंसी

● दो दौर पूरे होने पर जनवरी के अंत में आएंगे अंतिम परिणाम

म्यांमा में सैन्य सरकार की देखरेख में पहली बार हो रहे आम चुनाव के पहले चरण के लिए रविवार को मतदान जारी है। जनवरी के अंत में मतदान के दो और दौर पूरे होने के बाद ही अंतिम परिणाम पता चलेंगे। व्यापक रूप से यह संभावना जताई जा रही है कि 2021 में सेना के सत्ता पर काबिज होने के बाद से देश का शासन संभाल रहे जनरल मिन आंग ह्लाइंग राष्ट्रपति पद ग्रहण करेंगे।

सैन्य सरकार ने इस चुनाव को चुनावी लोकतंत्र की वापसी के रूप में प्रस्तुत किया है लेकिन आलोचकों का आरोप है कि यह चुनाव सैन्य शासन को वैध दिखाने के लिए किया जा रहा है। म्यांमा में फरवरी 2021 में सेना द्वारा आंग सान सू की की चुनी हुई सरकार को सत्ता से हटाए जाने के बाद सैन्य शासन शुरू हुआ था। देश के सबसे बड़े शहर यांगून, राजधानी नेपीता और अन्य जगहों पर मतदाता विद्यालयों, सरकारी भवनों और धार्मिक इमारतों में मतदान कर रहे हैं। आलोचकों का तर्क है कि प्रमुख दलों को चुनावी प्रक्रिया से बाहर रखने, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाने और दमनकारी माहौल के कारण चुनाव परिणाम वैध नहीं होंगे। मतदान तीन चरणों में हो रहा है। रविवार को पहला चरण म्यांमा की कुल 330 टाउनशिप में से 102 में कराया जा रहा है। दूसरा चरण 11 जनवरी को और तीसरा चरण 25 जनवरी को होगा। अंतिम नतीजों की घोषणा फरवरी तक होने की उम्मीद है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 29 दिसंबर, सोमवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, नवमी 10 .12 तक तत्पश्चात दशमी।

आज का पंचांग

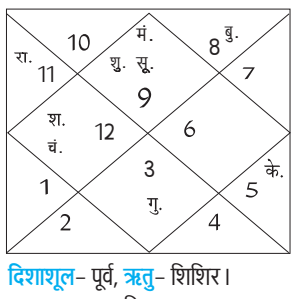

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल-वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-रेवती 07 .41 तक तत्पश्चात अश्विनी।

मेष — आज परिवार में आंतरिक मतभेद उभर सकते हैं। अव्यवहारिक निर्णय लेने से नुकसान होगा। सरकारी कार्यों में मनोनुकूल परिणाम मिलने से आप काफी प्रसन्न रहेंगे। बहुप्रतीक्षित कार्यों में कुछ विलंब हो सकता है। धन उधार देने से बचें। दर्द की शिकायत हो सकती है।

वृष — आज पड़ोसियों से संबंध खराब हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों से मतभिन्नता हो सकती है। दवाइयों का प्रयोग सावधानी पूर्वक करें। व्यवसाय में अपेक्षित परिणाम नहीं मिलेंगे। मेहनत से पीछे न हटें और अपना काम करते रहें।

मिथुन — आज का दिन काफी शुभ रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन कर सकते हैं। व्यापारियों को योजनाओं में सफलता मिलेगी। बहुप्रतीक्षित कार्यों में सफलता मिलेगी। सेहत को लेकर समस्या दूर होगी। प्रेमी जन को आप आज कुछ उपहार दे सकते हैं।

कर्क — आज जीवनसाथी की बातों को महत्व अवश्य दें। नजदीकी संबंधों में संवादहीनता उत्पन्न हो सकती है। कार्यक्षेत्र में गलतियों को बार-बार न दोहरायें। यात्रा के दौरान असुविधाजनक स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। गुस्से में आपके काम बिगड़ सकते हैं।

सिंह — आज आपके सभी काम सफल होंगे। जीवनसाथी आपको अच्छा उपहार दे सकते हैं। प्राइवेट नौकरी कर रहे लोगों को पदोन्नति मिल सकती है। यदि आप शॉपिंग कर रहे हैं तो उसमें आपको भारी छूट मिल सकती है। मित्र व संबंधी आपसे काफी प्रसन्न रहने वाले हैं।

कन्या — आज आप काफी व्यस्त रहेंगे। अपने शौक और मनोरंजन पर धन खर्च कर सकते हैं। आर्थिक मामलों को लेकर सावधान रहेंगे। प्रेम संबंधों में परस्पर सम्मान की भावना का ध्यान रखें। नकारात्मक प्रवृत्ति के लोग आपको भ्रमित कर सकते हैं।

तुला — आज कार्यक्षेत्र में आपकी योग्यता की प्रशंसा होगी। आप दूसरों की मदद को लेकर तत्पर रहेंगे। उत्तम भोजन का आनंद उठायेंगे। किसी शुभ कार्य को लेकर मन में शंका उत्पन्न हो सकती है। विपरीत लिंग के लोग आपसे आज काफी आकर्षित रहेंगे।

वृश्चिक — आज विदेश में व्यापार करने के अवसर मिलेंगे। जो लोग पहले से विदेश में काम कर रहे हैं उन्हें बड़े व्यापारिक अनुबंध मिल सकते हैं। परिजनों के साथ किसी गंभीर मुद्दे पर चर्चा कर सकते हैं। जीवनसाथी के साथ किसी देवस्थल की यात्रा कर सकते हैं।

धनु — आज नई नौकरी की शुरुआत कर सकते हैं। प्रेम विवाह को लेकर परिवार में चर्चा हो सकती है। घर में हास्य व मनोरंजन का माहौल रहेगा। किसी शुभ कार्य को लेकर मन में शंका उत्पन्न हो सकती है। जीवनसाथी के साथ पर्यटन पर जाने के लिये दिन उत्तम है।

मकर — आज अपनी पुरानी गलतियों को स्वीकारें व उसे दूर करने का प्रयास करें। सहकर्मियों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। मन में अनिष्ट का भाव रहेगा। अपनी योजनाओं को दूसरों से शेयर न करें। किसी तरह की बहसबाजी से आपको बचना चाहिए।

कुंभ — आज परिवार में किसी बात को लेकर मतभेद हो सकते हैं। जहां आवश्यक न हो वहां बोलने से बचें। व्यर्थ के खर्चों के कारण बजट गड़बड़ा सकता है। आज आवश्यक न हो तो दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप न करें। बीमार लोगों के स्वास्थ्य में सुधार होगा।

मीन — आज धार्मिक क्रियाओं में आपकी सहभागिता बढ़ेगी। मतभेदों को दूर करने में सफलता मिलेगी। व्यवसाय में किसी तकनीक त्रुटि के दूर होने से राहत मिलेगी। उच्च शिक्षा में उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे। मित्रों के साथ आप अच्छा समय बितायेंगे।

सुडोकू -16

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		7	8		6			
	1		4					9
				3				5
9		5		2			8	
	6			1		3		4
2			9	6				7
4		6			3		1	
					5	6		

सुडोकू - 15 का हल

4	6	9	7	3	1	2	8	5
5	3	2	6	8	4	7	9	1
8	7	1	9	2	5	4	6	3
1	4	5	3	7	8	9	2	6
7	2	8	1	9	6	5	3	4
6	9	3	4	5	2	8	1	7
9	1	6	8	4	7	3	5	2
3	5	7	2	6	9	1	4	8
2	8	4	5	1	3	6	7	9

160 किमी प्रति घंटा मेरे लिए किसी भी विकेट से कहीं अधिक मायने रखता है। निश्चित तौर पर टीम सर्वोपरि होती है तथा विश्व कप (2003) जीतना, लगातार 16 टेस्ट जीतना। यह सर्वोच्च उपलब्धि है। इसके लिए ही तो खेल खेला जाता है।
–ब्रेट ली, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व गेंदबाज

स्टेडियम

लखनऊ, सोमवार ,29 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

पाइपर्स ने रांची रॉयल्स को 2-0 से हराया

एसजी पाइपर्स और रांची रॉयल्स के खिलाड़ी मुकाबला करते हुए। एजेंसी

रांची। कप्तान नवनीत कौर और टेरेसा वियाना के एक-एक गोल की मदद से एसजी पाइपर्स ने रविवार को यहां महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के पहले मैच में रांची रॉयल्स को 2-0 से हरा दिया। मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रो टर्फ स्टेडियम में नवनीत कौर ने 27वें मिनट में गोल कर एसजी पाइपर्स को बढ़त दिलाई। इसके बाद वियाना ने 46वें मिनट में गोल किया।

पाकिस्तानी खिलाड़ी पर आजीवन प्रतिबंध

कराची। पाकिस्तान के अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी उबैदुल्लाह राजपूत पर इस महीने की शुरुआत में एक निजी टूर्नामेंट में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने पर राष्ट्रीय महासंघ ने अनिश्चितकाल प्रतिबंध लगा दिया है। पाकिस्तान कबड्डी महासंघ (पीकेएफ) ने शनिवार को आपातकालीन बैठक के बाद राजपूत पर प्रतिबंध लगाया। उन्हें महासंघ या अन्य संबंधित अधिकारियों से अनिवार्य अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) लिए बिना टूर्नामेंट में खेलने के लिए विदेश यात्रा करने का दोषी पाया गया।

युवराज संधू ने टाटा ओपन खिताब जीता

जमशेदपुर। युवराज संधू ने टाटा ओपन 2025 गोल्फ टूर्नामेंट में एक स्ट्रोक की जीत के साथ पीजीटीआई में एक ही सत्र में सबसे ज्यादा सात खिताब जीतने का नया रिकॉर्ड बनाया। संधू (67-64-68-65) बीती रात संयुक्त बढ़त पर थे।

भारतीय महिलाएं क्लीन स्वीप के निकट चौथे टी-20 मैच में भी श्रीलंका परास्त

रिकॉर्ड की लगी झड़ी, स्मृति और शेफाली ने खेलीं शानदार अर्धशतकीय पारियां

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

जीत का जश्न मनातीं भारतीय महिला टीम। एजेंसी

स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा के अर्धशतक और दोनों के बीच पहले विकेट की रिकॉर्ड शतकीय साझेदारी से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने रविवार को यहां चौथे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में श्रीलंका को 30 रन से हराकर पांच मैच की श्रृंखला में 4-0 की बढ़त बनाई।

भारत के 222 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की टीम कप्तान चामरी अटापट्टू (52 रन, 37 गेंद, तीन छक्के, तीन चौके) के अर्धशतक और हसिनी परेरा (33) के साथ उनकी पहले विकेट की 59 और इमेशा दुलानी (29) के साथ दूसरे विकेट की 57 रन की साझेदारी के बावजूद छह विकेट पर 191 रन ही बना सकी जो इस प्रारूप में उसका सर्वोच्च स्कोर है।

भारत की ओर से बाएं हाथ की स्पिनर वैष्णवी शर्मा ने 24 रन जबकि अरुंधति रेड्डी ने 42 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए। श्री चरणी ने भी 46 रन देकर एक विकेट हासिल किया। भारत के लिए हालांकि क्षेत्ररक्षण चिंता का विषय रहेगा क्योंकि उसके क्षेत्ररक्षकों ने कई कैच टपकाए। शुरुआती तीन मैच में विफल रही स्मृति (80 रन, 48 गेंद, 11 चौके, तीन छक्के) और शेफाली (79 रन, 46 गेंद, 12 चौके, एक छक्का) ने पहले विकेट के लिए 162 रन की भारत की ओर से किसी भी विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी करते हुए टीम को दो विकेट पर 221 रन के स्कोर तक पहुंचाया जो इस प्रारूप में उसका सर्वोच्च स्कोर है। टीम ने इससे पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ दिसंबर 2024 में चार विकेट पर 217 रन बनाए थे। ऋचा घोष (16 गेंद में नाबाद 40) और कप्तान हरमनप्रीत कौर (नाबाद 16) ने तीसरे विकेट के लिए 23 गेंद में 53 रन की अटूट साझेदारी करके टीम का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया। भारत ने अपनी पारी में 28 चौके और आठ छक्के मारे जो इस प्रारूप में टीम की ओर से सबसे अधिक बाउंड्री का नया रिकॉर्ड है।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे श्रीलंका को हसिनी और चामरी ने तेज शुरुआत दिलाई। दोनों ने चौथे ओवर में ही टीम के रनों का अर्धशतक पूरा कर दिया। हसिनी हालांकि छठे ओवर में अरुंधति रेड्डी की गेंद पर मिड ऑफ पर हरमनप्रीत को कैच दे बैठीं। उन्होंने 20 गेंद की अपनी पारी में सात चौके मारे। हसिनी के आउट होने के बाद श्रीलंका की रन गति में गिरावट आई। इमेशा ने दीप्ति शर्मा पर चौके के साथ 25 गेंद के बाउंड्री के सूखे को खत्म किया। चामरी ने अमनजोत कौर का स्वागत छक्के के साथ किया। चामरी और इमेशा ने 11वें ओवर में टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया। चामरी ने चरणी की पारी की पहली गेंद पर भी छक्का जड़ा। उन्होंने वैष्णवी की गेंद पर दो रन के साथ सिर्फ 34 गेंद में अर्धशतक पूरा किया लेकिन इसी ओवर में बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में बाउंड्री पर स्मृति को कैच दे बैठीं। हर्षिता समरविक्रम (20) ने चरणी पर छक्के और चौके के साथ तेवर दिखाए। श्रीलंका को अंतिम पांच ओवर में 83 रन की दरकार थी। इमेशा इसके बाद तेजी से दूसरा रन लेने की कोशिश में अमनजोत के सटीक थ्रो पर रन आउट हो गईं जबकि हर्षिता को वैष्णवी की गेंद पर ऋचा ने स्टंप किया। निलाक्षिका सिल्वा (नाबाद 23) ने चरणी पर लगातार दो चौके मारे लेकिन इसके बावजूद श्रीलंका को अंतिम दो ओवर में 54 रन की जरूरत थी और टीम इस स्कोर के करीब भी नहीं पहुंच सकी।

वर्ष 2026 के प्रमुख खेल

तारीख	आयोजन	जगह
9 जनवरी-5 फरवरी	विमेंस प्रीमियर लीग	नवी मुंबई और वडोदरा
18 जनवरी-1 फरवरी	ऑस्ट्रेलियन ओपन (टेनिस)	मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया
6-22 फरवरी	विंटर ओलंपिक्स	मिलान और कॉर्टिना डी 'एम्पेजो, इटली
7 फरवरी-8 मार्च	आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप	भारत और श्रीलंका
8 मार्च-6 दिसंबर	एफ 1 वर्ल्ड चैंपियनशिप	दुनिया भर में 24 रेस
24 मई-7 जून	फ्रेंच ओपन (टेनिस)	पेरिस, फ्रांस
26 मार्च-31 मई	इंडियन प्रीमियर लीग	घोषणा की जाएगी
30 मई	यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल	पुस्कास एरिना, बुडापेस्ट
11 जून-19 जुलाई	फीफा विश्व कप 2026	USA, कनाडा और मैक्सिको
29 जून-12 जुलाई	विंबलडन	लंदन, इंग्लैंड
6 जुलाई-23 अगस्त	ईस्पोर्ट्स वर्ल्ड कप 2026	रियाद, सऊदी अरब
23 जुलाई-2 अगस्त	कॉमनवेल्थ गेम्स	ग्लासगो, स्कॉटलैंड
14-30 अगस्त	एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप	बेल्जियम और नीदरलैंड्स
अगस्त 30-13 अक्टूबर	यूएस ओपन (टेनिस)	न्यूयॉर्क, USA
11-13 सितंबर	एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप	बुडापेस्ट, हंगरी
19 सितंबर -4 अक्टूबर	एशियन गेम्स	आइची और नागोया, जापान

आर्सेनल शीर्ष पर बरकरार

मैनचेस्टर, एजेंसी

आर्सेनल ने ब्राइटन के अंतिम समय में जोरदार पलटवार से बचकर 2-1 से जीत हासिल करके इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट में अपना पहला स्थान बरकरार रखा। लेकिन मैनचेस्टर सिटी और एस्टन विला भी उससे ज्यादा दूर नहीं हैं। शीर्ष स्थान के लिए इन तीन टीमों के बीच कड़ी टक्कर है।

तालिका में पहले और तीसरे स्थान के बीच केवल तीन अंकों का अंतर है। नॉटिंघम फॉरेस्ट पर 2-1 से जीत के बाद मैनचेस्टर सिटी ने कुछ समय के लिए शीर्ष स्थान हासिल कर लिया था लेकिन इसके कुछ देर बाद आर्सेनल ने ब्राइटन को इसी अंतर से हराकर फिर से पहला स्थान हासिल कर दिया। वह मैनचेस्टर सिटी से दो अंक आगे है। एस्टन विला ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए चेल्सी के खिलाफ 2-1 से जीत हासिल की। इस तरह से उसने सभी प्रतियोगिताओं में जीत दर्ज करने का अपना सिलसिला 11 मैच तक पहुंचा दिया है। आर्सेनल के अब 18 मैच में 42 जबकि मैनचेस्टर सिटी के इतने ही मैच में 40 और एस्टन विला की 39 अंक हैं। लिवरपूल चौथे स्थान पर है लेकिन उसके 32 अंक हैं।

लिवरपूल ने आखिरी स्थान पर काबिज वॉल्वरहैम्प्टन के खिलाफ 2-1 से जीत हासिल करके अपनी शानदार वापसी जारी रखी जिससे वह चौथे स्थान पर पहुंच गया। वॉल्वरहैम्प्टन ने किसी एक सत्र की शुरुआत से सबसे लंबे समय तक बिना जीत के रहने का नया प्रीमियर लीग रिकॉर्ड बनाया।

सूर्या और ऋत्विक ने खिताब जीते

राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप

विजयवाड़ा। सूर्या करिश्मा तामिरी ने रविवार को यहां सीनियर राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप में महिला एकल और ऋत्विक संजीवी ने पुरुष एकल खिताब अपने नाम किया। विजयवाड़ा की 19 वर्षीय सूर्या ने लगभग एक घंटे तक चले महिला एकल फाइनल में तन्वी पत्री को 17-21, 21-12, 21-14 से हराया। वहीं पुरुष एकल फाइनल में ऋत्विक ने भरत को 21-16, 22-20 से शिकस्त दी। तन्वी ने पहले गेम के बीच में नियंत्रण बनाते हुए सूर्या को कई अनफोर्स्ड गलतियां कराईं। दूसरे गेम में 6-5 के स्कोर पर सूर्या का एक सर्विस रिटर्न नेट में गया जिसे सर्विस जज ने 'ऊंचाई की गलती' करार दिया जिससे सूर्या को राहत मिली।

एमसीजी के क्यूरेटर ने कहा-पहले दिन 20 विकेट गिरने से था सदमे में

मेलबर्न, एजेंसी

तीसरे अंपायर से बात करते एमसीजी के मुख्य क्यूरेटर (बाएं)। एजेंसी

मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) के मुख्य क्यूरेटर मैथ्यू पेज ने स्वीकार किया कि ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच बॉक्सिंग डे (26 दिसंबर) टेस्ट के पहले दिन 20 विकेट गिरने के बाद वह 'सदमे की स्थिति में' थे और नीरस ड्रॉ से बचने के लिए तेज गेंदबाजों के अनुकूल पिच तैयार की गई। इस मैच में शुरू से लेकर आखिर तक विकेटों की झड़ी लगी रही और मैच दो दिन में समाप्त हो गया।

इंग्लैंड ने इस मैच में ऑस्ट्रेलिया को चार विकेट से हराया। श्रृंखला के 2017 में खेले गए मैच के नीरस ड्रॉ के रूप में समाप्त होने बाद एमसीजी पिच में नई जान डालने के लिए नियुक्त क्यूरेटर पेज ने रविवार को स्वीकार किया कि पिच पर 10 मिमी घास छोड़ना जरूरत से ज्यादा साबित हुआ।

इसके कारण केवल 142 ओवरों में 36 विकेट गिरे, जिसके चलते इस पिच ने खिलाड़ियों और अधिकारियों दोनों के कान खड़े कर दिए। पेज की रविवार को पत्रकारों से कहा पहले दिन के बाद मैं सदमे में था। हम निश्चित रूप से निराश हैं कि यह मैच केवल दो दिन तक चला। यह रोमांचक टेस्ट मैच था, लेकिन यह लंबी अवधि तक नहीं चला। हम इससे सबक लेंगे और अगले साल बेहतर विकेट तैयार करने की पूरी कोशिश करेंगे।

उन्होंने कहा मैं पहले कभी इस तरह के टेस्ट मैच का हिस्सा नहीं रहा और उम्मीद है कि भविष्य में मैं फिर से कभी इस तरह के टेस्ट मैच का हिस्सा नहीं रहूंगा। इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया की धरती पर 2011 के बाद पहला टेस्ट मैच जीता लेकिन इसके बावजूद उसके कप्तान बेन स्टोक्स ने गेंदबाजों के लिए बेहद अनुकूल पिच की कड़ी आलोचना की थी। पेज ने कहा हम जानते हैं कि यह मैच हमारी योजना के अनुसार नहीं चला। हमें पूरे चार-पांच दिन तक बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बने रहने की उम्मीद थी ताकि इस मैच का रोमांचक अंत हो सके।

160 किमी प्रति घंटे की गति मेरे लिए रखती थी सबसे ज्यादा मायने : ली

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व गेंदबाज ब्रेट ली तेज गेंदबाजी के प्रति इतने जुनूनी थे कि उन्होंने नौ साल की उम्र में ही 160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार हासिल करने का लक्ष्य बना लिया था और जब तक उन्होंने यह जादुई आंकड़ा हासिल नहीं कर लिया तब तक उनके लिए कोई भी व्यक्तिगत उपलब्धि या सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों के विकेट उखाड़ना कोई मायने नहीं रखता था।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के हॉल ऑफ फेम में शामिल किए गए 49 वर्षीय ली ने कहा कि उन्होंने अपना जीवन अपने इस सपने को साकार करने के लिए समर्पित कर दिया था। इसके लिए उन्होंने अपनी मां हेलेन को श्रेय दिया जो एक फर्राटा धाविका थीं और इस तरह से उनके पास रफ्तार का सौदागर बनने के लिए आवश्यक आनुवंशिक गुण थे। क्रिकेट डॉट कॉम एयू के अनुसार ली ने कहा वह (160 किमी प्रति घंटा) मेरे लिए किसी भी विकेट से कहीं अधिक मायने रखता है।

2025

बैडमिंटन

सेन, सात्विक, चिराग का अच्छा प्रदर्शन

युवा शटलरों ने भी जगाई उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी

चिराग शेट्टी, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी व लक्ष्य सेन। एजेंसी

भारतीय बैडमिंटन के लिए वर्ष 2025 उतार-चढ़ाव वाला रहा, जिसमें कई प्रमुख खिलाड़ियों को फॉर्म हासिल करने के लिए जूझना पड़ा, लेकिन लक्ष्य सेन का एक खिताब, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतना और युवा खिलाड़ियों की शानदार प्रगति ने उम्मीद की किरण भी जगाई। भारतीय खिलाड़ियों को इस वर्ष फिटनेस से जुड़ी समस्याओं से भी जूझना पड़ा, जिसका असर उनके प्रदर्शन पर भी पड़ा। इस सत्र में भारतीय खिलाड़ियों की सबसे महत्वपूर्ण व्यक्तिगत उपलब्धि सेन की ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में खिताबी जीत रही।

सेन ने 2023 में कनाडा ओपन के बाद पहली बार सुपर 500 खिताब जीता और पिछले साल दिसंबर में सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 जीतने के बाद यह उनका पहला खिताब था। हांगकांग ओपन में वह उपविजेता रहे थे। सात्विक और चिराग ने सत्र की शुरुआत में चोट और बीमारी से जूझने के बावजूद भारत की प्रमुख युगल जोड़ी के रूप में अपनी स्थिति को फिर से स्थापित किया। इस जोड़ी ने पेरिस में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता, हांगकांग ओपन और चीन मास्टर्स के फाइनल में जगह बनाई और बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स के नॉकआउट चरण में पहुंचने वाली पहली भारतीय पुरुष युगल जोड़ी बनकर साल का सकारात्मक अंत किया। किदाम्बी श्रीकांत ने इस सत्र में वापसी की झलक दिखाई लेकिन वह कोई ट्रॉफी नहीं जीत पाए। मलेशिया मास्टर्स और सैयद मोदी इंटरनेशनल में उपविजेता रहकर उन्होंने पुराने दिनों की याद दिलाई लेकिन लंबे समय से चले आ रहे खिताब के सूखे को खत्म नहीं कर सके। सैयद मोदी इंटरनेशनल टूर्नामेंट में गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली ने महिला युगल खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया।

भारतीय बैडमिंटन में वर्ष 2025 में सबसे उत्साहजनक संकेत युवा पीढ़ी से मिले। 20 वर्षीय आयुष शेट्टी ने अमेरकी ओपन सुपर 300 जीता और बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर प्रतियोगिताओं में लगातार अपनी जीवंत उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने जापान के कोदाई नाराओका, पूर्व विश्व चैंपियन लोह कीन यू, चीनी ताइपे के चाउ टिएन चेन और कनाडा के ब्रायन यांग पर भी उल्लेखनीय जीत दर्ज की, जिससे उनकी शानदार प्रगति का पता चलता है।

तन्वी शर्मा।

विश्व जूनियर चैंपियनशिप में तन्वी ने रजत जीतकर सबका ध्यान खींचा

सोलह वर्षीय तन्वी शर्मा ने विश्व जूनियर चैंपियनशिप में लड़कियों के एकल वर्ग में रजत पदक जीतकर सबका ध्यान अपनी तरफ खींचा। उन्होंने अमेरिकी ओपन के फाइनल में भी जगह बनाई थी तथा सैयद मोदी इंटरनेशनल में पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी नोजोमी ओकुहारा को हराकर इस सत्र की सबसे शानदार जीत में से एक हासिल की। तन्वी ने गुवाहाटी मास्टर्स में उपविजेता रहकर वर्ष का समापन किया। उन्नति हुडा ने विश्व जूनियर टीम चैंपियनशिप में भारत को कांस्य पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह ओडिशा मास्टर्स सुपर 100 का खिताब जीतकर विश्व रैंकिंग में 23वें स्थान पर पहुंच गईं। चीन मास्टर्स में पीवी सिंधू पर उनकी जीत ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। गुवाहाटी मास्टर्स में संस्कार सारस्वत ने अपना पहला सुपर 100 खिताब जीता।

सीनियर खिलाड़ियों ने किया निराश

भारत के सीनियर खिलाड़ियों के लिए हालांकि वर्ष 2025 काफी हद तक निराशाजनक साबित हुआ। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु तीन बार क्वार्टर फाइनल तक पहुंचीं, लेकिन उन्हें छह बार पहले दौर में और चार बार दूसरे दौर में ही हार का सामना करना पड़ा। साल की शुरुआत में हैमस्ट्रिंग की समस्या ने उनके अभियान को बाधित किया, जिसके बाद पैर में चोट लगने के कारण उन्हें अक्टूबर के बाद सभी बीडब्ल्यूएफ प्रतियोगिताओं से नाम वापस लेना पड़ा। वर्ष 2023 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय के लिए यह सत्र और भी कठिन रहा। चोटों ने उनके प्रदर्शन को बुरी तरह प्रभावित किया। जनवरी में इंडिया ओपन में टखने की चोट और सितंबर में कोरिया ओपन में पसली की मांसपेशियों में लगी चोट के कारण वे नियमित रूप से अभ्यास नहीं कर पाए, जिससे उन्हें नौ बार दूसरे दौर से और आठ बार पहले दौर से बाहर होना पड़ा। भारत ने टीम प्रतियोगिताओं में भी निराशाजनक प्रदर्शन किया। एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप और सुदीरमन कप में भारत का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा।

साक्षात्कार | ड्रैग फ्लिकर दीपिका सेहरावत ने कहा -अगले साल टीम करेगी अच्छा प्रदर्शन

नया साल महिला हॉकी के लिए नई उम्मीद लाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए यह साल मैदान के भीतर और बाहर भले ही अच्छा नहीं रहा हो, लेकिन हॉकी इंडिया लीग के जरिये पांच महीने बाद मैदान पर वापसी को तैयार ड्रैग फ्लिकर दीपिका सेहरावत का मानना है कि नए साल में चीजें अच्छे के लिए बदलेंगी। अगस्त में एशिया कप के लिए रवानगी से एक दिन पहले आखिरी अभ्यास सत्र में पैर फिसलने के कारण टीम से बाहर हुई दीपिका ने स्वीकार किया कि बीते साल टीम अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाई, लेकिन यह भी कहा कि नया साल नई उम्मीदें लेकर आएगा।

हॉकी इंडिया लीग के जरिये वापसी कर रही 22 वर्ष की इस फॉरवर्ड ने कहा नए साल में नई चीजें शुरू होंगी तो काफी कुछ बदलेगा। अगला साल काफी अहम है जिसमें विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना सबसे पहली चुनौती है और 2026 में एशियाई खेल भी हैं। प्रो लीग में आखिरी स्थान पर रहने के अलावा एशिया कप के फाइनल में चीन से 1-4 से हारकर भारतीय महिला टीम ने बेल्जियम और नीदरलैंड में अगले साल अगस्त में होने वाले विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने का मौका गंवा दिया। अब उसे मार्च में हैदराबाद में क्वालीफायर खेलना है जिसमें इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, कोरिया, इटली, उरूग्वे, वेल्स और आस्ट्रिया भी भाग लेंगे और शीर्ष तीन टीमें विश्व कप का टिकट कटायेंगी।

वर्ष 2025 में हॉकी इंडिया के सर्वश्रेष्ठ उदीयमान खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने वाली दीपिका ने कहा हॉकी से दूर ये पांच महीने मेरे लिए बहुत कठिन थे। मुझे गुस्सा आता था और मैं रोती थी कि टीम से बाहर क्यो हूं क्योंकि एशिया कप के लिये मेरी तैयारी अच्छी थी। अब पूरी तरह फिट होकर वापसी कर रही हूं और अपनी ओर से कोई कसर नहीं छोड़नी है। उन्होंने कहा हमें दिखाना है कि भारत की महिला हॉकी टीम भी किसी से कम नहीं है।टोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने के बाद महिला हॉकी का ग्राफ जो ऊपर गया था, उसे फिर लौटाना है। पिछला साल अच्छा नहीं रहा लेकिन अगला साल नई सुबह लेकर आएगा।

खिलाड़ी के लिए फिटनेस बहुत जरूरी

दीपिका ने कहा कि एक खिलाड़ी के लिये शारीरिक के साथ मानसिक फिटनेस भी बहुत जरूरी है और एचआईएल में उनकी टीम एसजी पाइपर्स ने इसमें उनकी काफी मदद की। उन्होंने कहा खिलाड़ी अगर मानसिक तौर पर रिलैक्स हो तो शारीरिक फिटनेस आ ही जाती है। हम खुश रहते हैं तो प्रदर्शन भी अच्छा होता है। मैं हॉकी इंडिया लीग के जरिये वापसी करना चाहती थी तो राष्ट्रीय टीम का शिविर खत्म होने के बाद एसजी पाइपर्स ने मेरे लिये जयपुर में 15 दिन के विशेष शिविर का इंतजाम किया और मुझ पर भरोसा जताया। इसी की वजह से मैं फिट होकर वापसी कर सकी हूं। अब चोट से पहले वाले फॉर्म में लौटकर उन्होंने ड्रैग फ्लिक भी शुरू कर दी है।